MD PAPER March 2025_32 Inch January. 2021.qxd 3/1/2025 9:20 AM Page 1

मैडीकल दर्पण

Editor- Brijesh Garg www.medicaldarpan.com Monthly News Paper

B.N. Medical Complex, Bulandshahr (U.P.) Postal Reg. No.- BSR 56/2023-2025 RNI UPBIL/2010/44113

Year 18 | Issue 06 | D.O.P. 01 MARCH 2025 | Pages 16 | ₹10/- Copy | ✆ 09045029158 | medicaldarpan.ctp@gmail.com

More than 250 products and still adding more...

Bivety Biosciences Pvt. Ltd.

OFFERING BIGGEST VETERINARY RANGE FOR FRANCHISEE BUSINESS

Trade enquiries are Welcome for PCDs

We Offer Veterinary Products in:

Bolus | Pets Range | Herbal Products | Feed Supplements | Poultry Products | Injectables | Ectoparasites | many more....

Contact Us: 7206351754 (WhatsApp Only)

Bivety Biosciences Pvt. Ltd.
S.C.O-12A, Ground Floor, Sena Nagar, Chandigarh-New Delhi Highway, Ambala-134003 (Hr.)

Our General Divisions

MERRIL | MESTRA | Sterile Genetics

For any query :- 9719839944 (Call & SMS)

We have more than 2000 Products in our Successfully Running Company.

New Molecules available
Natural Progesterone 200/300/100 mg Tab.
Rifaximine 200/400/550 & Metronidazole 400 mg Tab.
Sultamycillin 375 mg Tab.
Dydrogesterone Tablets IP 10 mg

Emocare (A Neuro-Psychiatric Division)	NUECAD Cardiac-Diabetic division	Womana Gyne-infertility division	BEAUKIN (A Derma Division of Merril Pharma)
Piraciti-Plus Citicoline 500mg + Piracetam 800mg Tab.	Metolip-ER 25/50 Metoprolol Tartrate 25/50 (ER)	Gensure-Sachet L-Arginine 3gm. + Procanthocyanidin 75 mg.	Antihist-D Desloratadine 10 mg.
Velpy-200/300/500 Sodium Valporate With Valporic Acid	Nuepido-AS Clopidogrel 75 mg +Aspirin 75 mg	Gensure-LC L-Carnitine + Co-Enzyme + Astaxanthin + Piperin + Lycopene+ Zinc Sulphate	Tacroril Tacrolimus Cream 0.03
Emofexine Tab. Desvenlafaxine 50mg ER	Nuepido-Plus Clopidogrel 75 mg +Aspirin 150 mg	NMPC-softgel/SR tab/ Inj. Natural Micronised Progesterone B.P. 100/200/300 mg	Candigel Luliconazole 1.0% w/w
Emofexine Plus -50 Desvenlafaxine 50 mg + Clonazepam 0.5 mg	Tenzex-M Teneligliptin 20mg + Metformin Hydrochloride 500mg	Gensure-F Folic Acid, Inositol, L-Arginine, Selenium Grape Seed Extract, Lycopene, Vitamins & Zinc	Eberil Eberconazole 30 mg

Registered Office :-A-401/402, Empire Business Hub, Science City Road, Ahmedabad-380060 (Gujarat)-India,
Email : order@mestrapharma.com, Website : www.mestrapharma.com

DydroBest | Best BEST BIOTECH

In Female Infertility & Painful Menstrual Disorders

Dydrobest® Dydrogesterone 10 mg. TABLETS

- Female Infertility
- High Risk Pregnancy
- Endometriosis
- Irregular Menstrual Disorders
- Premenstrual Syndrome (PMS)

10 x 1 x 10 Tablets
℞ Dydrogesterone Tablets IP 10 mg Dydrobest

A true partner in Successful pregnancy

For trade enquiries please Call 91 9866908086
e-mail: bestbiotech4u@gmail.com,
Website: www.bestbiotechindia.com

PCD / FRANCHISEE
INVITING PROPOSAL FOR FRANCHISEE ACROSS COUNTRY

V & U Pharmaceuticals
A NAME SYNONYMOUS TO QUALITY & TRUST

Where Quality is the Core

All Products of V & U Pharmaceuticals are manufactured under stringent quality control in approved manufacuring facilities.

GMP | ISO 9001 CERTIFIED | WHO GMP CERTIFIED

1. One of the best quality products and packaging.
2. Attractive Pricing./ 3.Attractive Bonanza
4. Comprehensive & expanding produt basket
5.Expert Marketing Support/ Print Inputs.

TABLETS/CAPSULES
SYRUPS/LIQUIDS
RESPULES/ROTACAPS
DEVICES/CREAMS

Contact: 7017051435/9999355975
V & U PHARMACEUTICALS
H-1.39N,RIICO Industrial Area, Khushkhera, Bhiwadi, Distt:Alwar, Rajasthan 301707
sales@vnupharmaceuticals.com; vnupharmaceuticals@gmail.com
www.vnupharmaceuticals.com

Biounity Pharma (Your good health is our target)

SERVICES
- Third Party Manufacturing
- Contract Manufacturing
- PCD Pharma Franchise

GLP | WHO GMP CERTIFIED | ISO 9001

Committed to Healthcare through Innovation & Quality

WE OFFER
- MORE THAN 1000 PRODUCTS
- EXCEPTIONAL PROFIT MARGIN
- PROMPT / TIMELY DELIVERY
- COMPLETE MONOPOLY RIGHTS
- EXCLUSIVE PROMOTIONAL MATERIAL
- ATTRACTIVE PACKING

Supernova Life Drug Pvt. Ltd.
(An GMP Certified Company adhering to the latest revised "SCHEDULE M")

Wide Therapeutic Range

Contact No. :
+91 8449549885
+91 9557627998
po.pharmabiounity@gmail.com
mkt.biounitypharma@gmail.com
Marketing.ekta@supernovalifedrugs.com

Orthopadic Gyneccare Gastroenterology	Anti-Infective Urology Care Anti-Allergic	Cardiovascular Anti-Diabetic Cough & Cold
Bronchodilator Paediatric Respiratory	Injectables Neuropsychiatry Nutritional Supplements	OTC Products Derma Care Eye/Ear/Nasal Drops

Soft Gelatin | Injection (Ampoules)
Liquids | Cosmetic | Nasal Spray
Lotions | Ointments | Dusting Powder

BEST THIRD PARTY INJECTABLES (AMPOULES) MANUFACTURERS COMPANY IN INDIA

SMAYAN HEALTHCARE www.smayan.in

Attractive Packaging
Timely Delivery
Quality Range

WHO | ISO | GMP

For Enquiries Contact:

SMAYAN HEALTHCARE PVT. LTD.
Office: SCO- 50-51, Second Floor, Sector - 9D, Chandigarh, India- 160009
Email: archit@smayanhealthcare.com | Contact No: +91 76967 63030

Successful Completion of 20 years

AAR ESS REMEDIES PRIVATE LIMITED
Processing Science Into Human Life.

ISO 9001:2015 CERTIFIED

Aar Ess Remedies has lived up to the image and the good-will earned entirely due to the trust it has acquired over the years of ethical operation and emerging as the centre of excellence, with the changing pace of life.

Our Premium Products

Well Studied Antibiotic for IBS
ANRIFAXA-550
Rifaximin 550mg Tabs.

Double Blend Beta-lactamase Inhibitor
APTOCEF PLUS
Cefuroxime Axetile 500mg + Calvulanic Acid 125mg Tabs.

Honest & confident Approch
SIBLOL
Ubiquinol 100mg Tabs.
(Active Form of CoQ10)

In Bronchial Asthma & COPD of Varied Origin
ACMON-DM
Acebro (SR) 200mg + Montelukast 10mg + Desloratadine 5mg Tabs.

Ameliorate Pain & Stiffness in OA
NEE FORTE- OXA
Oxaceprol SR 600mg Tabs.

Simple Solution for Stronger Bones
MONTICAL- XT
Cal. Carbonate 1250mg + Vit D3 2000 IU + Vit B12 1500mcg + L- Methylfolate 1mg + Pyrodoxal-5-phosphate 20mg Tabs.

Corporate Office: C-28, Sector-65, Noida, Uttar Pradesh-201301, INDIA.
Helpline: 7838364045 Email: support.aaressremedies@gmail.com
Website: www.aaressremedies.com

MD PAPER March 2025_32 Inch January. 2021.qxd 3/1/2025 9:20 AM Page 2

लाइसेंस के बगैर चल रहे मेडिकल स्टोर कराए बंद

हाथरस: प्राप्त समाचार के अनुसार लाइसेंस के बगैर चल रहे मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी के दौरान बंद करवाया गया है। यह कार्रवाई औषधि विभाग की टीम ने सिकंदराराऊ क्षेत्र के जलेसर रोड पर भेंकुरी क्रॉसिंग के निकट दो मेडिकल स्टोर पर की। टीम ने दवाओं को सीज कर दोनों मेडिकल स्टोर का संचालन बंद करा दिया और आरोपी संचालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

औषधि विभाग को शिकायत मिली थी कि भेंकुरी क्रॉसिंग के निकट उदय मेडिकल स्टोर और तृप्ति मेडिकल स्टोर का संचालन बिना लाइसेंस के अवैध तौर पर किया जा रहा है। औषधि विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर अलीगढ़ ऐजाज अहमद के नेतृत्व में टीम ने दोनों मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी की। तृप्ति मेडिकल स्टोर का संचालन सिकंदराराऊ के गांव भेंकुरी निवासी प्रेमपाल सिंह द्वारा किया जा रहा था। वह मेडिकल स्टोर का लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका। इस स्टोर पर 40 हजार की कीमत की दवाएं सीज की गईं। वहीं, उदय मेडिकल स्टोर का संचालन भेंकुरी निवासी नराई द्वारा किया जा रहा था। यहां 1.05 लाख की कीमत की दवाएं सीज की गईं। उपरोक्त दोनों मेडिकल स्टोरों का संचालन बंद करा दिया। अलीगढ़ के औषधि निरीक्षक दीपक कुमार लोधी ने बताया कि अवैध रूप से चल रहे दोनों मेडिकल स्टोरों को सील करा दिया है और दवाओं को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। लाइसेंस के बगैर चल रहे मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी के दौरान बंद करवाया गया है।

भ्रामक विज्ञापन पर दिव्य फार्मेसी के खिलाफ अब तक 26 केस दर्ज

कोझिकोड (केरल): प्राप्त समाचार के अनुसार भ्रामक विज्ञापन करने पर दिव्य फार्मेसी के खिलाफ अब तक केरल की अदालतों में 26 केस दर्ज हो चुके हैं। गौरतलब है कि दिव्य फार्मेसी योग चिकित्सक बाबा रामदेव, उनके सहयोगी आचार्य बालकृष्ण और उनकी आयुर्वेदिक दवा निर्माण कंपनी पतंजलि आयुर्वेद की विपणन शाखा है। फार्मेसी के खिलाफ अब तक केरल की अदालतों में 26 विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किए जा चुके हैं। भारतीय चिकित्सा संघ द्वारा दायर एक मामले में केरल राज्य औषधि नियंत्रक (प्रभारी) के. सुजीत कुमार द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत हलफनामे में यह खुलासा हुआ।

हलफनामे में बताया गया है कि इनमें से छह मामले कक्कनाड, एर्नाकुलम में, पांच-पांच कोझिकोड और तिरुवनंतपुरम में, तीन पलक्कड़ में, दो-दो कोल्लम, कोट्टायम और त्रिशूर में और एक इडुक्की के कट्टप्पना में हैं। कहा गया है कि भ्रामक विज्ञापन देने वाले अखबारों की ओर से सहयोग की कमी के चलते पांच और मामले दर्ज करवाने में देरी हुई है। राज्य औषधि नियंत्रक ने बताया कि वर्ष 2016 से विभाग द्वारा अधिनियम के उल्लंघन से संबंधित 116 मामले विभिन्न फर्मों के खिलाफ शुरू किए गए। इनमें से 32 मामलों में आरोपियों को दोषी ठहराया गया और शेष मामले कानूनी कार्यवाही के विभिन्न चरणों में हैं।

कंपनियों को कम करनी होगी एमआरपी

नई दिल्ली: दवाइयां जल्द ही सस्ती होने जा रही हैं। इसके लिए दवा नियामक ने सभी दवा विनिर्माताओं और विक्रेताओं से दवाओं का अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) कम करने को कहा है। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने विनिर्माताओं से बजट में सीमा शुल्क से छूट वाली 36 दवाओं और 5 प्रतिशत रियायती शुल्क वाली 6 दवाओं की एमआरपी संशोधित करने को कहा है। गौरतलब है कि बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कैंसर, दुर्लभ बीमारियों और अन्य गंभीर पुरानी बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 36 दवाओं को मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) से छूट देने की घोषणा की थी। इनमें गंभीर अस्थमा के इलाज में काम आने वाली दवा मेपोलीजुमैब और एस्किमिनिब और डारातुमुमैब जैसी कैंसर रोधी दवाएं शामिल हैं। वहीं, छह दवाओं पर सीमा शुल्क घटाकर 5 प्रतिशत करने की भी घोषणा की गई है।

प्राइवेट अस्पताल और मेडिकल स्टोर पर मिली गड़बड़ी

गगरेट (हिमाचल प्रदेश): प्राप्त समाचार के अनुसार प्राइवेट अस्पताल और मेडिकल स्टोर पर छापेमारी के दौरान भारी गड़बड़ी पाई गई हैं। इसके चलते अस्पताल संचालक को नोटिस सौंपा गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शिकायत मिलने पर गगरेट के कलोह में स्थित एक निजी अस्पताल व मेडिकल स्टोर पर छापेमारी की। अस्पताल में कई अनियमितताएं पाई गई। टीम ने पाया कि उक्त निजी अस्पताल व मेडिकल स्टोर में बड़े पैमाने पर पड़ोसी राज्य पंजाब से दवाइयां खरीदी गई हैं और इनमें कई दवाओं की बिक्री का रिकॉर्ड मौजूद नहीं मिला। अस्पताल में टीबी और एचआईवी संक्रमित मरीजों की जांच के लिए उपयोग होने वाली किटें भी मिली, जिनका कोई रिकॉर्ड नहीं था शिकायत में बताया गया था कि उक्त अस्पताल का लाइसैंस एक महिला चिकित्सक के नाम पर है, जबकि वहां पर इलाज कोई और करता है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जब उक्त अस्पताल की महिला डाक्टर से दवा संबंधी सवाल पूछे तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाई। अस्पताल में प्रयोगशाला के साथ-साथ मेडिकल स्टोर का भी संचालन मिला। स्टोर में कई ऐसी दवाएं भी पाई गई हैं, जोकि प्रतिबंधित श्रेणी में आती हैं और उनका रिकॉर्ड एच 1 रजिस्टर में रखना अनिवार्य है। सीएमओ डा. संजीव वर्मा ने उक्त अस्पताल को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने के अलावा बेची गई दवाओं का रिकॉर्ड उपलब्ध करवाने के लिए 2 दिन का समय दिया है। विभाग द्वारा उक्त मामले की रिपोर्ट आगामी कार्रवाई के लिए उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी। प्राइवेट अस्पताल और मेडिकल स्टोर पर छापेमारी के दौरान भारी गड़बड़ी पाई गई हैं।

सन्त चुप रहते है, बुद्धिमान बोलते हैं, मूर्ख बहस करते हैं

4 वर्ष तक घर बैठे यह समाचार पत्र पढ़ने के लिये हमारे पंजाब नैशनल बैंक के खाता संख्या 1824002100120081, IFSC Code - PUNB0145020 जो कि मैडीकल दर्पण के नाम से है, में रू० 500/- जमा कर अपना पूरा पता हमारे फोन नं०- 09045029158 पर SMS कर दें।

MD PAPER March 2025_32 Inch January. 2021.qxd 3/1/2025 9:20 AM Page 3

गर्भपात की गोलियों की ऑनलाइन बिक्री का मामला पकड़ा

चंडीगढ़: गर्भपात की गोलियों की ऑनलाइन बिक्री का मामला पकड़ में आया है। यमुनानगर और गुरुग्राम जिलों में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने मेडिकल गर्भपात किट के बिहार स्थित अवैध ऑनलाइन वितरक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की हैं। बिहार में भागलपुर के कहलगांव का आरोपी रितेश कुमार कथित तौर पर देश भर में एमटीपी (गर्भावस्था की चिकित्सा समाप्ति) किट की अनधिकृत बिक्री में शामिल पाया गया। आरोपी के खिलाफ मेडिकल समाप्ति ऑफ गर्भावस्था अधिनियम, 1971 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। स्वास्थ्य अधिकारियों ने आरोपी द्वारा संचालित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से एमटीपी किट मंगाने के बाद दो एफआईआर दर्ज की थी। गौरतलब है कि एमटीपी किट की अवैध बिक्री पर यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश स्थित दो ऑनलाइन फार्मेसी मालिकों को गिरफ्तार किए जाने के पांच दिन बाद हुई है। इन्होंने गुरुग्राम में एमटीपी किट की सप्लाई की थी।

अवैध गोदाम से 6.7 लाख की दवाइयां बरामद

हैदराबाद: अवैध गोदाम पर छापेमारी कर 6.7 लाख रुपये कीमत की दवाइयां बरामद की गई हैं। यह कार्रवाई तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन (टीएसडीसीए) के औषधि निरीक्षकों ने की। टीम ने मेडचल-मलकजगिरी जिले के उप्पल खालसा में बिना लाइसेंस वाले गोदाम पर छापा मारा और 6.7 लाख की अवैध दवाओं को जब्त कर लिया। गोदाम में अडांकी वेंकट सुरेश बाबू ने औषधि लाइसेंस के बिना अवैध रूप से दवा का भंडारण किया हुआ था। जब्त दवाओं में छह प्रकार की एक्सपायर हो चुकी दवाएं, गर्भपात किट, दर्द निवारक और एंटीहिस्टामिनिक दवाएं शामिल थीं। टीएसडीसीए के महानिदेशक वी बी कमलासन रेड्डी ने कहा कि दवाओं के अवैध भंडारण और बिक्री करने वाले लोगों को दवा सप्लाई करने वाले थोक विक्रेता और डीलर भी दंडनीय हैं। ऐसे थोक विक्रेताओं और डीलरों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

www.medicaldarpan.com

अस्पताल की लापरवाही से बच्चों की अदला-बदली, हंगामा

बुरहानपुर (मध्य प्रदेश): अस्पताल की लापरवाही से बच्चों की अदला-बदली होने का मामला प्रकाश में आया है। इसके चलते उनके परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा कर डाला। जिला अस्पताल में डिलीवरी के बाद बच्चों की अदला-बदली हो गई। जिस महिला को बेटी पैदा हुई थी, उसे बेटा सौंप दिया गया। वहीं, जिसे बेटा हुआ था, उसे बेटी सौंप दी गई। इसके बाद दोनों महिलाओं के परिजनों ने अस्पताल में खूब हंगामा किया। दरअसल, बच्चों को ऑक्सीजन की कमी होने के कारण वार्ड में भर्ती कराया गया था। नर्स ने नवजात बच्चे को ऑक्सीजन की पूर्ति होते ही उसे लौटाने के लिए गेट पर पहुंचे तो वहां लडकी के माता-पिता भी मौजूद थे। उसने उन्हें बच्चा सौंप दिया। कई घंटे बीतने पर इस बात का खुलासा हुआ।

दवा एजेंसी पर छापामारी, एक्सपायर्ड इंजेक्शन मिलने पर की सील

रायबरेली: दवा एजेंसी पर छापामारी के दौरान एक्सपायर्ड इंजेक्शन मिलने पर उसे सील कर दिया गया। औषधि व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने ऊंचाहार में अल्कोहल युक्त दवाओं की जांच के लिए छापेमारी की थी। एक दवा एजेंसी से 45 बोतल स्प्रिट बरामद होने के बाद उसे सील कर दिया गया। वर्ष 2021 में एक्सपायर्ड 87 इंजेक्शन फ्रिज में रखे मिले। सभी को नष्ट कराया गया। जांच के दौरान छह दवाओं के नमूने भरने के बाद 10 दवाओं की बिक्री रोक दी। पांच संचालक मेडिकल स्टोर बंद करके भाग गए। आठ दवा विक्रेताओं को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। ड्रग इंस्पेक्टर शीवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि अल्कोहल युक्त दवाओं की जांच के लिए ऊंचाहार में छापे मारे। जांच के दौरान यश एजेंसी में फिजीशियन सैंपल बरामद हुए। यहां 45 बोतल स्प्रिट मिली। स्प्रिट में 70 प्रतिशत अल्कोहल पाया गया। इसके चलते स्प्रिट को सील कर दिया गया। उक्त एजेंसी से दो दवाओं के सैंपल लिए गए हैं। इसी के साथ ही तीन दवाओं की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने बताया कि उत्तम एजेंसी के फ्रिज में एक्सपायर्ड इंजेक्शन मिले हैं। ये इंजेक्शन वर्ष 2021 में ही एक्सपायर्ड हो गए थे। सभी 87 इंजेक्शनों को नष्ट कराने के साथ ही दो दवाओं के सैंपल लेकर चार दवाओं की बिक्री पर रोक लगा दी है।

जैसा मनुष्य पुराने वस्त्रों को त्यागकर दूसरे नये वस्त्रों को ग्रहण करता है, वैसे ही आत्मा पुराने तथा वृद्ध शरीर को त्यागकर नये शरीर को प्राप्त करती है

MD PAPER March 2025_32 Inch January. 2021.qxd 3/1/2025 9:20 AM Page 4

दवा निर्यात मंजूरी को डीसीजीआई ने बनाया आसान

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार दवा निर्यात मंजूरी को अब आसान बना दिया गया है। पहले देश से दवाओं का निर्यात करने वाली कंपनियों को हर बार ग्राहक और मात्रा संबंधित एनओसी लेनी पड़ती थी। भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने निर्यात प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए एनओसी की प्रक्रिया में बदलाव किया है। अब नई प्रणाली के तहत डीसीजीआई पिछले एक साल के दौरान उस विशेष दवा के निर्यात के कंपनी के इतिहास को देखेगी और इस आधार पर व्यापक एनओसी प्रदान करेगी। यह एनओसी ग्राहक या आयातक से बंधी हुई नहीं होगी, बल्कि यह उत्पाद और देश से संबंधित होगी। इससे सालाना जारी होने वाली एनआ. ेसी की संख्या करीब 15 हजार से घटकर करीब 5 हजार हो जाएगी। इससे निर्यातकों पर प्रक्रियात्मक बोझ काफी कम हो जाएगा। गौरतलब है कि जेनेरिक दवाओं की सप्लाई में भारत का फार्मास्युटिकल क्षेत्र विश्वभर में विकास की ओर बढ़ रहा है। देश के फार्मास्युटिकल निर्यात में नौ प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी देखी गई है।

नकली दवा रैकेट का भंडाफोड़ कर 12.47 लाख की दवाएं जब्त

पुणे (महाराष्ट्र)। नकली दवा रैकेट का भंडाफोड़ कर 12.47 लाख रुपये कीमत की दवाएं जब्त करने का मामला प्रकाश में आया है। यह कार्रवाई पुणे, ठाणे और नंदुरबार के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के एक संयुक्त अभियान में की गई। छापेमारी के दौरान पुणे और नंदुरबार से 12.47 लाख रुपये की दवाओं का स्टॉक जब्त किया गया। आयुर्वेदिक उत्पादों की नकल करने के लिए डमी चूर्ण, च्यवनप्राश और अन्य दवाओं का निर्माण शामिल किया गया था। एफडीए अधिकारियों के अनुसार इन नकली दवाओं और स्वास्थ्य सप्लीमेंट्स को ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 के विरोधाभासी भी करार दिया गया था, जो जादुई गुणों का दावा करते हैं। एफडीए अधिकारियों ने एक गुप्त सूचना के आधार पर कोंढवा में मेसर्स टाईखे हेल्थकेयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड पर रेड की। यह कंपनी पिछले 18 महीनों से चल रही है। अधिकारियों ने कंपनी परिसर से 6 लाख रुपये कीमत की विभिन्न आयुर्वेदिक और यूनानी दवाएं जब्त कीं। इसके अलावा 10 अलग-अलग दवाओं और सप्लीमेंट के सैंपल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजे गए।

पैनल आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने, फार्मा उत्पादों के लिए चीन पर निर्भरता कम करने के उपाय सुझाएगा

नई दिल्ली: फार्मास्यूटिकल्स विभाग (डीओपी) ने फार्मा उत्पादों के लिए चीन पर निर्भरता कम करने के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने की कार्ययोजना के लिए रणनीति और रोडमैप तैयार करने के लिए एक तकनीकी समिति का गठन किया है। मामले से अवगत एक व्यक्ति ने कहा, यह तकनीकी समिति आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन से संबंधित इसी तरह की अन्य पहलों में फार्मा विभाग का समर्थन करेगी।ष हाल ही में डीओपी में विभिन्न फार्मा हितधारकों के साथ एक बैठक हुई और सरकारी अधिकारियों और फार्मा लॉबी समूहों को शामिल करते हुए समिति का गठन किया गया। यह कदम इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉस्पेरिटी (आईपीईएफ) समझौते के बाद उठाया गया है, जो क्षेत्र में आर्थिक विकास और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए गठित 14 देशों का बहुपक्षीय समूह है। IPEF के सदस्य देशों में ऑस्ट्रेलिया, रुनेई, फिजी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम और अमेरिका शामिल हैं। समझौते के चार स्तंभ हैं, जिनमें से एक आपूर्ति श्रृंखला समझौता है। IPEF आपूर्ति श्रृंखला समझौते के तहत, चार क्षेत्रों (अर्धचालक, महत्वपूर्ण खनिज, रसायन और एच/फार्मास्युटिकल्स) में कार्य योजना दल बनाए गए हैं और इनका नेतृत्व विभिन्न सदस्य देश कर रहे हैं। समिति स्वास्थ्य सेवा/फार्मास्युटिकल्स की कार्य योजना टीम के लिए रणनीति, एजेंडा और रोडमैप तैयार करने में तकनीकी सहायता प्रदान करेगी, व्यक्ति ने कहा। समझौते का उद्देश्य पार्टियों की अर्थव्यवस्थाओं में उद्यमों के बीच आर्थिक, वाणिज्यिक और व्यापार संबंधों को मजबूत करना और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन में सुधार करना है। पिछले साल दिसंबर में समझौते के तहत अमेरिका को अध्यक्ष और भारत को उपाध्यक्ष बनाकर आपूर्ति श्रृंखला परिषद (एससीसी) की स्थापना की गई थी। नवगठित टीम द्वारा इस वर्ष तक आपूर्ति श्रृंखला परिषद को कार्य योजना प्रस्तुत की जाएगी। टीम स्वास्थ्य सेवा/फार्मास्युटिकल के लिए कार्य योजना टीम का नेतृत्व करने की जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए समय-समय पर आवश्यकतानुसार इनपुट भी प्रदान करेगी।

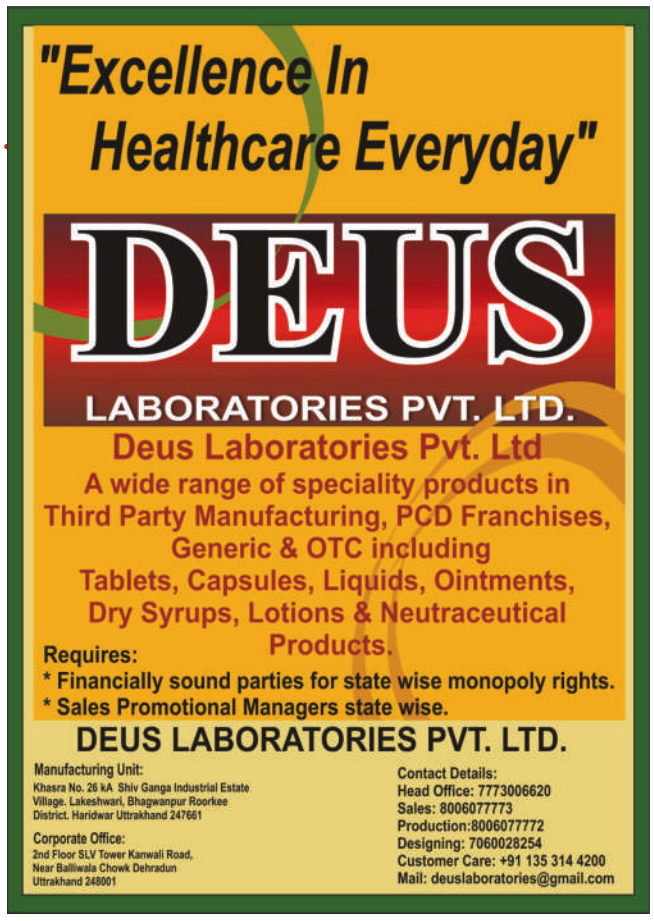

घटिया हेपरिन इंजेक्शन की सप्लायर फार्मा कंपनी ब्लैक लिस्टेड

रायपुर: प्राप्त समाचार के अनुसार घटिया हेपरिन इंजेक्शन की सप्लायर फार्मा कंपनी को ब्लैक लिस्टेड कर दिया है। सीजीएमएससी ने हरियाणा की दो लैब से भी रेट कांट्रेक्ट खत्म कर दिया है। इनमें इडमा लेबोरेटरीज लिमिटेड पंचकूला व सेटिएट रिसर्च एंड अंटेक प्राइवेट लिमिटेड बरवाला पंचकूला के नाम शामिल हैं। यह कार्रवाई इंजेक्शन सप्लाई करने वाली वड़ोदरा की डिवाइन लेबोरेटरी को ओके रिपोर्ट देने के चलते की गई है। इस मामले में सीजीएमएससी के तत्कालीन डिप्टी मैनेजर क्वालिटी कंट्रोल लक्ष्मण खेलवार को सस्पेंड करने की अनुशंसा भी की गई है। जानकारी अनुसार खून पतला करने वाले हेपरिन इंजेक्शन के दो बैच के इंजेक्शन खराब निकले थे। मामला संज्ञान में आने पर छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन (सीजीएमएससी) ने घटिया हेपरिन इंजेक्शन को अस्पतालों से वापस मंगवाया। साथ ही इसके उपयोग पर पाबंदी लगाई गई। वहीं डिवाइन लेबोरेटरी वड़ोदरा, पंचकूला के दोनों लैब व खेलवार को नोटिस भेजा गया। डिवाइन कंपनी ने घटिया इंजेक्शन का लाट वापस मंगाने पर भी सहमति जताई। घटिया क्वालिटी के इंजेक्शन कंपनी को ब्लैक लिस्टेड क्यों नहीं किया गया, के जवाब में अधिकारियों का कहना है कि हिपे. रिन इंजेक्शन 5000 आईयू-एमएल के लिए अनुबंध पहले ही खत्म हो चुका है। 1000 आईयू-एमएल के लिए डिवाइन लेबोरेटरी के साथ रेट कांट्रेक्ट खत्म कर दिया है। यह निर्णय घटिया क्वालिटी के इंजेक्शन सप्लाई के कारण लिया गया है। खेलवार को उच्चाधिकारियों को पूर्ण जानकारी न देने तथा उच्चाधिकारियों से अनुमोदन नहीं लेने के कारण कार्रवाई की गई है। डिवाइन लेबोरेटरी में बने हेपरिन इंजेक्शन बैच नंबर डीपी 4111 तथा बैच नंबर डीपी 2143, दोनों ही घटिया निकल चुका है। दोनों इंजेक्शन ने मरीजों पर कोई असर नहीं किया और डॉक्टरों को बाहर से इंजेक्शन लगाकर पैर की ब्लॉकेज नस का ऑपरेशन किया। इंजेक्शन घटिया होने की शिकायत कार्डियोलॉजी व कार्डियक सर्जरी विभाग ने अस्पताल प्रबंधन से की थी। इसके बाद प्रबंधन ने सीजीएमएससी को शिकायत की। तब कॉर्पोरेशन ने दोनों बैच के इंजेक्शन वेयर हाउस में वापस मंगवाए है।

सील अस्पताल में महिला की ऑपरेशन से कर डाली डिलीवरी

अमरोहा (उप्र): प्राप्त समाचार के अनुसार सील अस्पताल में महिला की ऑपरेशन से डिलीवरी किए जाने का मामला पकड़ में आया है। बाईपास मार्ग पर स्थित अस्पताल को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सील किया था। इस अस्पताल में आपरेशन से महिला की डिलीवरी कराने की शिकायत मिलने पर नायब तहसीलदार ने मौके पर निरीक्षण किया। अस्पताल का स्टाफ मौके से फरार हो गया। प्रसूता की स्थिति को देखते हुए अस्पताल में ही एएनएम को देखभाल के लिए छोड़ा गया है। करीब दो माह पहले शिकायत मिलने पर नायब तहसीलदार ने बाईपास मार्ग पर एक अवैध अस्पताल को सील कर दिया था। अभी तक अस्पताल पर सील लगी हुई है। इसके बावजूद संचालक ने अस्पताल का दूसरा गेट खोलकर एक गर्भवती महिला का ऑपरेशन कर दिया। इसकी शिकायत मिलने पर एसडीएम के निर्देश पर नायब तहसीलदार गजरौला राजपाल ने अस्पताल में छापा मारा। अधिकारियों को देखकर अस्पताल संचालक मौके से फरार हो गया। अस्पताल के अंदर महिला अपने नवजात शिशु के साथ भर्ती थी। महिला ने बताया कि दोपहर ही उसका ऑपरेशन किया गया है। प्रसूता की हालत को देखते हुए उसे सरकारी अस्पताल में शिफ्ट नहीं किया जा सका। यहां अस्पताल की एक एएनएम को देखभाल के लिए छोड़ा गया है। फिलहाल मामले में कार्यवाही की जा रही है।

दवा लाइसेंस प्रक्रिया लटकाने पर दी कार्यवाही की चेतावनी

लखनऊ (उप्र)। प्राप्त समाचार के अनुसार दवा लाइसेंस प्रक्रिया लटकाने पर दी कमिश्नर ने कार्रवाई की चेतावनी दी है। थोक व फुटकर दवा विक्रेताओं के नवीन लाइसेंस एवं लाइसेंस के रीटेंशन के समाधान निर्धारित अवधि में न करने पर आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने नाराजगी जताई है। उन्होंने सभी सहायक आयुक्त औषधि एवं औषधि निरीक्षकों को पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि लंबित पड़े नवीन लाइसेंस का निस्तारण 15 दिनों में करें। वहीं, रीटेंशन वाले लाइसेंस का निस्तारण दो दिनों में कर इसकी सूचना दें। लापरवाही सहायक आयुक्त औषधि एवं औषधि निरीक्षक के खिलाफ नियमानुसार दंडनीय कार्यवाही की जायेगी।

अवैध अस्पताल व तीन क्लीनिका किए सील

फतेहपुर (बाराबंकी), उप्र: अवैध अस्पताल व तीन क्लीनिकों पर रेड कर सील किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी अनुसार एसीएमओ ने फतेहपुर क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे एक अस्पताल व तीन क्लीनिक को सील कर दिया। इनके संचालक जांच के दौरान कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा पाए। इसके चलते कार्रवाई की गई। वहीं, एक डेंटल क्लीनिक संचालक को भी नोटिस सौंपा गया है। चिकित्सा एवं पंजीयन विभाग के नोडल एसीएमओ डॉ. राजीव दीक्षित ने सीएचसी फतेहपुर के प्रभारी डॉ. अवनीश चौधरी के साथ इसरौली स्थित बिन्दू पॉलीक्लीनिक का निरीक्षण किया। इस दौरान क्लीनिक संचालक कोई अभिलेख नहीं दिखा पाए, जिस पर क्लीनिक को सील कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने फतेहपुर कस्बे में बस स्टॉप के निकट स्थित सेवा पॉलीक्लीनिक व सांई क्लीनिक की जांच की। यहां पर भी संचालक कोई कागजात नहीं दिखा पाए, जिस पर दोनों क्लीनिकों को सील कर नोटिस देकर जवाब तलब किया गया है। इसी तरह कस्बे के सूरतगंज मार्ग पर स्थित मैक्स हास्पिटल की जांच की गई। इस दौरान कोई कर्मचारी अस्पताल में मौजूद नहीं मिला। यहां पर दो मरीज भर्ती पाए गए। दोनों मरीजों को एंबुलेंस से सीएचसी शिफ्ट करा दिया गया है। जांच में पता चला कि इन मरीजों का इलाज अप्रशिक्षितों के द्वारा किया जा रहा था।

हार्ट अटैक में भी कारगर है डायबिटीज की दवा

नई दिल्ली: हार्ट अटैक में डायबिटीज की दवा को काफी कारगर पाया गया है। यह दावा भारतीय मूल के वैज्ञानिक के नेतृत्व में एक शोध दल ने किया है। बताया गया है कि अमेरिका की फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा टाइप 2 डायबिटीज के इलाज के लिए मंजूर की गई एक दवा हार्ट अटैक और स्ट्रोक के खतरे को भी कम कर सकती है। इस अंतरराष्ट्रीय शोध में करीब 10 हजार लोग शामिल हुए। सोटाग्लिफ्लोजनि नामक यह दवा हृदय संबंधी जोखिम को भी घटा सकती है। इस दवा को किडनी रोग के इलाज के लिए भी मंजूरी मिली है। गौरतलब है कि सोटाग्लिफ्लोजिन एक खास दवा है जो एसजीएलटी अवरोधक के रूप में काम करती है। यह शरीर में मौजूद दो प्रोटीन, एसजीएलटी1 और एसजीएलटी2 की क्रिया को रोकती है। माउंट सिनाई फस्टर हार्ट हॉस्पिटल के निदेशक और अमेरिका की इकान स्कूल ऑफ मेडिसिन में कार्डियोवस्कुलर मेडिसिन के प्रोफेसर दीपक एल. भट्ट ने बताया कि ये परिणाम क्रिया के नए तंत्र को प्रदर्शित करते हैं।

नशीली दवा ट्रामाडोल सप्लाई मामले में फार्मा एमडी को मिली बेल

मुंबई: नशीली दवा ट्रामाडोल सप्लाई मामले में फार्मा एमडी को जमानत मिल गई है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सेफ फॉर्मूलेशन प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को इस मामले में बेल प्रदान की है। उन्हें अप्रैल 2023 में वयस्कों में दर्द के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली ओपिओइड दर्द की दवा ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड को निर्यात करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने लंबे समय तक कैद में रहने और निर्णायक सबूतों की कमी का हवाला देते हुए उन्हें कड़ी शर्तों के साथ जमानत दे दी। सेंट्रल इंटेलिजेंस यूनिट ने गुप्त सूचना के आधार पर सहार के एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स में दक्षिण सूडान के लिए सेफ फॉर्मूलेशन से एक निर्यात खेप को रोका था। इसमें 720 किलोग्राम टैमोल-एक्स-225 था। इसे मैग्नीशियम साइट्रेट और कैल्शियम कार्बोनेट के रूप में लेबल किया गया था। रेड्डी के वकील कुशल मोर ने दावा किया कि रेड्डी ने सरकार से अपेक्षित अनुमति प्राप्त की थी, जिसमें नशीली दवाओं और मनोदैहिक पदार्थों को रखने का लाइसेंस भी शामिल था। उन्होंने अदालत को रेड्डी की लंबे समय तक कैद की जानकारी भी दी। एन.जे. जमादार की एकल-न्यायाधीश पीठ ने रेड्डी को एक लाख के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की जमानत देने पर बेल दे दी। अदालत ने कहा कि यह अत्यधिक संभावना नहीं है कि मुक. दमा उचित अवधि के भीतर समाप्त किया जा सकता है।

पांच मेडिकल स्टोर पर 18 दवाओं की बिक्री पर रोक

रायबरेली: पांच मेडिकल स्टोर पर रेड के दौरान दवा बिक्री के बिल नहीं मिले। इसके चलते ड्रग इंस्पेक्टर ने 18 दवाओं की बिक्री पर रोक लगा दी है। वहीं, दो संदिग्ध दवाओं के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे हैं और कमियां मिलने पर स्टोर संचालकों को नोटिस सौंपे गए हैं। ड्रग इंस्पेक्टर शीवेंद्र प्रताप सिंह ने जतुआ-टप्पा स्थित शमा मेडिकल स्टोर का निरीक्षण किया। यहां तीन संदिग्ध दवाओं की बिक्री पर रोक लगा दी। जतुआटप्पा स्थित चित्रांशु फार्मा में भी चार दवाओं की बिक्री रोकी है। देदौर स्थित विजय मेडिसिन हाउस में कमियां मिलने पर चार संदिग्ध दवाओं की बिक्री रोक दी है। इस दुकान से एक संदिग्ध दवा का सैंपल भी लिया है। इसी क्रम में सराय मुबारक चौराहा स्थित चौधरी मेडिकोज में तीन प्रकार की दवाओं की बिक्री बैन की गई है।

MD PAPER March 2025_32 Inch January. 2021.qxd 3/1/2025 9:20 AM Page 5

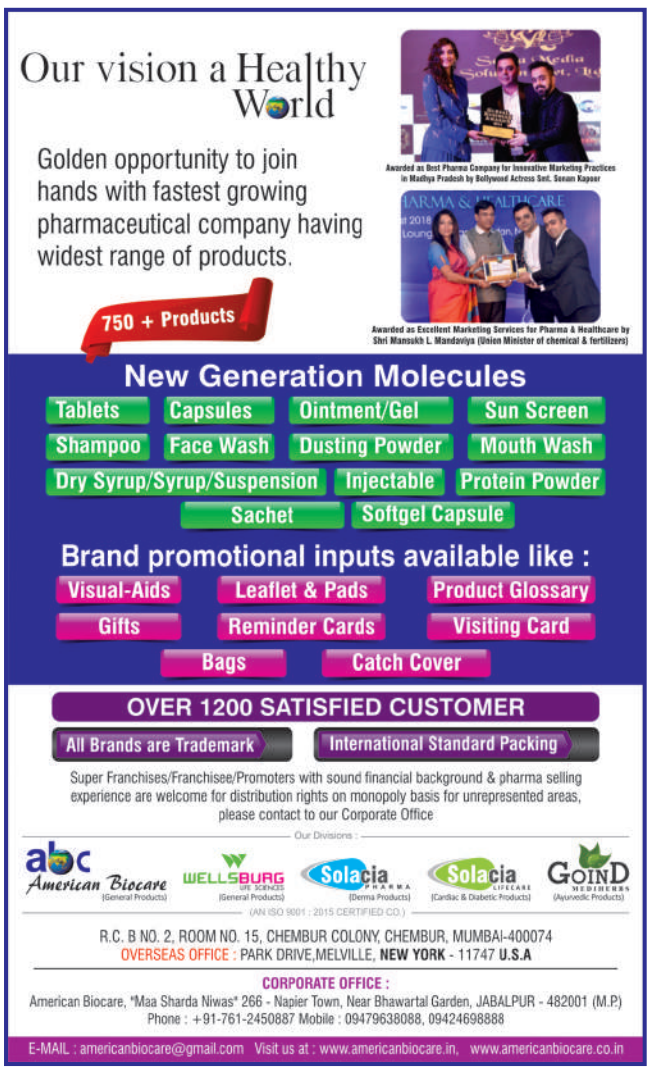

फार्मा कंपनी को एपीआई प्लांट के निर्माण में खामियों के चलते फटकारा

नई दिल्ली: फार्मा कंपनी को एपीआई प्लांट के निर्माण में खामियों के चलते फटकार लगाई गई है। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने राजस्थान स्थित सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई) संयंत्र में महत्वपूर्ण विनिर्माण खामियों के लिए जगसनपाल फार्मास्यूटिकल्स को फटकार लगाई है। कंपनी के प्रबंध निदेशक मनीष गुप्ता को जारी चेतावनी पत्र में अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) ने कहा कि उसने राजस्थान में कंपनी के भिवाड़ी स्थित प्लांट का निरीक्षण किया। पता चला कि विनिर्माण, प्रसंस्करण, पैकिंग या होल्डिंग के तरीके, सुविधाएं या नियंत्रण सीजीएमपी के अनुरूप नहीं हैं। यूएसएफडीए ने इस एपीआई को मिलावटी बताया है। यूएसएफडीए द्वारा जारी चेतावनी पत्र में आमतौर पर उल्लंघन की पहचान की जाती है। पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि कंपनी इस कमी को ठीक कर। इसमें सुधार के लिए दिशा-निर्देश और समय-सीमा प्रदान की गई है। पत्र में उल्लेख किया कि कंपनी की गुणवत्ता प्रणाली अपर्याप्त थी। कई दवा निर्माता उत्पादन सुविधाओं, परीक्षण प्रयोगशालाओं, पैकेजर्स और लेबलर्स जैसे स्वतंत्र ठेकेदारों का उपयोग करते हैं। एफडीए ठेकेदारों को निर्माता के विस्तार के रूप में मानता है। यूएसएफडीए ने आरोप लगाया कि उसके निरीक्षकों को 15 मार्च, 2024 को यूनिट में प्रवेश करने से मना कर दिया गया था। 20 मार्च, 2024 को एफडीए को निरीक्षण करने के लिए पंजीकृत पते पर यूनिट में प्रवेश करने की अनुमति दी गई थी।

भारत का औषधि नियामक कार्यभार कम करने के लिए निर्यात प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करेगा

नई दिल्ली: भारत के औषधि नियामक ने अपने कार्यबल पर बोझ कम करने के प्रयास में, अस्वीकृत दवाओं के लिए निर्यात मंजूरी को सुव्यवस्थित करने और विनिर्माण लाइसेंसिंग प्रक्रिया को सरल बनाने सहित विभिन्न सुधारों को लागू करने का लक्ष्य रखा है, इसके प्रमुख ने गुरुवार को कहा। एजेंसी के पास भारत में 10,000 से अधिक दवा कारखानों और 1 मिलियन फार्मेसियों की देखरेख करने के लिए केवल 2,000 अधिकारी हैं, राजीव रघुवंशी ने गुरुवार को मुंबई में एक सम्मेलन में बताया। उन्होंने कहा, ष्मैं अपने कर्मचारियों की संख्या रातोंरात नहीं बढ़ा सकता। हम जो कुछ भी कर रहे हैं, मुझे विश्लेषण करना होगा कि हम जो कर रहे हैं उसमें मैं कैसे कटौती कर सकता हूँ। संघीय एजेंसी आवेदक के पिछले निर्यात इतिहास पर विचार करके निर्यात मंजूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने की योजना बना रही है, जो मात्रा और ग्राहक-विशिष्ट निर्यात प्रणाली से हटकर है।

अमृत और मृत्यु - दोनों ही इस शरीर में स्थित हैं. मनुष्य मोह से मृत्यु को व सत्य से अमृत को प्राप्त होता है
"यदि किसी का स्वभाव अच्छा है तो उसे किसी और गुण की क्या जरूरत है? यदि आदमी के पास प्रसिद्धि है तो भला उसे और किसी श्रृंगार की क्या आवश्यकता है?" -चाणक्य

भारतीय फार्मा निवेश के साथ वैश्विक फोकस बढ़ाया: रिपोर्ट

नई दिल्ली: जैसे-जैसे भारतीय दवा कंपनियाँ अपने राजस्व स्रोतों में विविधता ला रही हैं, निर्यात वैश्विक औसत दर से कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है। परिच. लन निरंतरता सुनिश्चित करने और उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए, ये कंपनियाँ वैश्विक विनियामक मानकों को पूरा करने वाले बुनियादी ढाँचे में पर्याप्त निवेश कर रही हैं। वैश्विक परामर्श फर्म मैकिन्से एंड कंपनी द्वारा किए गए एक बाजार विश्लेषण में बताया गया है कि भारतीय दवा निर्माताओं ने थ्क्।-पंजीकृत जेनेरिक विनिर्माण स्थलों की संख्या के मामले में अमेरिकी कंपनियों को पीछे छोड़ दिया है, जो विश्व स्तरीय बुनियादी ढाँचे में मजबूत निवेश के कारण संभव हुआ है।

ड्रग इंस्पेक्टर हर माह करेंगे 20 दवा दुकानों की जांच

पटना (बिहार): ड्रग इंस्पेक्टर हर माह करेंगे 20 दवा दुकानों की जांच करेंगे और पांच मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी करेंगे। यह निर्देश स्वास्थ्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक में किए हैं। दवाओं की बिक्री और उसके वितरण को लेकर हुई बैठक में उन्होंने कहा कि इससे राज्य में नकली दवाओं के कारोबार पर पूरी तरह से रोक लग सकेगी। बैठक में स्वास्थ्य सचिव ने दवाओं की गुणवत्ता की निगरानी के लिए सघन जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए। वहीं जांच में दोषी मिलने वाले दवा दुकानदारों और सप्लायर्स पर कठोर कानूनी कार्रवाई करें। उन्होंने औषधि निरीक्षकों को कहा कि वे अपने जिलों में खुद का इंटेलिजेंस सिस्टम विकसित करें जिससे नकली दवाओं की पहचान में मदद मिल सके। दवा दुकानों और वितरण केंद्रों पर औचक निरीक्षण करें और लाइसेंसिंग नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने का काम करें। पुरानी दवा दुकानों के लाइसेंस को आनलाइन करें ताकि प्रक्रिया में पारदर्शिता और दक्षता तय हो सके।

अस्पताल में मोबाइल फोन की रोशनी में कर डाला घायल का इलाज

धोलपुर, सरमथुरा(राजस्थान): प्राप्त समाचार के अनुसार अस्पताल में मोबाइल फोन की रोशनी में इलाज का मामला प्रकाश में आया है। यह लापरवाही अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में दिखाई दी। यहां पर मोबाइल फ्लैश की रोशनी में घायलों का इलाज चल रहा था। बिजली कटने पर अस्पताल में न तो इनवर्टर की व्यवस्था थी और न ही जनरेटर

सही था। अस्पताल में इस तरह की लापरवाही चिकित्सा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। गौरतलब है कि कस्बे का सामुदायिक अस्पताल बदहाली के आंसू बहा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की लापरवाही से अस्पताल की व्यवस्थाएं वेंटिलेटर पर पहुंच गई हैं। अस्पताल में बैटरी की मियाद पूरी होने के बावजूद इन्हें बदला नहीं गया है। अस्पताल में एक जनरेटर खराब अवस्था में पड़ा है, वही दूसरा जनरेटर ऑक्सीजन प्लांट की जरूरत पर ही चलाया जाता है। बिजली गुल होने पर अस्पताल में प्रकाश की व्यवस्था का कोई प्रबंध नही हैं। अस्पताल की इमरजेंसी तक में भी प्रकाश की कोई व्यवस्था नही हैं। इमरजेंसी में मौजूद चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी अंधेरे में मोबाइल का फ्लैश जलाकर घायलों का उपचार करने के लिए मजबूर हैं। कई बार स्वास्थ्य कर्मी घायल को टॉर्च की रोशनी में इंजेक्शन लगाते हुए देखे गए हैं। उधर, इस बारे में संबंधित स्वास्थ्य अधिकारी का कहना है कि बजट में कमी के चलते यह असुविधाएं हो रही हैं। उच्चाधिकारियों को इस बारे में अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अभी तक कोई कदम नहीं उठाया गया है। अस्पताल में मोबाइल फोन की रोशनी में इलाज का मामला प्रकाश में आया है। यह लापरवाही अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में दिखाई दी। यहां पर मोबाइल फ्लैश की रोशनी में घायलों का इलाज चल रहा था।

मकान से नशीली दवा की अवैध बिक्री करने पर तस्कर गिरफ्तार

सोनीपत (हरियाणा): मकान से नशीली दवा की अवैध बिक्री करने पर एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्यवाही क्राइम युनिट कुण्डली की पुलिस टीम ने की। नशीली दवाओं सहित गिरफ्तार आरोपी सन्नी पुत्र गोपाल निवासी कोट मोहल्ला, सोनीपत का निवासी है। क्राइम युनिट कुण्डली की पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि सन्नी पुत्र गोपाल निवासी कोट मोहल्ला सोनीपत निवासी प्रतिबन्धित दवाइयाँ बेचने का काम करता है। वह अपने मकान में प्रतिबन्धित दवाइयाँ रखे हुए है। सूचना के तहत पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और सन्नी को काबू कर लिया। मकान में तलाशी लेने पर कमरा में तीन थैले, एक कट्टा प्लास्टिक बरामद हुए। प्रत्येक कट्टे में भारी मात्रा में प्रतिबंधित दवाइयों की शीशिंया पाई गई।

4 वर्ष तक घर बैठे यह समाचार पत्र पढ़ने के लिये हमारे पंजाब नैशनल बैंक के खाता संख्या 1824002100120081, IFSC Code - PUNB0145020 जो कि मैडीकल दर्पण के नाम से है, में रू० 500/- जमा कर अपना पूरा पता हमारे फोन नं०- 09045029158 पर SMS कर दें।

MD PAPER March 2025_32 Inch January. 2021.qxd 3/1/2025 9:20 AM Page 6

जन्मदिन पर ढेर सारी हार्दिक शुभकामनाएं

SHRI SUMIT P. BORA	DHULE	01/03/1988	9923430447
SHRI RAKESH JAKHAR JI	AMBALA	01/03/1974	9812435615
MR. YOGESH JI	MEERUT	01/03/1983	8273668564
SHRI MOHIT AGARWAL JI	AGRA	01/03/1989	9720066158
SHRI AMOL S. BADGUJAR JI	JALGAON	02/03/1979	9405097518
NISAR AHMED JI	DHULE	03/03/1977	9270708180
MR. REHMAN JI	MEERUT	03/03/1989	9027178860
SHRI SAGAR AHAR JI	NASHIK	04/03/1990	7588173388
SHRI GANESH CHAND GOYAL JI	AGRA	05/03/1970	9412550823
DR. BIJENDRA SINGH JI	BULANDSHAHR	05/03/1973	9758547172
SHRI RAJ KUMAR GUPTA JI	BULANDSHAHR	05/03/1979	9027966650
SHRI JITENDRA P.PUROHIT JI	TAPI	07/03/1986	9725978331
SHRI PUNIT THAKKAR JI	NAGPUR	08/03/1975	9823275620
SHRI ASHWANI MALIK JI	KARNAL	09/03/1960	8689000676
SHRI VAIBHAV SHAH JI	SURAT	09/03/1979	9825411131
SHRI GANESH C. PATIL JI	JALGAON	09/03/1986	9561727946
SHRI MUNAF BHAI JI	SURAT	10/03/1987	9173373700
DR. LALIT KUMAR JI	BULANDSHAHR	10/03/1988	9756484621
SHRI VIKRAM D. TEJWANI JI	JALGAON	11/03/1978	9422275387
SHRI NILESH BHALGHAT JI	PUNE	13/03/1977	9860361005
SHRI DINESH CHAND GARG JI	DHAULPUR	14/03/1973	9785166315
SHRI DILIP B. JAIN	NANDURBAR	14/03/1971	7972837088
SHRI SANJAY B. LATHIYA JI	SURAT	16/03/1980	9879655618
SHRI SANJAY AGRAWAL JI	JAIPUR	16/03/1970	8947897298
SHRI RAUNAK AGARWAL JI	AGRA	19/03/1991	9997173260
SHRI GAJANAND R. THORAT JI	NASHIK	19/03/1985	9657973951
SHRI SUNIL KUMAR BANSAL JI	AGRA	20/03/1968	9412652474
SHRI KAMAL SINGH BAGHEL JI	AGRA	21/03/1979	7983010302
SHRI ABHAY KUMAR A. SANCHETI JI	WARDHA	21/03/1982	9021043699
SHRI NARENDRA GATKINE JI	NAGPUR	21/03/1975	9405138902
SHRI ASHISH SHARMA JI	AGRA	22/03/1979	9837279162
SHRI MAHESH BHAI G. PATEL JI	BANASKANTHA	23/03/1956	9998960399
SHRI CHETAN VYAS JI	VADODARA	23/03/1966	9824073433
SHRI HARSHAL BHAREKAR JI	PUNE	23/03/1986	9503850155
DR. AMIT CHAUDHARY JI	BULANDSHAHR	23/03/1994	7895156670
DR. MAHESH SHARMA JI	BULANDSHAHR	25/03/1992	9759830704
Shri. M.K. MATH JI	BIJAPUR	26/03/1967	9448689295
SHRI PRSHANT CHANDEWAR JI	WARDHA	27/03/1975	9423605604
SHRI SACHIN MAHAJAN JI	JALGAON	27/03/1986	9604508080
Shri ATUL JAIN JI	SONIPAT	31/03/1973	8146093465

गोदाम पर छापा मारकर लाखों का कफ सिरप जब्त

लोनीः प्राप्त समाचार के अनुसार गोदाम पर छापा मारकर लाखों रुपये कीमत की प्रतिबंधित दवाइयां जब्त की गई हैं। यह कार्रवाई ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र के इलाइचीपुर गांव में दवा गोदाम पर पुलिस और औषधि निरीक्षक की टीम ने की। टीम ने गोदाम से 273 कार्टून में 40926 प्रतिबंधित खांसी का कफ सिरप बरामद किया। इसकी कीमत करीब 87 लाख बताई गई है। टीम ने मौके से आरोपी गौतम सिंह को गिरफ्तार किया है। एसीपी लोनी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि इलाइचीपुर गांव में गोदाम से प्रतिबंधित खांसी की दवाई सप्लाई की जाती है। सूचना के तहत पुलिस और औषधि निरीक्षक की टीम ने मौके पर दबिश दी। इस दौरान गोदाम पर 273 कार्टून में 40926 कफ सिरप मिले। जब टीम ने गोदाम में मौजूद व्यक्ति से लाइसेंस मांगा तो वह लाइसेंस नहीं दिखा सका। जांच में पता चला कि यह प्रतिबंधित दवा है। इसका प्रयोग नशा करने के लिए किया जाता है। पुलिस ने मौके से आरोपी गौतम सिंह (44) निवासी ग्राम मुहम्मदनगर डीहा थाना रामगांव जिला बहराइच को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में गौतम ने बताया कि वह अपने दो साथियों विमल पांडेय व मनोज कुमार के साथ मिलकर यह गोदाम चलाता है। वह रात में दिल्ली से ट्रक में दवा छिपाकर इलाइचीपुर गांव स्थित गोदाम में लाते थे। गोदाम में दवा को अलग-अलग कार्टून में पैक किया जाता था। कार्टून को छिपाने के लिए उसके ऊपर और नीचे कंबल रखते थे। इसे बिहार के साथ ही अन्य राज्यों में सप्लाई किया जाता था। करीब तीन माह पहले ही उन्होंने यह गोदाम किराए पर लिया था। औषधि निरीक्षक टीम ने बरामद दवा का सैंपल लिया है।

दवा दुकानों पर छापेमारी के दौरान दवाइयां सील

कप्तानगंज, बस्ती (उप्र)। दवा दुकानों पर छापेमारी के दौरान दवाइयां सील करने का मामला सामने आया है। टीम को देखकर एक कैमिस्ट मौके से फरार हो गया। यह कार्रवाई सीएचसी कप्तानगंज गेट के बाहर चल रही चार दवा दुकानों पर की गई। इस दौरान एक दवा दुकान को सील कर दिया गया। सहायक आयुक्त (दवाएं) नरेश मोहन दीपक के नेतृत्व में टीम ने अस्पताल गेट पर चल रही चार दवा की दुकानों पर दबिश दी। विभाग की टीम को देखकर एक मेडिकल स्टोर संचालक मौके से फरार हो गया। टीम ने उसकी दुकान पर नोटिस चस्पा कर दुकान को सील कर दिया। वहीं, तीन अन्य दुकानों पर निरीक्षण करते हुए एक लाख से अधिक कीमत की दवाओं को सील कर कब्जे में ले लिया।

पैरेक्सेल के कार्यकारी ने कहा, भारत क्लिनिकल परीक्षण का केंद्र बनने की कगार पर

नई दिल्लीः कॉन्ट्रैक्ट रिसर्च फर्म पैरेक्सेल के एक अधिकारी ने बुधवार को रॉयटर्स को बताया कि भारत रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे व्यवधानों के प्रभाव को कम करने में मदद करने के लिए प्रारंभिक चरण के नैदानिक परीक्षणों के लिए एक वैकल्पिक स्थल के रूप में कदम रखने के लिए तैयार है। अमेरिका स्थित कंपनी ने अगले तीन से पांच वर्षों में भारत में अपने कर्मचारियों की संख्या को वर्तमान में लगभग 6,000 से 2,000 से अधिक बढ़ाने की योजना बनाई है, पैरेक्सेल के भारत संचालन का नेतृत्व करने वाले संजय व्यास ने कहा। व्यास ने कहा कि भारत भू-राजनीतिक संघर्षों, जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध, साथ ही वैश्विक दवा निर्माताओं द्वारा चीन पर निर्भरता कम करने के प्रयासों से बाधित नैदानिक परीक्षणों को आकर्षित करने के लिए अच्छी स्थिति में है।

2022 में रूस के आक्रमण से पहले यूक्रेन, रूस के साथ मिलकर नई दवाओं के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण देश बन गया था। हालांकि, बाद के वर्षों में, बड़ी कंपनियों और शोधकर्ताओं ने वहां परीक्षणों में व्यवधान की सूचना दी है। व्यास ने कहा कि पैरेक्सेल उन भूमिकाओं के लिए भर्ती करने की योजना बना रहा है जो नवाचार केंद्र बनाने में मदद कर सकती हैं। दक्षिणी राज्य तेलंगाना में चल रहे बायोएशिया सम्मेलन के दौरान उन्होंने कहा, क्योंकि भारत में विफलता की लागत दुनिया के अन्य हिस्सों की तुलना में बहुत कम है। डरहम, उत्तरी कैरोलिना में मुख्यालय वाला पैरेक्सेल, दुनिया के शीर्ष नैदानिक अनुसंधान संगठनों में से एक है, जो भारत में 100 से 150 परीक्षण स्थलों का संचालन करता है, जो महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु सहित राज्यों में स्थित हैं। अमेरिका स्थित ग्रैंडव्यू रिसर्च के अनुसार, भारत का क्लिनिकल ट्रायल डेटा बाजार 2025 में 1.51 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है । जबकि परीक्षण करने के लिए एक विश्वसनीय क्षेत्र के रूप में भारत की प्रतिष्ठा में सुधार हो रहा है, कुछ प्रारंभिक चरण के अध्ययनों के लिए मानकीकृत नियमों की कमी जैसी कई चुनौतियाँ दवा निर्माताओं के लिए शीर्ष विकल्प बनने से पहले बनी हुई हैं।

हार्ट अटैक का खतरा कम करेगी डायबिटीज की दवा

नई दिल्लीः प्राप्त समाचार के अनुसार हार्ट अटैक का खतरा डायबिटीज की दवा के सेवन पर कम हो सकेगा।, वैज्ञानिकों ने यह दावा करते हुए कहा है कि एक नई दवा सोताग्लिफ्लोजिन जो टाइप 2 डायबिटीज और किडनी की बीमारी के इलाज में इस्तेमाल होती है, अब हार्ट अटैक और स्ट्रोक के खतरे को भी कम कर सकती है।

यह जानकारी हाल ही में लैंसेट डायबिटीज एंड एंडोक्रिनोलॉजी में प्रका. शित एक अध्ययन से सामने आई है। अध्ययन में दस हजार से अधिक मरीज शामिल थे। इन मरीजों को क्रॉनिक किडनी डिजीज, टाइप 2 डायबिटीज और दिल से जुड़े अन्य जोखिम थे। सोताग्लिफ्लोजिन लेने वाले लोगों में दिल के दौरे, स्ट्रोक और हृदय संबंधी मौतों में 23 प्रतिशत की कमी देखी गई है।

भारत के अस्पताल क्षेत्र में हो रही सौदेबाजी की वजह क्या है?

नई दिल्ली। भारत के अस्पताल क्षेत्र में सौदेबाजी की हलचल तेज है। इस क्षेत्र को मजबूत करने और बड़े खिलाड़ियों को इसमें लाने वाले बड़े सौदों में से नवीनतम न्यूयॉर्क स्थित वैश्विक निजी इक्विटी और निवेश कंपनी केकेआर द्वारा किया गया है, जिसने निजी इक्विटी सहकर्मी सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स से लगभग 400 मिलियन डॉलर में अग्रणी कैंसर देखभाल अस्पताल श्रृंखला हेल्थकेयर ग्लोबल (एचसीजी) में नियंत्रक हिस्सेदारी खरीदी है। पिछले साल बेबी मेमोरियल अस्पताल का अधिग्रहण करके, केकेआर ने दो साल पहले मैक्स हेल्थकेयर से बाहर निकलने के बाद भारत में अपने सबसे बड़े भुगतानों में से एक के बाद इस क्षेत्र में वापसी की। केकेआर के इंडिया प्राइवेट इक्विटी के प्रमुख अक्षय तन्ना ने कहा, ष्भारत में केकेआर के लिए हेल्थकेयर एक विषयगत फोकस बना हुआ है, एचसीजी में हमारा निवेश चिकित्सा बुनियादी ढांचे के विकास और देश में अधिक रोगियों को महत्वपूर्ण ऑन्कोलॉजी सेवाओं और देखभाल की डिलीवरी का समर्थन करेगा। भारत के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सौदेबाजी हाल के वर्षों में बढ़ी है, और अस्पताल अब इस क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का सबसे बड़ा हिस्सा हासिल कर रहे हैं, जैसा कि दिसंबर में टीओआई ने रिपोर्ट किया था।

अनधिकृत दवा बेचने के आरोप में आयुर्वेदिक चिकित्सक गिरफ्तार

हैदराबादः अनधिकृत दवा बेचने के आरोप में आयुर्वेदिक चिकित्सक को गिरफ्तार किया गया है। तेलंगाना आयुष विभाग ने जलपल्ली में एमएस अताउल्लाह आयुर्वेदिक और यूनानी प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। जांच में पता चला कि क्लिनिक को वैध चिकित्सा डिग्री के बिना संचालित किया जा रहा था। यहां बिना लाइसेंस के आयुर्वेदिक दवाएं बेची जा रही थीं। आयुष विभाग को काफी समय से शिकायतें मिल रही थी। इसके चलते वभिाग के अधिकारियों ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया। जांच में उचित लेबलिंग या लाइसेंस के बिना कई दवाइयां मिली। छापेमारी के दौरान आयुर्वेदिक दवाओं के अवैध निर्माण और वितरण के लिए क्लिनिक और उसकी संपत्तियों को जब्त कर लिया गया। छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने दवाओं के सैंपल लिएए और उन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी के पास वैध चिकित्सा डिग्री नहीं पाई गई। जांच रिपोर्ट मिलने पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी है।

फार्मा ल्यूपिन लिमिटेड के खिलाफ आयकर पुनर्मूल्यांकन नोटिस कैंसिल

मुंबई। प्राप्त समाचार के अनुसार फार्मा ल्यूपिन लिमिटेड के खिलाफ आयकर पुनर्मूल्यांकन नोटिस को मुंबई हाईकोर्ट ने कैंसिल कर दिया है। विवाद का मूल आयकर अधिनियम की धारा 148 के तहत जारी एक नोटिस के इर्द-गिर्द घूमता है। इसमें ल्यूपिन की 2016-2017 की आय का पुनर्मूल्यांकन करने की मांग की गई थी। इसमें उसने 2636 करोड़ रुपये की आय घोषित की थी। जानकारी अनुसार ल्यूपिन ने शुरू में पर्याप्त आय की घोषणा करते हुए अपना रिटर्न दाखिल किया था और आयकर विभाग की गहन जांच प्रक्रिया से गुजरा था। जांच के बाद, ल्यूपिन की दावा की गई कटौती को स्वीकार करते हुए एक मूल्यांकन आदेश जारी किया गया था। उच्च न्यायालय ने मूल्यांकन को फिर से खोलने के लिए विभाग के कारणों को अपर्याप्त पाया। अदालत ने पुनर्मूल्यांकन को उचित ठहराने के लिए ताजा ठोस सामग्री की कमी बताई है। फार्मा ल्यूपिन लिमिटेड के खिलाफ आयकर पुनर्मूल्यांकन नोटिस को मुंबई हाईकोर्ट ने कैंसिल कर दिया है।

लाइसेंस के बिना संचालित दवा निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़

हैदराबादः लाइसेंस के बिना संचालित दवा निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया है। यह कार्रवाई तेलंगाना औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) ने संगारेड्डी के मल्लेपल्ले गांव में प्रोसेफ बायोलॉजिकल्स एलएलपी में की। डीसीए अधिकारियों ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर मल्लेपल्ले गांव में प्रोसेफ बायोलॉजिकल्स एलएलपी पर छापा मारा और दवाओं के बिना लाइसेंस निर्माण का पता लगाया। टीम ने छापेमारी के दौरान मौके से ५४.७५ लाख रुपये का स्टॉक जब्त किया। एक अलग छापेमारी में डीसीए ने प्रोकाल्क-जेड ड्रॉप्स जब्त किया। मंचेरियल को खाद्य उत्पादों और न्यूट्रास्युटिकल्स की आड़ में गलत तरीके से निर्मित और बेचा जा रहा था।

MD PAPER March 2025_32 Inch January. 2021.qxd 3/1/2025 9:20 AM Page 7

नशीली दवा सिरप की तस्करी में दंपति अरेस्ट

सोनबरसा (बिहार): नशीली दवा सिरप की तस्करी में पति और पत्नी को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई भारत-नेपाल सीमा सर्लाही जिला मुख्यालय पुलिस प्रशासन ने की। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर सिंचाई नाहर के रास्ते से 37 बोतल प्रतिबंधित नशीली दवाओं के साथ तस्कर पति-पत्नी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बागमती नगरपालिका वार्ड 01 निवासी मोहन बहादुर खत्री व उनकी पत्नी खिम कुमारी उर्फ देविका खत्री के रूप में हुई है। प्रहरी इंचार्ज सुभाष यादव ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने पर मौके पर दबिश दी औश्र मोटरसाइकिल में छिपाकर रखे गए सौ एमएल के विंसरेक्स नामक 10 बोतल नशीली सिरप बरामद की। इसके अलावा, घर में आरोपी की पत्नी के पास से 27 बोतल सिरप बरामद की गई। गिरफ्तार तस्कर ने पुलिस पूछताछ में बताया कि गांव के ही पदम बहादुर राय माझी के पुत्र वरुण राय माझी सोनबरसा से प्रति. बंधित नशीली दवा तस्करी कर उसे लाकर देता है। इसके चलते पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली हैं। आरोपी तस्कर से बाइक और दवा को जब्त कर दोनों पती-पत्नी को कोर्ट में पेश किया।

भारतीय दवा को ईरान में रोका, ब्लैकमेल कर मांगे रुपये

ग्रेटर नोएडा (उप्र: प्राप्त समाचार के अनुसार भारतीय दवा के कंसाइनमेंट को ईरान में रोककर रुपये मांगे जाने का मामला प्रकाश में आया है। बताया गया है कि दवा तजाकिस्तान पहुंचने के बाद पूरी फीस ली और ईरान के बंदरगाह पर रोक दिया गया। अतिरिक्त रुपये की मांग की गई। इस संबंध में ग्रेटर नोएडा स्थित मैरियन बायोटेक के सीनियर लीगल मैनेजर ने शिकायत की। कोर्ट के आदेश पर बीटा-2 थाने में दिल्ली की कंपनी स्टीविन शिपिंग के डायरेक्टर रमेश कुमार और मुकेश झा पर केस दर्ज किया गया है। मैरियन बायोटेक के सीनियर लीगल मैनेजर विवेक शर्मा ने बताया कि उनकी कंपनी को 2022 में उज्बेकिस्तान में दवा के कंसाइनमेंट का ऑर्डर मिला था। इसे भेजने के लिए उन्होंने दिल्ली की कंपनी से संपर्क किया और 7100 यूएस डॉलर और 29 हजार रुपये अतिरिक्त देने की डील हुई। इसके बाद दोनों कंसाइनमेंट भेजे गए। वहां विदेशी कंपनी ने लोकेशन को बदलकर तजाकिस्तान कर दिया। उन्होंने कंपनी में 8 लाख रुपये अतिरिक्त भी दिए, जहां से दोनों कंसाइनमेंट को ईरान के बंदरगाह पर रोका गया था।

आरोप है कि वहां से तजाकिस्तान के लिए उनसे 45 लाख रुपये की डिमांड की गई, जो उन्होंने दे दिए। इसके बाद एक कंसाइनमेंट को भेजा गया, लेकिन करीब 3 करोड़ की दवाओं वाले कंटेनर को कंपनी ने रोक लिया। इसके बदले 21 लाख रुपये की डिमांड की। उसके पूरा नहीं होने पर दवाओं को आगे नहीं भेजने की धमकी दी गई। भारतीय दवा के कंसाइनमेंट को ईरान में रोककर रुपये मांगे जाने का मामला प्रकाश में आया है।

मेडिकल स्टोर से लिया दवा का सैंपल फेल, नोटिस सौंपा

लखीमपुर (उप्र): मेडिकल स्टोर से लिया गया दवा का सैंपल जांच रिपोर्ट में फेल आया है। इसके चलते औषधि विभाग ने आरोपी मेडिकल स्टोर संचालक और दवा निर्माता कंपनी को नोटिस सौंपा है। ड्रग इंस्पेक्टर बबिता रानी ने बताया कि कुछ दिनों पहले नौरंगाबाद रोड स्थित चंदरानी नर्सिंग होम के मेडिकल स्टोर पर निरीक्षण किया था। स्टोर से दवा का सैंपल जांच के लिए भेजा गया था। जांच रिपोर्ट आने पर टेबलेट अधोमानक मिली है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आरोपी मेडिकल स्टोर संचालक और दवा निर्माता पंचकुला की फर्म को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। ड्रग इंस्पेक्टर ने बताया कि इस दवा का प्रयोग बैक्टीरियल इंफेक्शन के लिए किया जाता है। जवाब मिलने के बाद आगामी कार्यवाही की जाएगी।

प्राइवेट अस्पताल में नवजात की मौत के बाद हंगामा

मऊरानीपुर: प्राइवेट अस्पताल में नवजात की मौत के बाद हंगामा होने का मामला प्रकाश में आया है। ऑपरेशन के बाद नवजात की मौत होने पर पीडित परिवार ने कोतवाली पुलिस से कार्रवाई की मांग की। घासीराम रजक निवासी ग्राम बम्हौरीकलां जतारा ने बताया कि बहू पलक रजक की डिलीवरी कराने के लिए सीएचसी मऊरानीपुर आए थे। यहां महिला चिकित्सक ने बाहर से अल्ट्रासाउंड करवाया। चार बजे तक प्रसव नहीं होने पर निजी अस्पताल जाने की सलाह दी, जहां दवाएं दी गईं। उन्होंने कहा कि डिलीवरी सामान्य नहीं हो पाएगी और इसके लिए ऑपरेशन करना पड़ेगा। रात के समय ऑपरेशन कर बच्चे को निकाला गया। बच्चे की सांस नहीं चलने पर इलाज के लिए झांसी ले जाया गया, जहां बच्चे को मृत घोषित कर दिया गया। परिजन निजी अस्पताल वापस लौटे और मेडिकल स्टाफ से कहासुनी की। उधर, महिला चिकित्सक ने बताया कि ऑपरेशन के बाद बच्चे के फेफड़े सही ढंग से काम नहीं कर रहे थे। इससे बच्चे को झांसी ले जाने की सलाह दी गई थी। झांसी में बच्चे की मौत के बाद वापस आकर जच्चा के तीमारदारों ने अस्पताल के स्टाफ से बदसलूकी की।

हार्डवेयर दुकान पर रेडकर प्रतिबंधित नशीली दवाएं जब्त की

हरलाखी (बिहार: प्राप्त समाचार के अनुसार हार्डवेयर दुकान से प्रतिबंधित नशीली दवाएं जब्त करने का मामला सामने आया है। यह कार्रवाई पिपरौन एसएसबी जवानों ने की। जानकारी अनुसार एसएसबी जवानों ने साइकिल से नेपाल जा रहे एक नेपाली युवक को शक के आधार पर रोका। युवक की पहचान नेपाल के धनुषा जिला अंतर्गत जनकपुर वार्ड नंबर दो निवासी 29 वर्षीय सुमन कुमार के रूप में हुई। तलाशी में युवक के पास नशीली दवा मिली। पूछे जाने पर युवक ने बताया कि वह पिपरौन गांव के गुप्ता हार्डवेयर दुकान से प्रतिबंधित नशीली खरीदी खरीदकर लाया है। पिपरौन निवासी राहुल सिंह नशीली व प्रतिबंधित दवा बड़े पैमाने पर सप्लाई करता है। एसएसबी ने गिरफ्तार युवक की निशानदेही पर पुलिस के साथ गुप्ता हार्डवेयर दुकान में छापेमारी की। जहां भारी मात्रा में नशीली व प्रतिबंधित दवा बरामद की गई। हालांकि दुकान का मालिक मौके से फरार हो गया। तस्कर एवं दुकान से जब्त की दवाओं में ट्रीप्रोलीडीन कप सीरप 100 एमएल की 95 बोतलें, नाईट्राजेपाम टेबलेट आईपी दस एमजी, नाइट्रोवेट् 6472 टैबलेट, स्पास्मो प्रोक्सिवोन प्लस 452 कैप्सूल व 180 भाइल इंजेक्शन शामिल है। एसएसबी ने जब्त दवा व साइकिल के साथ गिरफ्तार युवक को हरलाखी थाना की पुलिस के हवाले कर दिया। थानाध्यक्ष जितेन्द्र सहनी ने बताया कि पिपरौन गांव निवासी दोनों अवैध दवा धंधेबाजों के विरुद्ध केस दर्ज कर नेपाली युवक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

डेंटिस्ट को सर्जरी करते पकड़ा

पलामू: प्राप्त समाचार के अनुसार अवैध अस्पताल में रेड के दौरान डेंटिस्ट को सर्जरी करते हुए पाया गया। यह कार्यवाही जिले के छतरपुर इलाके में प्रशासन ने की। निजी स्वास्थ्य संस्थानों पर छापेमारी के दौरान कई अनियमितताएं मिली हैं। एक अस्पताल में बिना डॉक्टर के ही अल्ट्रासाउंड किया जा रहा था। छापेमारी के लिए प्रशासनिक टीम पहुंचते ही निजी अस्पताल के कर्मी मौके से फरार हो गए। पलामू डीसी शशि रंजन के निर्देश पर छतरपुर एसडीएम आशीष गंगवार के नेतृत्व में छापेमारी की गई। इस छापेमारी में कई अनियमितताएं पाई गई।

इस संबंध में छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल के चिकित्सा प्रभारी से स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। विभागीय टीम ने छतरपुर के वर्मा अस्पताल में छापेमारी के दौरान पाया कि दांत के डॉक्टर सर्जरी कर रहे थे। हालांकि यह एक छोटी सी सर्जरी थी लेकिन अस्पताल का रजिस्ट्रेशन फेल मिली है। वहीं मां ललिता अस्पताल में छापेमारी के दौरान भी रजिस्ट्रेशन फेल पाया गया। अल्ट्रासाउंड के लिए कोई डॉक्टर उपलब्ध नहीं था। अल्ट्रासाउंड करवाने वाले व्यक्ति के कागजात तक भी सही तरीके से नहीं रखे गए थे। प्रशासनिक टीम के छापे की खबर सुनते ही अल्ट्रासाउंड सेंटर से सभी कर्मी फरार हो गए।

गांठदार त्वचा रोग के लिए बायोवेट की वैक्सीन को मिला लाइसेंस

कर्नाटक: प्राप्त समाचार के अनुसार गांठदार त्वचा रोग के लिए बायोवेट की वैक्सीन को लाइसेंस प्राप्त हुआ है। भारत बायोटेक समूह की कंपनी बायोवेट ने कहा कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने डेयरी मवेशियों और भैंसों में गांठदार त्वचा रोग के खिलाफ पहली वैक्सीन बायोलम्पिवैक्सिन को लाइसेंस दिया है। इस नए स्वदेशी लाइव-एटेन्यूएटेड मार्कर वैक्सीन को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र (आईसीएआर-एनआरसीई), हिसार के एलएसडी वायरस/रांची/2019 वैक्सीन स्ट्रेन का उपयोग करके विकसित किया गया है। कर्नाटक के मल्लूर में स्थित अभिनव पशु स्वास्थ्य वैक्सीन निर्माता बायोवेट ने कहा कि बायोलम्पिवैक्सिन भारत की पहली एलएसडी वैक्सीन है। यह दुनिया की सबसे सुरक्षित और पहली संक्रमित को टीका लगाए गए जानवरों से अलग करने वाली (डीआईवीए) मार्कर वैक्सीन भी है। वैक्सीन की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता का भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में बड़े पैमाने पर परीक्षण किया गया है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि यह उच्चतम वैश्विक मानकों को पूरा करती है। बायोवेट के संस्थापक डॉ. कृष्णा एला ने कहा कि यह मार्कर वैक्सीन रोग निगरानी और उन्मूलन कार्यक्रमों के लिए पशु चिकित्सा के लिए एक गेम-चेंजर है। कंपनी ने कहा कि बायोलम्पिवैक्सिन बहुत जल्द ही व्यावसायिक रूप से उपलब्ध हो जाएगा।

जाइडस भारत में क्वाड्रिवेलेंट इन्फ्लूएंजा वैक्सीन लॉन्च करेगी

अहमदाबाद: वैश्विक दवा कंपनी जाइडस भारत में 2025 फ्लू सीजन के लिए एक क्वाड्रीवेलेंट इन्फ्लूएंजा वैक्सीन , वैक्सीफ्लू-4 पेश करने के लिए तैयार है। यह वैक्सीन दक्षिणी गोलार्ध के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा अनुशंसित संरचना का पालन करती है और इसे चार इन्फ्लूएंजा वायरस उपभेदों से सुरक्षा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। अहमदाबाद में जाइडस के वैक्सीन टेक्नोलॉजी सेंटर में विकसित वैक्सीफ्लू-4, जाइडस वैक्सीकेयर के तहत कंपनी के निवारक स्वास्थ्य सेवा पोर्टफोलियो का हिस्सा है। चतुर्भुज इन्फ्लूएंजा टीके इन्फ्लूएंजा ए और बी दोनों उपभेदों को कवर करके व्यापक सुरक्षा प्रदान करते हैं, जिससे वैक्सीन बेमेल होने की संभावना कम हो जाती है। इस विकास पर बोलते हुए, जाइडस लाइफसाइंसेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. शरविल पटेल ने कहा, षनिवारक उपाय विकासशील और विकसित दोनों ही दुनिया में सार्वजनिक स्वास्थ्य की कुंजी हैं और टीकों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने की क्षमता है।

MD PAPER March 2025_32 Inch January. 2021.qxd 3/1/2025 9:20 AM Page 8

टेवा और अल्वोटेक ने अमेरिका में यूस्टेकिनुमाब बायोसिमिलर इंजेक्शन लॉन्च किया

प्राप्त समाचार के अनुसार अगस्त 2020 में शुरू हुए टेवा और अल्वोटेक के बीच रणनीतिक सहयोग का लक्ष्य अल्वोटेक के पांच बायोसिमिलर उत्पाद उम्मीदवारों के अनन्य व्यावसायीकरण पर केंद्रित था। टेवा फार्मास्यूटिकल्स और एल्वोटेक ने अमेरिका में सेलार्सडी इंजेक्शन के लॉन्च की घोषणा की है, जो जॉनसन एंड जॉनसन के स्टेलारा (यूस्टेकिनुमाब) का बायोसिमिलर है। यह उत्पाद क्रोहन रोग, बाल चिकित्सा प्लाक सोरायसिस, बाल चिकित्सा सोरायटिक गठिया, प्लाक सोरायसिस, सोरायटिक गठिया और अल्सरेटिव कोलाइटिस के उपचार के लिए संकेतित है। यह दोनों कंपनियों के बीच रणनीतिक सहयोग के माध्यम से देश में लॉन्च की गई दूसरी बायोसिमिलर है। सेलार्सडी को अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा चार प्रस्तुतियों में अनुमोदित किया गया है, जो संदर्भ स्टेलारा की अनुमोदित प्रस्तुतियों के अनुरूप है। एजेंसी ने अर्नतिम रूप से यह निर्धारित किया है कि 30 अप्रैल 2025 को प्रथम विनिमेय बायोसिमिलर के लिए विशिष्टता अवधि के बाद सेलार्सडी को स्टेलारा के साथ विनिमेय किया जाएगा। सेलार्सडी 45 मिलीग्राम/0.5 एमएल और 90 मिलीग्राम/एमएल पर चमड़े के नीचे इंजेक्शन के लिए दो एकल खुराक प्रीफिल्ड सिरिंजों में उपलब्ध है, 45 मिलीग्राम/0.5 एमएल पर चमड़े के नीचे इंजेक्शन के लिए एक एकल खुराक शीशी और 130 मिलीग्राम/26 एमएल पर अंत:शिरा जलसेक के लिए एक एकल खुराक शीशी। उस्टेकिनुमाब एक मानव मोनोक्लोनल एंटीबॉडी है जो p40 प्रोटीन को लक्षित करता है, जिसे इंटरल्यूकिन (IL)-12 और IL-23 साइटोकाइन्स द्वारा साझा किया जाता है, जिसे प्रतिरक्षा-मध्यस्थ और सूजन संबंधी स्थितियों के उपचार में महत्वपूर्ण माना जाता है। टेवा फार्मास्यूटिकल्स यूएस बायोसिमिलर्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष थॉमस रेनी ने कहा: सेलार्सी की अमेरिका में उपलब्धता, बायोसिमिलर्स के विकास और विनिर्माण के लिए रणनीतिक व्यापारिक साझेदारों की पहचान करने की टेवा की समग्र रणनीति को मजबूत करती है, साथ ही इस और अन्य उत्पादों को अमेरिकी बाजार में लाने के लिए टेवा की व्यावसायिक उपस्थिति और अनुभव का लाभ उठाती है। एल्वोटेक ने Sp2/0 कोशिकाओं और एक सतत छिड़काव प्रक्रिया का उपयोग करके सेलार्सडी विकसित किया, जो स्टेलारा के उत्पादन विधियों के अनुरूप है। अगस्त 2020 में शुरू की गई कंपनियों के बीच रणनीतिक सहयोग, अल्वोटेक के पांच बायोसिमिलर उत्पाद उम्मीदवारों के अनन्य व्यावसायीकरण पर केंद्रित था। जुलाई 2023 में इसे दो अतिरिक्त बायोसिमिलर और पहले से सहयोग किए गए दो उत्पादों की नई प्रस्तुतियों को शामिल करने के लिए बढ़ा दिया गया था। अल्वोटेक विकास और विनिर्माण का काम देखती है, जबकि टेवा विशेष रूप से अमेरिकी व्यावसायीकरण का काम देखती है।

कम मांग के कारण फाइजर ने हीमोफीलिया जीन थेरेपी बेकवेज को स्थगित कर दिया

प्राप्त समाचार के अनुसार कई दवा कंपनियाँ कोशिका और जीन थेरेपी से लाभ कमाने के लिए संघर्ष कर रही हैं, खास तौर पर हीमोफीलिया जैसे दुर्लभ रोगों के लिए। कम मांग और रुचि के कारण फाइजर अपनी हीमोफीलिया जीन थेरेपी बेकवेज (फिडानाकोजीन एलापार्वोवेक) के वैश्विक व्यावसायीकरण को समाप्त कर देगा। फाइजर के प्रवक्ता ने फार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजी को दिए एक बयान में बताया कि यह निर्णय, जिसके बारे में सबसे पहले 20 फरवरी को निक्केई एशिया द्वारा रिपोर्ट दी गई थी, हीमोफीलिया जीन थेरेपी में मरीजों और उनके डॉक्टरों की अब तक की सीमित रुचि के कारण लिया गया है। मध्यम से गंभीर हीमोफीलिया बी वाले वयस्कों के उपचार के लिए संकेतित, बेकवेज को पहली बार जनवरी 2024 में हेल्थ कनाडा द्वारा और कई महीनों बाद यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) द्वारा अनुमोदित किया गया था। यूरोपीय आयोग ने जुलाई 2024 में दवा को मंजूरी दी, जहां इसे पहले डर्वेक्टिक्स ब्रांड नाम से जाना जाता था। बेकवेज को अब रोश के स्वामित्व वाली स्पार्क थेरेप्यूटिक्स के साथ साझेदारी में विकसित किया गया था और यह रक्तस्राव विकार के लिए फाइजर द्वारा निर्मित दो जीन थेरेपी में से एक है। अमेरिका की बड़ी फार्मा कंपनी हीमोफीलिया ए या बी के उपचार के लिए हाइम्पावजी (मार्स्टोकिमैब-एचएनसीक्यू) का भी विपणन करती है। अक्टूबर 2024 में एफडीए द्वारा अनुमोदित हाइम्पावजी अब इस स्थिति के लिए कंपनी की जीन थेरेपी योजनाओं का केंद्र बिंदु होगा। फाइजर के प्रवक्ता ने कहा, ष्हमारा उद्देश्य उन उपचारों पर अपना ध्यान केंद्रित करना तथा अपना समय और संसाधन पुन: समर्पित करना है, जिनके बारे में हमारा मानना है कि उनका मरीजों पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ेगा, जैसे कि हाइम्पावजी, जो अपनी तरह का पहला गैर-कारक उपचार विकल्प है। फाइजर द्वारा बेकवेज को बंद करना एक बार फिर फार्मा कंपनियों द्वारा सेल और जीन थेरेपी को लाभदायक बनाए रखने के संघर्ष को उजागर करता है। संकीर्ण लक्ष्य आबादी और स्केलेबिलिटी चुनौतियों का मतलब है कि उपचारों का निरंतर व्यावसायीकरण मुश्किल है। CSL ने हेमजेनिक्स के लिए उम्मीद से कम बिक्री की भी सूचना दी है, जबकि बायोमैरिन ने हीमोफीलिया ए जीन थेरेपी रोक्टेवियन में आगे संसाधनों का निवेश करना बंद कर दिया है और केवल उन बाजारों पर ध्यान केंद्रित किया है जहाँ इस दवा को इस साल के अंत तक लाभदायक बनाने के लिए प्रतिपूर्ति की जाती है। आज (21 फरवरी), ब्लूबर्ड बायो, एक बायोटेक जिसके पास रक्त विकारों में दो स्वीकृत जीन थेरेपी हैं, ने घोषणा की कि इसे अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए दो वैश्विक निवेश फर्मों द्वारा अधिग्रहित किया जाएगा। यह खबर तब आई जब कंपनी ने 2024 में अपने 25% कर्मचारियों को नकदी प्रवाह के साथ संघर्ष करने के बाद निकाल दिया था। बेकवेज रोगियों को फैक्टर IX (FIX) बनाने के लिए आवश्यक जीन प्रदान करके काम करता है।

जीन थेरेपी से जन्म से अंधे बच्चों की दृष्टि वापस लाने के लिए मीराजीटीएक्स ने ब्रिटेन से मंजूरी मांगी

उपचार प्राप्त करने वाले पहले चार बच्चों के परिणामों का विस्तृत विवरण एक शोध पत्र में दिया गया है। श्रेय: टॉम मर्टन, गेट्टी इमेजेस के माध्यम से। मीराजीटीएक्स अपनी जांचात्मक जीन थेरेपी को ब्रिटेन में शीघ्र स्वीकृति की ओर आगे बढ़ा रहा है, क्योंकि जन्म से अंधे 11 बच्चों में उपचार के बाद दृष्टि में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। AAV-AIPL1 थेरेपी को AIPL1 जीन में उत्परिवर्तन के कारण होने वाली गंभीर दृष्टि हानि को संबोधित करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह स्थिति रेटिनल डिस्ट्रोफी का एक रूप है जो जन्म से ही गंभीर दृश्य हानि की ओर ले जाती है, प्रभावित व्यक्ति आमतौर पर केवल प्रकाश और अंधेरे के बीच अंतर करने में सक्षम होते हैं। जीन थेरेपी में एडीनो-एसोसिएटेड वायरल (एएवी) वेक्टर का उपयोग करके एआईपीएल। जीन की कार्यात्मक प्रतियों को रेटिना में इंजेक्ट किया जाता है, जिसका उद्देश्य रेटिना कोशिका के कार्य को बहाल करना और अध:पतन को रोकना है। 11बच्चों में से चार के परिणाम 21 फरवरी को द लैंसेट में प्रकाशित हुए। उपचारित पहले चार बच्चे एक से तीन वर्ष की आयु के थे, जिनमें AIPL1 जीन में उत्परिवर्तन से जुड़ी गंभीर रेटिनल डिस्ट्रोफी थी। प्रत्येक बच्चे को सबरेटिनल इंजेक्शन के माध्यम से एक आँख में उपचार दिया गया। परिणाम मापों में दृश्य तीक्ष्णता आकलन, कार्यात्मक दृष्टि मूल्यांकन, दृश्य उत्पन्न क्षमता और रेटिना संरचना इमेजिंग शामिल थे। उपचार से पहले, बच्चों की दृश्य तीक्ष्णता प्रकाश धारणा तक ही सीमित थी। उपचार के बाद साढ़े तीन साल के औसत अनुवर्ती अध्ययन में, उपचारित आँखों में महत्वपूर्ण सुधार दिखा, साथ ही दृश्य तीक्ष्णता में भी सुधार हुआ। इसके विपरीत, अनुपचारित आँखों की दृश्य तीक्ष्णता अमापनीय स्तर तक बिगड़ गई। इसके अतिरिक्त, वस्तुनिष्ठ परीक्षणों ने बेहतर दृश्य कार्य की पुष्टि की और इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल आकलन ने उपचारित आँखों के लिए विशिष्ट दृश्य कॉर्टेक्स गतिविधि में वृद्धि का संकेत दिया। इमेजिंग ने अनुपचारित आँखों की तुलना में उपचारित आँखों में रेटिना संरचना के बेहतर संरक्षण का खुलासा किया। मीराजीटीएक्स की सीईओ एलेक्जेंड्रिया फोर्ब्स ने कहा: ये सुधार दृष्टि पर सार्थक प्रभाव से आगे बढ़े हैं और इसके परिणामस्वरूप संचार, व्यवहार, स्कूली शिक्षा, मनोदशा, मनोवैज्ञानिक लाभ और सामाजिक एकीकरण सहित विकास के सभी क्षेत्रों में जीवन-परिवर्तनकारी लाभ हुए हैं।

ब्रांडेड कंपनियों की दवाइयां और नकली रैपर बरामद

पटना (बिहार): प्राप्त समाचार के अनुसार ब्रांडेड कंपनियों की दवाइयां और नकली रैपर बरामद किए गए हैं। पुलिस ने गुप्त सूचना पर फतुहा में महारानी चौक के पास गोविंदपुर इलाके से एक बंद मकान में रेड की। मौके से कई ब्रांडेड कंपनियों की अंग्रेजी दवाएं और नकली रेपर बरामद किए हैं। जिला औषधि नियंत्रक (ग्रामीण) श्वेता रानी ने बताया कि ब्रांड प्रोटेक्शन कंपनी ने पुलिस व औषधि विभाग को सूचना दी थी। इसके चलते ड्रग इंस्पेक्टरों की टीम गठित की और पुलिस के साथ फतुहा में गोविंदपुर इलाके के एक बंद मकान में छापेमारी की। मकान से ब्रांडेड कंपनियों के संदिग्ध रैपर व दवाओं को जब्त कर लिया गया। जब्त किए सामान में हिमालय वेलनेस कंपनी का लिव 52 समेत करीब 200 कंपनियों की दवा भरी सीसी, क्रीम और विभिन्न कंपनियों के हजारों दवा के रैपर बरामद किए। जांच में सामने आया है कि एक व्यक्ति ने गोविंदपुर बाजार में 12 जनवरी को एक कमरा किराए पर लिया था। 31 जनवरी को भारी मात्रा में दवाएं और संबंधित रैपर लाया था। इतने सारे रैपर से स्पष्ट है कि कमरे से दवाओं का गोरखधंधा चल रहा था। फतुहा पुलिस मुख्य आरोपी की जांच में जुटी है। बंद मकान अनोज कुमार का बताया गया है। बरामद दवा की जांच की जायेगी कि वह नकली है या असली। इसके बाद ही आगामी कार्यवाही की जायेगी। ब्रांडेड कंपनियों की दवाइयां और नकली रैपर बरामद किए गए हैं। पुलिस ने गुप्त सूचना पर फतुहा में महारानी चौक के पास गोविंदपुर इलाके से एक बंद मकान में रेड की।

यूरोजेन ने आइकॉनओविर की ऑन्कोलिटिक वायरस परिसंपत्तियों का अधिग्रहण किया

प्राप्त समाचार के अनुसार यूरोजेन ने आइकॉनओविर को 4 मिलियन डॉलर के साधारण शेयर जारी किए हैं। यूरोजेन फार्मा ने ऑन्कोलिटिक वायरस आईसीवीबी-1042 से संबंधित आइकॉनओविर बायो की परिसंपत्तियों का अधिग्रहण करके अपनी ऑन्कोलॉजी पाइपलाइन को व्यापक बनाया है। कंपनी ने 4 मिलियन डॉलर के साधारण शेयर जारी किए तथा इसके अतिरिक्त सभी उम्मीदवारों के लिए संचयी समग्र वैश्विक शुद्ध बिक्री मील के पत्थर तक पहुंचने पर IconOVir को 15 मिलियन डॉलर का एकमुश्त नकद भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की। यह IconOVir को प्रत्येक ICVB उत्पाद की वार्षिक विश्वव्यापी शुद्ध बिक्री पर उत्पाद-दर-उत्पाद के आधार पर कम, एकल-अंकीय प्रतिशत रॉयल्टी का भुगतान करेगा। यूरोजेन फार्मा के सीईओ और अध्यक्ष लिज बैरेट ने कहा: यूरोजेन की दीर्घकालिक विकास रणनीति हमारे यूरो-ऑन्कोलॉजी पाइपलाइन को आगे बढ़ाने, हमारे पोर्टफोलियो का विस्तार करने और कैंसर उपचार में नवाचार को बढ़ावा देने पर आधारित है। अगली पीढ़ी के जांचपरक ऑन्कोलिटिक वायरस आईसीवीबी-1042 का अधिग्रहण, मूत्राशय और अन्य कैंसरों के लिए नवीन, स्थानीय रूप से प्रशासित उपचार विकसित करने की हमारी योजना में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। लक्षित अधिग्रहणों और अनुसंधान सहयोगों के माध्यम से, हम ऑन्कोलॉजी में यूरोजेन के नेतृत्व को मजबूत कर रहे हैं और निरंतर नवाचार और विकास की नींव रख रहे हैं। बैसिलस कैलमेट-ग्यूरिन (बीसीजी) थेरेपी के समान, आईसीवीबी-1042 को ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट में प्रतिरक्षा प्रणाली सक्रियण के लिए विकसित किया जा रहा है। बीसीजी की तुलना में, इसमें प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को सक्रिय करते हुए चुनिंदा कैंसर कोशिकाओं को मारने की क्षमता है। कंपनी ने विभिन्न इम्यूनोथेरेपी की नैदानिक प्रभावकारिता में सुधार लाने के लिए अपनी आरटीजेल प्रौद्योगिकी की जांच के लिए कई शोध साझेदारियां भी शुरू की हैं। यूरोजेन की आरटीजेल रिवर्स-थर्मल हाइड्रोजेल एक ऐसी तकनीक है जिसे मौजूदा दवाओं के चिकित्सीय प्रोफाइल को बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। यह तकनीक मूत्र पथ के ऊतकों को दवाओं के संपर्क में लंबे समय तक रहने की अनुमति दे सकती है। इसका मुख्यालय अमेरिका में है तथा यह कंपनी इजराइल में भी काम करती है। अक्टूबर 2024 में, यूरोजेन ने निम्न-श्रेणी के मध्यम-जोखिम वाले गैर-मांसपेशी आक्रामक मूत्राशय कैंसर के इलाज के लिए अपने यूजीएन-102 (माइटोमाइसिन) के लिए अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन से एक नई दवा आवेदन (एनडीए) स्वीकृति प्राप्त की।

EC ने सेलट्रियन के एव्टोजमा को कई संकेतों के लिए अधिकृत किया

एव्टोजमा सेलट्रियन की 12वीं बायोसिमिलर है जिसे EC से स्वीकृति मिली है। सेलट्रियन इंक. सभी अधिकार सुरक्षित। सेलट्रियन को यूरोपीय आयोग (ईसी) से एव्टोजमा (सीटी-पी47) के लिए विपणन प्राधिकरण प्राप्त हो गया है, जो चुगाई फार्मास्युटिकल के रोएक्टेमरा (टोसिलिजुमैब) का बायोसिमिलर है। स्वीकृति से एव्टोजमा को रोएक्टेमरा जैसी ही स्थितियों के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा: मध्यम से गंभीर रूप से सक्रिय रूमेटाइड अर्थराइटिस (आरए), पॉलीआर्टिकुलर जुवेनाइल इडियोपैथिक अर्थराइटिस, विशाल कोशिका धमनीशोथ और सक्रिय प्रणालीगत जुवेनाइल इडियोपैथिक अर्थराइटिस। ये सेलट्रियन की प्रतिरक्षा विज्ञान पेशकशों में महत्वपूर्ण वृद्धि हैं। ईसी का निर्णय डेटा सेट और साक्ष्य की समग्रता पर आधारित था, जिसमें चरण प्प्प् परीक्षण के निष्कर्ष भी शामिल थे। अध्ययन ने अपने संदर्भ उत्पाद के साथ अव्टोजमा की जैवसमानता की पुष्टि की, तथा 12वें सप्ताह में रोग गतिविधि स्कोर (DAS28)-ESR में आधार रेखा से औसत परिवर्तन के साथ अपने प्राथमिक समापन बिंदु को प्राप्त किया। यह कंपनी का ईसी अनुमोदन प्राप्त करने वाला 12वां बायोसिमिलर है। सेलट्रियन यूरोप के प्रमुख और वरिष्ठ उपाध्यक्ष तेहुन हा ने कहा: अपने एकीकृत संचालन का लाभ उठाकर, हम आपूर्ति श्रृंखलाओं की स्थिरता को मजबूत करते हैं और यूरोपीय स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के साथ सहयोग बढ़ाते हैं। हम यूरोपीय बाजार की अनूठी जरूरतों के अनुरूप मूल्य-संचालित समाधान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एक पुन: संयोजक मानवकृत मोनोक्लोनल एंटीबॉडी, एव्टोजमा, जिसमें टोसीलिजुमैब होता है, एक इंटरल्यूकिन 6 रिसेप्टर प्रतिपक्षी के रूप में काम करता है। सीटी-पी47 चरण III यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, सक्रिय-नियंत्रित परीक्षण ने एंटीबॉडी और संदर्भ की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना मध्यम से गंभीर रूप से सक्रिय आरए वाले विषयों में की। निष्कर्षों ने सीटी-पी47 और संदर्भ टोसीलिजुमैब के बीच चिकित्सीय समानता को प्रदर्शित किया, जिसमें 52वें सप्ताह तक तुलनीय और निरंतर प्रभावकारिता थी।

सेमाग्लूटाइड की कमी समाप्त, FDA ने कम्पाउंडर्स के लिए समय सीमा तय की

प्राप्त समाचार के अनुसार नोवो नॉर्डिस्क 2025 में अमेरिका में उत्पादन बढ़ाने के लिए 6.5 बिलियन डॉलर खर्च करेगी। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) द्वारा अमेरिका में सेमाग्लूटाइड - ग्लूकागन-जैसे पेप्टाइड 1रिसेप्टर एगोनिस्ट (जीएलपी-1आरए) वेगोवी और ओजेम्पिक में सक्रिय घटक - की कमी की आधिकारिक घोषणा के बाद कम्पाउंडर्स सतर्क हो गए हैं। इस कदम का मतलब है कि दवा के कंपाउंडर, जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में बिक्री में वृद्धि देखी है, अब कॉपीकैट संस्करणों का निर्माण बंद करने के लिए बाध्य हैं। कंपाउंडेड सेमाग्लूटाइड कई टेलीहेल्थ कंपनियों के लिए एक लाभदायक व्यवसाय मॉडल बन गया है, जिन्हें 2022 से नोवो नॉर्डिस्क के मधुमेह और वजन घटाने के उपचार ओजेम्पिक और वेगोवी की कम आपूर्ति से लाभ हुआ है। एफडीए द्वारा अनुमोदित दवाओं को कुछ निश्चित परिस्थितियों में मिश्रित किया जा सकता है, जैसे कि यदि मूल अनुमोदित दवा की कमी हो या वह उपलब्ध न हो। नोवो के दो प्रमुख उत्पादों को कमी सूची से हटा दिए जाने के बाद, कम्पाउंडर्स को अब कानूनी तौर पर सेमाग्लूटाइड के अपने संस्करण बनाने और वितरित करने की अनुमति नहीं है। FDA ने मरीजों को होने वाली परेशानी को कम करने के लिए उत्पादन के लिए एक ऑफ-रैंप प्रदान किया है, जिसमें फार्मेसियों को अप्रैल तक और आउटसोर्सिंग सुविधाओं को मई तक अनुपालन करने का समय दिया गया है। नोवो नॉर्डिस्क ने एक बयान में कहा, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि FDA ने अपनी दवा की कमी वाली वेबसाइट पर वेगोवी की स्थिति को समाधान में अपडेट कर दिया है, जो दर्शाता है कि इस केवल-पर्चे वाली GLP-1 दवा की आपूर्ति अब अमेरिका में वर्तमान और अनुमानित मांग को पूरा करती है या उससे अधिक है और वेगोवी की सभी खुराकें नियमित रूप से हमारे ग्राहकों को भेजी जा रही हैं। नोवो नॉर्डिस्क अपनी दवाओं की मांग को पूरा करने के लिए अपनी विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने में व्यस्त है, जिसमें 2025 में अमेरिका में उत्पादन बढ़ाने के लिए 6.5 बिलियन डॉलर का निवेश भी शामिल है। ओजेम्पिक और वेगोवी की कमी खत्म होने से मधुमेह और वजन घटाने के बाजार का एक हिस्सा नोवो नॉर्डिस्क की ओर वापस चला जाएगा। दवा निर्माता अपनी अरबों डॉलर की संपत्तियों की सुरक्षा में व्यस्त है, उसने पहले FDA से सुरक्षा जोखिमों का हवाला देते हुए सेमाग्लूटाइड को उन दवाओं की सूची में शामिल करने के लिए कहा था जिन्हें बनाना बहुत मुश्किल है। सेमाग्लूटाइड, FDA की कमी की सूची से बाहर होने में प्रतिद्वंद्वी GLP-1RA टिरजेपेटाइड के बाद दूसरे स्थान पर है। एली लिली के ओजेम्पिक और मौंजारो, जिनमें टिरजेपेटाइड सक्रिय घटक है, को दिसंबर 2024 में सूची से हटा दिया गया था।

कंपाउंडर्स से प्रतिक्रिया: टेलीहेल्थ कंपनी हिम्स एंड हर्स - जो इस महीने की शुरुआत में अपने विवादास्पद सुपर बाउल विज्ञापन के साथ सार्वजनिक सुर्खियों में आई थी - मिश्रित सेमाग्लूटाइड प्रदान करती है। कमी समाधान समाचार के मद्देनजर कंपनी के शेयरों में 26% की गिरावट आई। हम मरीजों की जरूरतों को पूरा करने के लिए कानून द्वारा अनुमत व्यक्तिगत उपचारों तक पहुँच प्रदान करना जारी रखेंगे।

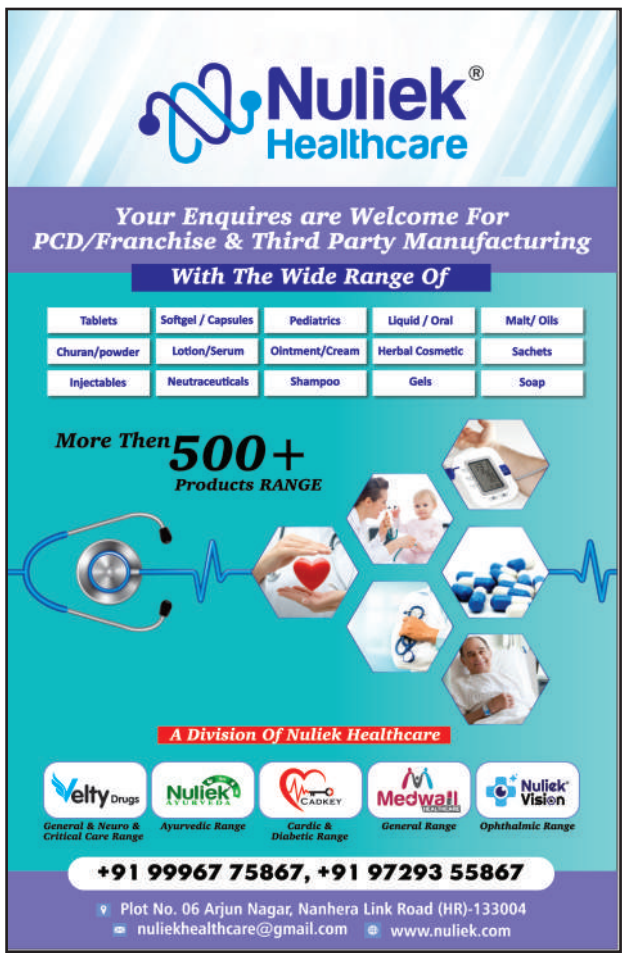

MD PAPER March 2025_32 Inch January. 2021.qxd 3/1/2025 9:20 AM Page 9

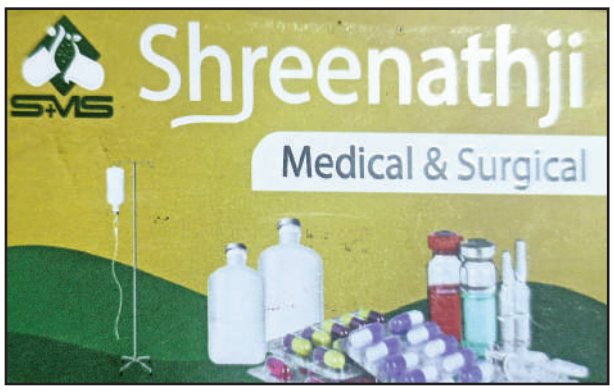

ईआरएस शिखर सम्मेलन में भारत में श्वसन स्वास्थ्य को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया

मुंबईः मुंबई में यूरोपीय श्वसन शिखर सम्मेलन ने वैश्विक श्वसन देखभाल में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर चिह्नित किया, यूरोपीय श्वसन सोसायटी (ईआरएस) और भारतीय चेस्ट सोसायटी (आईसीएस) के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, कोइम्ब्रा विश्वविद्यालय अस्पताल में पल्मोनोलॉजी विभाग के प्रमुख और श्वसन चिकित्सा में अग्रणी आवाज प्रो. कार्लोस रोबालो कॉर्डेइरो ने भारत में श्वसन स्वास्थ्य को आगे बढ़ाने में शिखर सम्मेलन की भूमिका पर जोर दिया। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण बैठक है, जो ईआरएस और आईसीएस के बीच सहयोग को मजबूत करती है।

हमारी भागीदारी लगभग 10 साल पहले शुरू हुई थी जब ईआरएस ने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाजों के साथ साझेदारी के माध्यम से अपनी सदस्यता का विस्तार करने का लक्ष्य रखा था। तब से, आईसीएस ईआरएस पहलों में एक सक्रिय भागीदार रहा है। आज, सभी आईसीएस सदस्य ईआरएस सदस्य भी हैं, जो ज्ञान के आदान-प्रदान, अनुसंधान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में योगदान दे रहे हैं श्वसन रोगों के बढ़ते वैश्विक बोझ को संबोधित करते हुए, प्रो. कार्लोस ने प्रमुख योगदान कारकों जैसे कि वृद्ध जनसंख्या पर प्रकाश डालाः क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) और इंटरस्टीशियल लंग डिजीज (आईएलडी) जैसी बीमारियाँ वृद्ध वयस्कों में अधिक प्रचलित हैं। बाहरी और घरेलू वायु प्रदूषण, साथ ही जलवायु परिवर्तन, श्वसन रोगों के लिए प्रमुख जोखिम कारक हैं। हानिकारक रसायनों और धूल के संपर्क में आने से क्रॉनिक फेफड़ों की बीमारियाँ होती हैं। दुर्भाग्य से, श्वसन रोग प्रमुख वैश्विक स्वास्थ्य खतरों में से हैं, और आने वाले वर्षों में उनके प्रसार में वृद्धि होने की उम्मीद है, उन्होंने चेतावनी दी। फेफड़ों की बीमारियों की एक व्यापक श्रेणी आईएलडी, भारत में अनूठी चुनौतियाँ पेश करती है। यह बीमारी व्यावसायिक जोखिम, ऑटोइम्यून स्थितियों या अज्ञात कारणों (अज्ञात उत्पत्ति) से शुरू हो सकती है। हालाँकि, प्रारंभिक निदान एक बड़ी बाधा बनी हुई है।

डीसीजीआई ने राज्यों को नई दवाओं की मंजूरी पर एनडीसीटी नियमों का एक समान कार्यान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश

नई दिल्लीः ड्रग्स कंट्रोलर जनरल (भारत) ने सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) के दवा नियामकों को गैस्ट्रो-प्रतिरोधी खुराक रूपों या विलंबित-रिलीज खुराक रूपों को नई दवाओं के रूप में मानने के लिए नई दवाओं और क्लिनिकल परीक्षण (एनडीसीटी) नियम, 2019 के तहत प्रासंगिक प्रावधानों का एक समान कार्यान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। यह परिपत्र पिछले साल आयोजित एक बैठक में ड्रग्स कंसल्टेटिव कमेटी की सिफारिश के अनुरूप जारी किया गया है। एनडीसीटी नियमों के नियम 2(1)(डब्ल्यू) में निर्दिष्ट नई दवा की परिभाषा के अनुसार, केंद्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित किसी भी दवा या किसी दवा की नई दवा वितरण प्रणाली का संशोधित या निरंतर रिलीज रूप हमेशा एक नई दवा माना जाएगा। ड्रग्स कंट्रोलर जनरल डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी ने 24 फरवरी को एक परिपत्र में कहा, सभी राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के ड्रग कंट्रोलरों से अनुरोध है कि वे नई औषधि और क्लिनिकल परीक्षण नियम, 2019 के नियम 2(1)(w) का एक समान कार्यान्वयन सुनिश्चित करें, जिसके अनुसार गैस्ट्रो-प्रतिरोधी टैबलेट/कैप्सूल/विलंबित रिलीज टैबलेट/कैप्सूल (एंटरिक कोटेड टैबलेट/कैप्सूल) या नई दवा वितरण प्रणाली सहित किसी दवा के संशोधित या निरंतर रिलीज रूप को हमेशा ड्रग्स और कॉस्मेटिक्स अधिनियम, 1940 के तहत नई दवा और क्लिनिकल परीक्षण नियम, 2019 के प्रावधानों के अनुसार नई दवा माना जाएगा। जैसा कि पहले बताया गया था, 19 जून, 2024 को आयोजित 64वीं औषधि परामर्शदात्री समिति (DCC) की बैठक में पाया गया कि इन दवाओं को नई दवाओं के रूप में माना जाता है, लेकिन अनुमोदन जारी करने के मामले में पूरे देश में प्रावधानों के समान कार्यान्वयन का अभाव है। गैस्ट्रो-प्रतिरोधी खुराक रूपों या विलंबित-रिलीज खुराक रूपों (एंटरिक कोटेड टैबलेट और कैप्सूल) के विनिर्माण लाइसेंस और उत्पाद अनुमोदन को नई दवा माना जाता है और इन्हें हमेशा नई दवा माना जाएगा, साथ ही निरंतर-रिलीज, विस्तारित-रिलीज, लंबे समय तक रिलीज और नियंत्रित-रिलीज उत्पाद भी। इन उत्पादों को नई दवाओं के रूप में स्वीकृति, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) द्वारा NDCT नियम, 2019 के अनुसार जारी की जाती है। समिति ने कहा, समिति ने पाया कि गैस्ट्रो-प्रतिरोधी खुराक रूपों/विलंबित-रिलीज खुराक रूपों (एंटरिक कोटेड टैबलेट/कैप्सूल) के संबंध में इस नियम के राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों में समान कार्यान्वयन की कमी है। विस्तृत विचार-विमर्श के बाद, इसने देश भर में प्रावधानों के समान कार्यान्वयन के लिए, NDCT नियम, 2019 के नियम 2 खंड (w) के अनुसार, नई दवाओं के रूप में इन उत्पादों की व्याख्या के संबंध में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक परिपत्र जारी करने की सिफारिश की। नियमों के नियम 2 खंड (डब्ल्यू) के उप खंड (iv) में कहा गया है कि केंद्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित किसी भी दवा की एक दवा या उपन्यास दवा वितरण प्रणाली का संशोधित या निरंतर रिलीज रूप एक नई दवा के रूप में माना जाता है।

नकली दवाओं के सीमा पार परिवहन को रोकने के लिए अंतरराज्यीय संचार को प्रोत्साहित हो

चेन्नईः तेलंगाना औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) के महानिदेशक वीबी कमलासन रेड्डी ने कहा है कि राष्ट्रीय औषधि विनियामक प्राधिकरण को नकली और जाली दवाओं के सीमा पार परिवहन का पता लगाने और रोकने के लिए अंतरराज्यीय संचार में संलग्न होना चाहिए। वे हैदराबाद में नवगठित औषधि विनियामक अधिकारियों के धर्मार्थ ट्रस्ट, औषधि नियंत्रण अधिकारी (भारत) कल्याण ट्रस्ट (डीसीओआईडब्ल्यूटी) का औपचारिक रूप से उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि औषधि विनियामक अधिकारियों के राष्ट्रीय निकाय को लोगों के स्वास्थ्य और सामाजिक सेवाओं पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए काम करना चाहिए क्योंकि वे मानव जीवन के रक्षक हैं। उन्हें दवा सुरक्षा मानकों और प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित करके सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करनी चाहिए। जबकि धर्मार्थ ट्रस्ट औषधि नियंत्रण अधिकारियों के लिए काम कर रहा है, अधिकारियों को पूरी जनता के लिए काम करना चाहिए। रेड्डी ने कहा, चूंकि नियामकों के पास एक राष्ट्रीय निकाय है, इसलिए सदस्य-अधिकारियों को नकली और जाली दवाओं के खतरे का पता लगाने और रोकने के लिए अंतरराज्यीय संचार विकसित करना चाहिए और विचारों का आदान-प्रदान करना चाहिए। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए उनकी ओर से एक सेवा है। हैदराबाद के होटल वैष्णवी ग्रैंड में ड्रग कंट्रोल ऑफिसर्स (इंडिया) वेलफेयर एसोसिएशन (डीसीओ इंडिया) द्वारा आयोजित एक भव्य समारोह में वेलफेयर ट्रस्ट का उद्घाटन किया गया। वेलफेयर ट्रस्ट का गठन इस साल जनवरी में सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत किया गया था और उद्घाटन समारोह एक महीने के भीतर आयोजित किया गया था। ट्रस्ट के अध्यक्ष जी कोटेश्वर राव, जो डीसीओ इंडिया के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि अब से डीसीओ इंडिया की सभी धर्मार्थ और कल्याणकारी गतिविधियाँ ट्रस्ट द्वारा की जाएँगी। एसोसिएशन प्रशिक्षण कार्यक्रमों, निरंतर शैक्षिक कार्यक्रमों और अन्य सामाजिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करेगा। एसोसिएशन, डीसीओ इंडिया की गतिविधियों के लिए आवश्यक धन ट्रस्ट द्वारा प्रदान या जुटाया जाएगा। राव ने आगे कहा कि ट्रस्ट सदस्यों को चिकित्सा देखभाल के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगा और एसोसिएशन के किसी सदस्य-पदाधिकारी की मृत्यु के मामले में, ट्रस्ट शोक संतप्त परिवार को मृत्यु के कारण की परवाह किए बिना एकमुश्त सहायता प्रदान करेगा। इसी तरह, वेलफेयर ट्रस्ट सभी प्रकार के स्वास्थ्य मुद्दों और अन्य जरूरतों के लिए एसोसिएशन के सदस्यों के लिए सेवा समन्वयक के रूप में कार्य करेगा। उद्घाटन समारोह के बाद, ड्रग्स इंस्पेक्टरों की शक्ति, प्रक्रिया और कर्तव्य" पर एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसके वक्ता हरियाणा के पूर्व ड्रग कंट्रोलर एनके आहूजा थे। उन्होंने कहा कि ड्रग इंस्पेक्टरों को फार्मास्युटिकल क्षेत्र के लिए सुविधा प्रदाता के रूप में काम करना चाहिए, न कि गला घोंटने वाले के रूप में। आहूजा ने कहा, ड्रग्स एक्ट की धारा 21 के तहत अधिसूचित सभी ड्रग इंस्पेक्टरों को धारा 22 के तहत शक्ति दी गई है, जिसका उपयोग नियम 51 और 52 के अनुसार कर्तव्यों के पालन के लिए धारा 23 के तहत निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जाना है। ये नियंत्रक प्राधिकारी के निर्देशों के अधीन हैं।

डीसीजीआई ने दो एफडीसी के निर्माताओं से तीन महीने के भीतर जमा करना होगा आवेदन

नई दिल्लीः ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) ने 1988 से पहले के दो स्वीकृत फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (FDC) के निर्माताओं से, जिसके लिए उसने एक साल पहले पोस्ट मार्केटिंग सर्विलांस डेटा मांगा था, चरण IV क्लिनिकल ट्रायल के लिए तीन महीने के भीतर आवेदन जमा करने को कहा है। केंद्रीय औषधि नियामक ने 24 फरवरी को एक पत्र में कहा कि यदि निर्माता पत्र जारी होने की तारीख से तीन महीने के भीतर आवेदन जमा करने में विफल रहते हैं, तो केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) से उचित नियामक कार्यवाही की सिफारिश की जाएगी। यह पत्र राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण द्वारा वर्ष 1988 से पहले, लेकिन केंद्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकरण से उचित अनुमोदन के बिना अनुमोदित एफडीसी से संबंधित चल रही कार्रवाइयों के लिए नवीनतम है। सीडीएससीओ ने 11 जनवरी, 2024 को कहा कि डॉ एमएस भाटिया की अध्यक्षता वाली एक विशेषज्ञ समिति ने दो एफडीसी को कुछ शर्तों के साथ तर्कसंगत बताया जिन एफडीसी को तर्कसंगत घोषित करने की सिफारिश की गई थी, वे एंटीडिप्रेसेंट इमिप्रामाइन हाइड्रोक्लोराइड आईपी + डायजेपाम आईपी (25 मिलीग्राम + 2 मिलीग्राम और 25 मिल. ीग्राम + 5 मिलीग्राम) टैबलेट और कफ सिरप संयोजन क्लोरफेनिरामाइन मैलेट आईपी + अमोनियम क्लोराइड आईपी + सोडियम साइट्रेट आईपी (2 मिलीग्राम + 100 मिलीग्राम + 50 मिलीग्राम / एमएल और 2.5 मिलीग्राम + 125 मिलीग्राम + 55 मिलीग्राम / एमएल) हैं, जो कुछ शर्तों के अधीन हैं। CDSCO ने इन FDC के लिए SLA द्वारा उत्पाद लाइसेंस प्रदान करने का मार्ग भी जारी किया। डीसीजीआई ने अपने नवीनतम संचार में कहा कि जिन निर्माताओं के पास 1 अक्टूबर, 2012 से पहले ऐसे एफडीसी के लिए राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरणों से लाइसेंस हैं और उन्होंने डीसीजीआई को आवेदन नहीं किया है, उन्हें चरण IV नैदानिक परीक्षण प्रोटोकॉल या सक्रिय पोस्ट मार्केटिंग निगरानी के लिए अपने आवेदन 11 जुलाई, 2024 के भीतर सीडीएससीओ को प्रस्तुत करने होंगे। यह देखते हुए कि यह समय सीमा पहले ही समाप्त हो चुकी है और जनवरी, 2024 में जारी नोटिस की तारीख से लगभग 12 महीने पहले ही बीत चुके हैं, केंद्रीय दवा नियामक ने कहा कि अधिकांश फर्मों ने निदेशालय को अपना आवेदन प्रस्तुत नहीं किया है। डीसीजीआई डॉ राजीव सिंह रघुवंशी ने सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) के औषधि नियंत्रकों और देश भर के औषधि निर्माता संघों और मंचों को लिखे पत्र में कहा, यह निर्णय लिया गया है कि 1 अक्टूबर, 2012 से पहले लाइसेंस रखने वाले निर्माता/हितधारक इस पत्र के जारी होने की तारीख से 03 महीने के भीतर श्रेणी डी एफडीसी के संबंध में अपने आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। अधिकारी ने कहा, ऐसे उत्पाद लाइसेंसों की कानूनी वैधता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, सभी संबंधित निर्माताओं/हितधारकों से अनुरोध किया जाता है कि वे इस पत्र के जारी होने की तिथि से 03 महीने के भीतर अपना आवेदन प्रस्तुत करें, अन्यथा सीडीएससीओ द्वारा उचित नियामक कार्यवाही की सिफारिश की जाएगी। जनवरी, 2024 में, इन योगों को तर्कसंगत घोषित करने की योजना की घोषणा करते हुए, समिति ने सिफारिश की कि अवसादरोधी संयोजन को सह-रुग्ण चिंता की स्थिति के लिए संकेत दिया जाना चाहिए और उपचार की अवधि 6-8 सप्ताह से अधिक नहीं होनी चाहिए। खांसी की दवाई के लिए, समिति ने इस शर्त के साथ निरंतर विनिर्माण और विपणन की सिफारिश की कि फर्म को अधिकतम स्वीकार्य खुराक से अधिक हुए बिना अनुशंसित खुराक सीमा को ध्यान में रखते हुए वयस्कों और बच्चों के लिए खुराक अनुसूची का स्पष्ट रूप से उल्लेख करके निर्धारित जानकारी या लेबल को संशोधित करना चाहिए। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली के मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख डॉ एमएस भाटिया की अध्यक्षता में विशेषज्ञ समिति उनकी तर्कसंगतता के लिए 1988 से पहले अनुमोदित 19 एफडीसी की जांच कर रही थी।

भारतीय फार्मा कंपनियां एपीआई में अपनी क्षमता को मजबूत करने में लगी

बेंगलुरुः भारतीय फार्मा सक्रिय दवा सामग्री (एपीआई) में अपनी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए नवाचार और प्रक्रिया विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इससे उद्योग को आयात पर अपनी निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स के पूर्णकालिक निदेशक और मुख्य परिचालन अधिकारी चेतन शाह के अनुसार, "भारत का एपीआई उद्योग स्वास्थ्य चुनौतियों में वृद्धि के कारण परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। आवश्यक दवाओं की आवश्यकता कोविड-19, कैंसर और हृदय और तंत्रिका संबंधी विकारों जैसी बीमारियों की बढ़ती घटनाओं का प्रत्यक्ष परिणाम है।

एक्सिस सिक्योरिटीज की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही में पूरे सेक्टर में 10.2% YoY और 1.7% तिमाही-दर-तिमाही (QoQ) की वृद्धि हुई है। ध्यान देने योग्य वृद्धि उत्तरी अमेरिका (10.8% YoY) और भारत (9.8%) से आई है। ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण जैसी पर्यावरणीय आपदाएं सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ा रही हैं शाह ने कहा कि हालांकि, इस संदर्भ में फार्मा क्षेत्र दवाओं को अधिक व्यापक रूप से उपलब्ध कराने और उभरती घातक बीमारियों के लिए नए उपचारों के विकास की दिशा में काम कर सकता है। उन्होंने कहा कि एपीआई दवा विकास का एक महत्वपूर्ण घटक है, उन्होंने कहा कि नए स्वास्थ्य खतरों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) और नवाचार में निवेश महत्वपूर्ण है।

एपीआई वह टेप है जो दवा निर्माण को एक साथ बांधता है और बढ़ती मांग को रोकने के लिए उनकी निर्बाध उपलब्धता एक परम आवश्यक है। एपीआई क्षेत्र में अपने बड़े कुशल, प्रशिक्षित जनशक्ति और ज्ञान के आधार के साथ हमारा देश एपीआई उत्पादन में दुनिया के नेताओं में से एक के रूप में उभर सकता है। सरकार ने एपीआई के इन-हाउस निर्माण को प्रोत्साहित करने वाली कई नीतियां बनाई हैं, ताकि वे आयात पर निर्भर न हों और एपीआई प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उपलब्ध हों। शाह ने कहा कि इनके माध्यम से भारत एपीआई निर्माण को बढ़ा सकता है, न केवल कम कीमतों पर अच्छी गुणवत्ता वाली आवश्यक दवाओं की स्थानीय मांग को पूरा करने के लिए, बल्कि अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए भी अग्रणी आपूर्तिकर्ताओं में से एक के रूप में उभर सकता है। सरकार द्वारा घरेलू एपीआई उत्पादन को प्रोत्साहित करने की पहल में एपीआई और प्रमुख प्रारंभिक सामग्री के घरेलू निर्माताओं को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शामिल है। बल्क ड्रग पार्क योजना एपीआई विनिर्माण इकाइयों के लिए बुनियादी ढाँचा और वित्तीय सहायता प्रदान करती है। यह विनियामक बोझ को कम कर रहा है, जिससे नई दवाओं और एपीआई विनिर्माण के लिए अनुमोदन आसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा अनुसंधान और विकास तथा विनिर्माण को बढ़ाने के लिए सरकार और निजी उद्योग के बीच तालमेल को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

छोटी दवा कंपनियों के लिए राहत भरी खबर, मंत्रालय ने बढ़ाई तारीख

नई दिल्लीः छोटी दवा कंपनियों के लिए राहत भरी खबर है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शेड्यूल-एम लागू करने के लिए समय सीमा बढ़ा दी गई है। मंत्रालय ने एक साल की सशर्त छूट दी है और इसकी अवधि 31 दिसंबर, 2025 तक के लिए बढ़ा दी है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 250 करोड़ रुपये से कम कारोबार करने वाली लघु एवं मझोली दवा इकाइयों को राहत दी है। औषधि नियम, 1945 में संशोधन करते हुए संशोधित शेड्यूल-एम को लागू करने की समय सीमा बढ़ा दी है। बता दें कि दवा कंपनियों के लिए गुणवत्ता मानक और बेहतर विनिर्माण गतिविधियां (जीएमपी) निर्धारित करने वाले शेड्यूल-एम को स्वास्थ्य मंत्रालय ने पिछले वर्ष जनवरी में अधिसूचित किया था। शुरुआत में 250 करोड़ रुपये से ज्यादा सालाना कारोबार करने वाली बड़ी दवा कंपनियों को इसके पहले संशोधित शेड्यूल-एम लागू करने के लिए 6 महीने का वक्त दिया था। वहीं, 250 करोड़ रुपये या इससे कम कारोबार वाली कंपनियों को 12 महीने वक्त दिया गया था। गौरतलब है कि कुछ एमएसएमई उद्योग निकायों ने इसके लिए 2 साल का समय बढ़ाने की मांग की थी। इसके बाद स्वास्थ्य मंत्रालय ने मसौदा अधिसूचना जारी की थी।

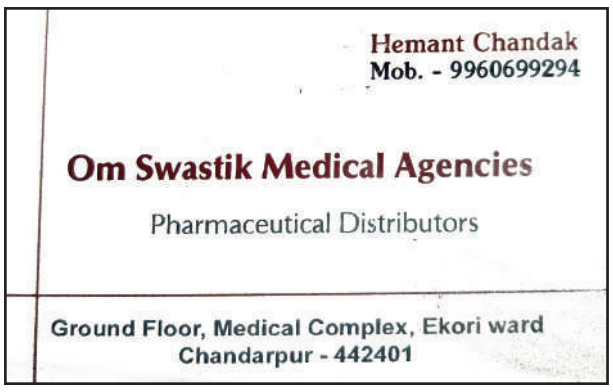

MD PAPER March 2025_32 Inch January. 2021.qxd 3/1/2025 9:20 AM Page 10

Sunil Bhat
9422141107
Shantanu Bhat
8010705383
9422137307
VIJAY MEDICO SURGICALS TRADERS
RENUKA SALES
GROUND FLOOR, SHOP NO. 19-20, PAWANSUT DAWA BAZAR, RAMNAGAR, RD., CHANDRAPUR (M.S.)
+91 7172-253961, 260678, 250945 vijaysurgicals@gmail.com

Niraj Shah
Director
Global Pharma
Dedicated to Human Life
C-168, Akurli Indl Premises,
Akurli Road, Kandivali (E), Mumbai 400 101 (INDIA)
Board No.: +91 22 4504 4444 • Desk No.: +91 22 4504 4433
• Mobile: +91 98199 94077
Skype: nirajshah82 • Email: sales@globalpharma.in
Website: www.globalpharma.in

• Bharat Serums & Vaccines
• Sutures India And J & J,Raman and well
• T-Walker,I.V fluids
• Neon Lab Instruments
• All Surgical Disposable Items
• Samarth life sci,X- Ray Flims
Vinod Sonawale
9890085574
Amol Sonawale
9975661613
Namish Distributors
Wholesale, Surgical, Medicals Vaccines & Distributors
Gala No.1 Bijjargi Complex Behind
Bijjargi Petrol Pump,Jath 416404 Dist-Sangli
Office No: 8484091619

टेवा फार्मा, मेडिनसेल ने सिजोफ्रेनिया से पीड़ित लोगों के इलाज के लिए यूजेडी के लिए एसएनडीए की यूएस एफडीए स्वीकृति की घोषणा की

टेवा फार्मास्युटिकल्स, टेवा फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड की एक अमेरिकी सहयोगी कंपनी, और मेडिनसेल ने घोषणा की कि वयस्कों में BP-I के रखरखाव उपचार के लिए Uzedy विस्तारित-रिलीज इंजेक्टेबल सस्पेंशन के लिए पूरक नई दवा आवेदन (sNDA) को US खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) द्वारा दाखिल करने के लिए स्वीकार कर लिया गया है।

sNDA Uzedy के लिए मौजूदा नैदानिक डेटा का लाभ उठाने पर आधारित है, साथ ही BP-I के उपचार के लिए स्वीकृत पिछले रिसपेरीडोन फॉर्मूलेशन की सुरक्षा और प्रभावकारिता के US FDA के पिछले निष्कर्षों पर आधारित है। टेवा में वैश्विक R-D और CMO के कार्यकारी उपाध्यक्ष एरिक ह्यूजेस ने कहा, लगभग दो साल पहले Uzedy को US FDA की मंजूरी मिलने के बाद से, यह सिजोफ्रेनिया से पीड़ित लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण उपचार विकल्प साबित हुआ है। आज की फाइलिंग द्विध्रुवी-I के लिए एक लंबे समय तक चलने वाले उपचार के रूप में Uzedy की नैदानिक प्रोफाइल की क्षमता को प्रदर्शित करती है, जो एक जटिल मानसिक स्वास्थ्य विकार है जो किसी व्यक्ति के मूड, व्यवहार और समग्र मन:स्थिति को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है। दुर्बल करने वाले उन्मत्त और अवसादग्रस्त लक्षण और संकेत भी हो सकते हैं। टेवा विनियामक प्रक्रिया का नेतृत्व करेगा और बीपी-आई के लिए उजीडी के संभावित व्यावसायीकरण के लिए जिम्मेदार होगा, जिसमें मेडिनसेल शुद्ध बिक्री पर रॉयल्टी के लिए पात्र होगा। मेडिनसेल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रिचर्ड मालामुट ने कहा, आज सीएनएस क्षेत्र में नवाचार के प्रमुख चालक लंबे समय तक काम करने वाले इंजेक्शन हैं। द्विध्रुवी I विकार में, सिजोफ्रेनिया की तरह, गैर-अनुपालन प्रभावी देखभाल के लिए एक प्रमुख बाधा बनी हुई है, जिसे उजीडी मदद करने की क्षमता रखता है। हमें टेवा के साथ साझेदारी करने पर गर्व है ताकि अपूर्ण चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से उपचार विकल्प प्रदान किए जा सकें। 2023 में वयस्कों में सिजोफ्रेनिया के उपचार के लिए यूजेडी को अमेरिका में मंजूरी दी गई थी। सिजोफ्रेनिया के उपचार के लिए यूजेडी की प्रभावकारिता और दीर्घकालिक सुरक्षा और सहनशीलता का मूल्यांकन दो चरण 3 महत्वपूर्ण अध्ययनों में किया गया है: TV46000-CNS-30072 (RISE अध्ययन - रिसपेरीडोन सबक्यूटेनियस एक्सटेंडेड-रिलीज अध्ययन) और TV46000-CNS-30078 (SHINE अध्ययन - TV-46000 sc इंजेक्शन मूल्यांकन के मनुष्यों में सुरक्षा)। BP-I के लिए यूजेडी की सुरक्षा और प्रभावकारिता स्थापित नहीं है और इस संकेत के लिए यूजेडी को किसी भी नियामक प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया है।

द्विध्रुवी विकार I (BP-I) एक उन्मत्त-अवसादग्रस्त स्थिति है जो मनोदशा और कार्यों में बड़े उतार-चढ़ाव की ओर ले जाती है जो जीवन की गुणवत्ता और दिन-प्रतिदिन के कार्यों को पूरा करने की क्षमता को बहुत प्रभावित करती है। इसका निदान करना चुनौतीपूर्ण है और अक्सर अन्य मनोरोग सहवर्ती रोगों के साथ होता है। BP-I खराब दीर्घकालिक परिणामों और आत्महत्या और हृदय रोग दोनों से सामान्य आबादी की तुलना में मृत्यु दर में पर्याप्त वृद्धि से जुड़ा हुआ है। अनुमान है कि 1% या 3,400,000+ अमेरिकी वयस्कों को अपने जीवनकाल में BP-I विकसित होगा।

सिजोफ्रेनिया से पीड़ित लोगों में बचपन में मस्तिष्क का विकास हो सकता है कम लचीला

नई दिल्ली: एक समीक्षा के अनुसार, सिजोफ्रेनिया से पीड़ित लोगों में बचपन के दौरान मस्तिष्क का विकास कम लचीला प्रतीत होता है, खासकर उन क्षेत्रों में जो विचार और भावना प्रक्रियाओं को जोड़ते हैं। अमेरिकन जर्नल ऑफ साइकियाट्री में प्रकाशित निष्कर्ष मानसिक विकार के लिए एक न्यूरोबायोलॉजिकल आधार प्रदान करते हैं, जो वास्तविकता और भ्रमपूर्ण विश्वासों को समझने की बिगड़ी हुई क्षमता द्वारा चिह्नित है। स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने कहा कि सिजोफ्रेनिया से पीड़ित लगभग 80 प्रतिशत लोग बिगड़ा हुआ संज्ञानात्मक कार्य प्रदर्शित करते हैं। लक्षणों में मतिभ्रम और अत्यधिक अव्यवस्थित व्यवहार शामिल हो सकते हैं जो विचित्र या उद्देश्यहीन लग सकते हैं। लक्षण भी व्यक्तियों के बीच बहुत भिन्न होते हैं। टीम ने कहा कि कुछ रोगियों के लिए, धारणा में गड़बड़ी मुख्य समस्या है, जबकि अन्य के लिए, संज्ञानात्मक हानि अधिक प्रचलित है। इस अर्थ में, एक सिजोफ्रेनिया नहीं है, बल्कि कई हैं, जिनमें से प्रत्येक के अलग-अलग न्यूरोबायोलॉजिकल प्रोफाइल हैं, यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल ऑफ साइकियाट्री ज्यूरिख के एक वरिष्ठ चिकित्सक, प्रथम लेखक वोल्फगैंग ओमलर ने कहा। हालाँकि, समीक्षा में मध्य-ललाट क्षेत्र में मस्तिष्क तह का एक समान पैटर्न पाया गया - ध्यान, कार्यशील स्मृति और भाषा के लिए जिम्मेदार - जिसने सिजोफ्रेनिया वाले लोगों के लिए एक सामान्य विकासात्मक विशेषता का सुझाव दिया। मस्तिष्क की तह मस्तिष्क की बाहरी परत सेरेब्रल कॉर्टेक्स में होती है।

लिली ने जेपबाउंड की अतिरिक्त खुराकें लॉन्च कीं और स्वयं भुगतान करने वाले रोगियों के लिए नई बचत की पेशकश की

एली लिली एंड कंपनी ने 7.5 मिलीग्राम और 10 मिलीग्राम की जेपबाउंड (टिर्जेपेटाइड) सिंगल-डोज शीशियों के लॉन्च की घोषणा की, जो नए जेपबाउंड सेल्फ पे जर्नी प्रोग्राम के साथ +499 में उपलब्ध हैं। लिली ने 2.5 मिलीग्राम और 5 मिलीग्राम की शीशियों की कीमत भी कम कर दी है। ये नई पेशकशें विशेष रूप से लिलीडायरेक्ट सेल्फ पे फार्मेसी सॉल्यूशंस के जरिए उपलब्ध हैं, जो तीसरे पक्ष की आपूर्ति श्रृंखला संस्थाओं को हटाकर और रोगियों को बीमा के बाहर सीधे बचत तक पहुँचने की अनुमति देकर पारदर्शी मूल्य सक्षम बनाती हैं। ओबेसिटी एक्शन कोएलिशन के अध्यक्ष और सीईओ जो नाडग्लोस्की ने कहा, OAC मोटापे के उपचार की सामर्थ्य में सुधार करने के लिए लिली की एक और कदम की सराहना करता है। हालांकि, हमें अभी भी एक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाने में एक लंबा रास्ता तय करना है जो मोटापे से ग्रस्त लोगों के लिए व्यापक देखभाल, कवरेज और ऐसी देखभाल का भुगतान प्रदान करती है जो वजन के

पूर्वाग्रह से मुक्त हो। मोटापे से ग्रस्त सेल्फ-पे रोगियों के पास अब अतिरिक्त जेपबाउंड शीशी विकल्प हैं, जिनमें 2.5 मिलीग्राम, 5 मिलीग्राम, 7.5 मिलीग्राम और 10 मिलीग्राम की खुराक शामिल हैं। उपलब्ध खुराकों का विस्तार करने के अलावा, लिली जेपबाउंड शीशियों को अधिक किफायती बनाने के लिए कदम उठा रही है, जिनमें शामिल हैं। 2.5 मिलीग्राम खुराक की कीमत घटाकर 349 डॉलर प्रति माह कर दी गई। 5 मिलीग्राम की खुराक की कीमत घटाकर 499 डॉलर प्रति माह कर दी गई। जेपबाउंड सेल्फ पे जर्नी प्रोग्राम का शुभारंभ किया गया, जिसके तहत 7.5 मिलीग्राम (+599) और 10 मिलीग्राम (+699) की खुराक की कीमत पहली बार भरने पर 499 डॉलर प्रति माह हो जाती है और डिलीवरी के 45 दिनों के भीतर दोबारा भरने पर भी कीमत कम हो जाती है। लिली कार्डियोमेटाबोलिक हेल्थ और लिली यूएसए के कार्यकारी उपाध्यक्ष और अध्यक्ष पैट्रिक जोन्सन ने कहा, हर प्रमुख चिकित्सा संगठन और प्रतिष्ठान मोटापे को एक पुरानी बीमारी के रूप में पहचानता है, फिर भी बीमा और संघीय कार्यक्रम मोटापे से पीड़ित लोगों को चिकित्सा देखभाल के लिए व्यवस्थित रूप से कवर नहीं करते हैं - इसे बदलने की जरूरत है। लिली इस समस्या को हल करने के लिए सभी पक्षों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है, और इस बीच, हम नए विकल्पों को लागू करना जारी रखेंगे जो हमारे सुरक्षित, अनुमोदित और अध्ययन किए गए tsickmaM की सामर्थ्य और उपलब्धता में सुधार करते हैं, जिन्हें जेब से भुगतान करने के लिए कहा जा रहा है। tsickmaM 2.5 मिलीग्राम, 5 मिलीग्राम, 7.5 मिलीग्राम, 10 मिलीग्राम, 12.5 मिलीग्राम या 15 मिलीग्राम प्रति 0.5 एमएल खुराक में एकल खुराक पेन (ऑटोइंजेक्टर) में भी उपलब्ध है। अनुशंसित रखरखाव खुराक 5 मिलीग्राम, 10 मिल. ीग्राम या 15 मिलीग्राम है जिसे सप्ताह में एक बार चमड़े के नीचे इंजेक्ट किया जाता है। tsickmaMपर शुरुआत करने वाले लोग अपनी खुराक को 5 मिलीग्राम तक बढ़ाने से पहले चार सप्ताह तक जेपबाउंड 2.5 मिलीग्राम लेंगे। tsickmaM पहली और एकमात्र दोहरी GIP (ग्लूकोज-निर्भर इंसुलिनोट्रोपिक पॉलीपेप्टाइड) और GLP-1 (ग्लूकागन-जैसे पेप्टाइड-1) रिसेप्टर एगोनिस्ट मोटापा दवा है। tsickmaM अतिरिक्त वजन के अंतर्निहित कारण से निपटता है। यह भूख और आप कितना खाते हैं, इसे कम करता है। tsickmaM मोटापे से ग्रस्त वयस्कों, या कुछ वयस्कों के लिए संकेत दिया जाता है जो अधिक वजन वाले हैं और कम से कम एक वजन-संबंधी चिकित्सा समस्या भी है, ताकि वजन कम किया जा सके और इसे कम रखा जा सके। इसके अतिरिक्त, tsickmaM को मध्यम से गंभीर अवरोधक स्लीप एपनिया और मोटापे से ग्रस्त वयस्कों के इलाज के लिए FDA द्वारा अनुमोदित किया गया है।

ल्यूपिन ने प्रतिष्ठित एसएंडपी ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी ईयरबुक 2025 में स्थान प्राप्त किया

मुंबई: वैश्विक फार्मा प्रमुख ल्यूपिन लिमिटेड (ल्यूपिन) लगातार दूसरे वर्ष प्रतिष्ठित एसएंडपी ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी ईयरबुक 2025 में शामिल होने की घोषणा गर्व से करती है। यह मान्यता ल्यूपिन के असाधारण प्रदर्शन और स्थिरता के प्रति समर्पण को उजागर करती है। ल्यूपिन को शीर्ष 10% एसएंडपी ग्लोबल सीएसए स्कोर में शामिल किया गया है - जो उन कंपनियों को संदर्भित करता है जो 2024 के लिए उनके कॉर्पोरेट स्थिरता आकलन (सीएसए) स्कोर के आधार पर अपने उद्योग के शीर्ष 10% के भीतर रैंक करते हैं। ईयरबुक के सदस्यों का चयन उनके एसएंडपी ग्लोबल 2024 कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट (सीएसए) स्कोर के आधार पर किया जाता है। 2024 में ल्यूपिन का एसएंडपी ग्लोबल सीएसए स्कोर 65 से 75 तक काफी सुधार हुआ है। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, ल्यूपिन के कार्यकारी निदेशक, वैश्विक सीएफओ और एपीआई प्लस एसबीयू के प्रमुख रमेश स्वामीनाथन ने कहा, लगातार दूसरे वर्ष एसएंडपी ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी ईयरबुक में शामिल होना स्थिरता के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम वैश्विक स्तर पर टिकाऊ व्यावसायिक प्रथाओं को बढ़ावा देने में फार्मास्युटिकल उद्योग में सबसे आगे हैं। हम दुनिया भर में अपने रोगियों, समुदायों और हितधारकों के लिए एक टिकाऊ और न्यायसंगत भविष्य का समर्थन करने वाली प्रभावशाली पहलों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ल्यूपिन लिमिटेड एक वैश्विक फार्मास्युटिकल लीडर है जिसका मुख्यालय मुंबई, भारत में है, जिसके उत्पाद 100 से अधिक बाजारों में वितरित किए जाते हैं। ल्यूपिन ब्रांडेड और जेनेरिक फॉर्मूलेशन, कॉम्प्लेक्स जेनरिक, बायोटेक्नोलॉजी उत्पाद और सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री सहित फार्मास्युटिकल उत्पादों में माहिर है।

ग्लेनमार्क फार्मा ने एपिनेफ्रीन इंजेक्शन यूएसपी, 10 मिलीग्राम/10 एमएल (1 मिलीग्राम/एमएल) मल्टीपल-डोज शीशी लॉन्च की

मुंबई: ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स इंक., यूएसए (ग्लेनमार्क) ने एपिनेफ्रीन इंजेक्शन यूएसपी, 10 मिलीग्राम/10 एमएल (1 मिलीग्राम/एमएल) मल्टीपल-डोज वायल के लॉन्च की घोषणा की है।

ग्लेनमार्क की एपिनेफ्रीन इंजेक्शन यूएसपी, 10 मिलीग्राम/10 एमएल (1 मिलीग्राम/एमएल) मल्टीपल-डोज वायल बायोइक्विवेलेंट है और BPI लैब्स, LLC, NDA 205029 की रेफरेंस लिस्टेड दवा, एपिनेफ्रीन इंजेक्शन यूएसपी, 10 मिलीग्राम/10 एमएल (1 मिलीग्राम/एमएल) के बराबर है। एपिनेफ्रीन इंजेक्शन यूएसपी, 10 मिलीग्राम/10 एमएल (1 मिलीग्राम/एमएल) मल्टीपल-डोज वायल का यह लॉन्च FD-C अधिनियम की धारा 505(j)(5)(B)(v) के तहत 180 दिनों की CGT विशिष्टता के लिए पात्र है। दिसंबर 2024 को समाप्त होने वाली 12 महीने की अवधि के लिए IQVIA बिक्री डेटा के अनुसार, एपिनेफ्रीन इंजेक्शन USP, 10 mg/10 mL (1 mg/mL) बाजार ने लगभग +42.7 मिलियन की वार्षिक बिक्री हासिल की। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, मार्क किकुची, अध्यक्ष और व्यापार प्रमुख, उत्तरी अमेरिका ने कहा, हम एपिनेफ्रीन इंजेक्शन USP, 10 mg/10 mL (1 mg-mL) मल्टीपल-डोज वायल के लॉन्च की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं, संस्थागत चौनल के भीतर हमारे उत्पादों के पोर्टफोलियो को बढ़ाते हुए, साथ ही रोगियों के लिए बाजार में गुणवत्तापूर्ण और किफायती विकल्प लाने की हमारी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करते हैं। ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड एक शोध-आधारित, वैश्विक फार्मास्युटिकल कंपनी है, जिसकी ब्रांडेड, जेनेरिक और OTC सेगमेंट में उपस्थिति है; श्वसन, त्वचाविज्ञान और ऑन्कोलॉजी के चिकित्सीय क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए। कंपनी के पास 4 महाद्वीपों में फैली 11 विश्व स्तरीय विनिर्माण सुविधाएं हैं, और 80 से अधिक देशों में परिचालन है।

दुर्लभ रोग के मरीज के लिए दवा खरीदने के आदेश पर रोक

नई दिल्ली: दुर्लभ रोग के मरीज के लिए दवा खरीदने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। केरल हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से पीड़ित एक मरीज को 50 लाख से ऊपर 18 लाख रुपये मूल्य की अतिरिक्त दवाइयां देने का निर्देश दिया था। सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के बाद प्रतिवादियों से जवाब मांगा है। कोर्ट इस मामले में 17 अप्रैल को अगली सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पक्षकर इन दवाओं का निर्मार्ता कंपनी से संपर्क करें, ताकि ऐसे रोगियों का उपचार हो सके।

दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर भी रोक: सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश पर भी रोक लगा दी है, जिसमें दुर्लभ बीमारियों के ईलाज के लिए 50 लाख रुपये की सीमा को हटाने का निर्देश दिया गया था। गौरतलब है कि स्पाइनल मस्कुलर एट्रॉफी एक जेनेटिक डिसऑर्डर हैं। यह नर्वस सिस्टम और मांसपेशियों को बुरी तरह प्रभावित करता है। यह एक दुर्लभ रोग है। हालांकि, यह 10000 नवजात बच्चों में से किसी एक में पाया जाता है

Atul
9820448779
Girish
8208227004
GAJRAJ
MEDISURG
Dealer for All Critical Care, Surgical & Onco Products.
Swarup Plazza, 2 nd Lane, Sahupuri, Kolhapur. Mob. 9755553006
email - gajrajmedisurgkop22@gmail.com

राधा मेडिकल्स्
केमिस्ट & ड्रगिस्ट
Satish M. Shete
Pharmacist
+91 98 22 51 2297
एस.टी.स्टँड रोड, इस्लामपूर,
ता. वाळवा, जि. सांगली ४१५४०९.
radhamedisl@gmail.com
Radha Medicals
Health Care Partner

Ravi Urunkar
Mob.9028287095
Amit Urunkar
Mob.9860922788
MAULI MEDICAL STORE
All types of Medicines
& Cosmetics
Add. 885,K/2, Malhar Plaza,
Shubhash Road, Laxmipuri,
Kolhapur.

MD PAPER March 2025_32 Inch January. 2021.qxd 3/1/2025 9:20 AM Page 11

Ramesh V. Chhabada
Cell : 94238 15115
83800 95999
email : rajpharma999@gmail.com
KOLHAPUR DISTRICT CHEMIST'S ASSOCIATION, KOLHAPUR Estd 1960
Director
KOLHAPUR DISTRICT CHEMIST'S ASSOCIATION
301/317, 458, 'E', Keviz Plaza, Station Road, Kolhapur-416 001
Phone : 0231 - 2656609, Fax : 2650128
Director
INSTITUTE OF PHARMACY
Ujalaiwadi, Airport Road, Kolhapur. Phone : 0231 - 2677035

Giving your Health a new Life
YASH PHARMACY यश फार्मसी
केमिस्ट & ड्रागिस्ट
• सर्व प्रकारची औषधे • सौंदर्य प्रसाधने
वाळवा बझार शेजारी, इस्लामपूर ता.वाळवा जि.सांगली
+91 9529483864
yashpharmacybr1@gmail.com

Vicky Lulla 9860273111
Ravi Lulla 9423559595
Lucky Medicine House
Pharmaceutical Distributor
House Of Genric Medicine
Plot No. 184/1, T.P. Scheem II, Opp. Gaytri Mandir, Jalgaon - 425001. ☎ (0257) 2234580, 2223629

मेडजीनोम ने दुर्लभ बीमारियों का शीघ्र पता लगाने के लिए केयर फॉर द रेयर अभियान शुरू किया

बेंगलुरु: प्राप्त समाचार के अनुसार जीनोमिक्स-संचालित निदान और शोध सेवाओं में वैश्विक अग्रणी मेडजीनोम ने दुर्लभ रोग दिवस से पहले अपना अभियान रुब्तमवितजीमत्तम शुरू किया। इस अभियान का अनावरण एक वृत्तचित्र के साथ किया गया जिसका उद्देश्य दुर्लभ रोगों का शीघ्र पता लगाने और उनके प्रबंधन में जीनोमिक परीक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना था। यह अभियान रोगियों पर अज्ञात वंशानुगत रोगों के गहन प्रभाव को उजागर करता है और दुर्लभ स्थितियों से प्रभावित प्रियजनों की देखभाल करने वाले परिवारों को सम्मानित करता है। पिछले दशक में, महत्वपूर्ण वैज्ञानिक नवाचारों और प्रौद्योगिकी एकीकरण ने आनुवंशिक परीक्षण जैसे उन्नत नैदानिक उपकरणों को व्यापक रूप से उपलब्ध कराया है, जिससे जटिल रोग निदान और प्रबंधन परिदृश्य में क्रांति आई है।

कंपनी का वीडियो एक माँ की भावनात्मक यात्रा को दर्शाता है जिसके बच्चे को केवल छह महीने की उम्र में माइटोकॉन्ड्रियल रोग का पता चला था। अभियान रुब्तमवितजीमत्तम दुर्लभ रोगों से पीड़ित परिवारों के सामने आने वाली चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित करता है, साथ ही उनकी यात्रा के लिए अधिक समझ और समर्थन को बढ़ावा देता है। ओमिक्स के क्षेत्र में प्रगति, अगली पीढ़ी की अनुक्रमण (एनजीएस) जैसी जीनोमिक अनुक्रमण तकनीकें और स्वास्थ्य सेवा विश्लेषण के लिए एआई का एकीकरण व्यापक आबादी के लिए तेज, अधिक व्यापक और लागत प्रभावी समाधान अधिक सुलभ बना रहा है। नतीजतन, व्यक्ति जल्दी निदान प्राप्त कर सकते हैं और बेहतर जानकारी वाले उपचार निर्णयों से लाभान्वित हो सकते हैं। इस केस का नेतृत्व करने वाली बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजिस्ट और न्यूरोमस्कुलर विशेषज्ञ डॉ एन एग्नेस मैथ्यू के अनुसार, ष्माइटोकॉन्ड्रियल बीमारी को कभी मौत की सजा माना जाता था। इस स्थिति के कारण को. शिकाओं में माइटोकॉन्ड्रिया काम करना बंद कर देते हैं, जिससे ऊर्जा उत्पादन में कमी आती है, जिसके परिणामस्वरूप मांसपेशियों में कमजोरी, तंत्रिका संबंधी समस्याएं, विकास में देरी और अंगों की शिथिलता होती है। रोग की गंभीरता हर व्यक्ति में अलग-अलग होती है और समय के साथ खराब हो सकती है। आनुवंशिक परीक्षण के बिना इस बीमारी की पहचान करने का कोई तरीका नहीं था और पारंपरिक रूप से इसका कोई इलाज नहीं था, उपचार लक्षणों के प्रबंधन और शरीर के प्रभावित क्षेत्रों का समर्थन करने पर केंद्रित था। हालांकि, हाल के शोध से पता चला है कि कीटोजेनिक आहार रोग के प्रबंधन में महत्वपूर्ण लाभ प्रदान कर सकता है। जबकि इस आहार का पालन करना एक लंबी और चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया है, परिणाम आशाजनक रहे हैं। मैं उस परिवार और बच्चे की सराहना करता हूं जिन्होंने इस सख्त नियम का पालन किया सबसे पहले, हम एक सटीक निदान प्रदान कर सकते हैं, जिससे निदान संबंधी वह उलझन खत्म हो जाएगी जो कुछ साल पहले कई रोगियों को झेलनी पड़ती थी। दूसरा, जीनोमिक्स ने बीमारी के प्रबंधन, परिवार के अन्य सदस्यों में इसके होने की रोकथाम और इसके बढ़ने की भविष्यवाणी करने के हमारे तरीके को बदल दिया है, जिससे रोगी देखभाल में बुनियादी रूप से सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, ष्परिवार में दुर्लभ बीमारी का मरीज होने से न केवल मरीज के स्वास्थ्य पर असर पड़ता है, बल्कि परिवार पर आर्थिक बोझ भी पड़ता है। इन बीमारियों को रोकने या अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए शुरुआती पहचान, वाहक जांच और आनुवंशिक परामर्श महत्वपूर्ण उपकरण हैं, खासकर उन आबादी में जहां बीमारी का बोझ अधिक है।

बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने अमेरिका में स्टेलारा के समान येसिंटेक बायोसिमिलर लॉन्च किया

बेंगलुरु: बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने घोषणा की है कि येसिंटेक (यूस्टेकिनुमाब-केएफसीई) अब संयुक्त राज्य अमेरिका में रोगियों के लिए उपलब्ध है, और यह देश में स्टेलारा (यूस्टेकिनुमाब) बायोसिमिलर बाजार में प्रवेश करने वाली पहली कंपनियों में से एक है। येसिंटेक को क्रोहन रोग, अल्सरेटिव कोलाइटिस, प्लाक सोरायसिस और सोरायटिक गठिया के उपचार के लिए अनुमोदित किया गया है, जिससे आम पुरानी ऑटोइम्यून बीमारियों के उपचार में उपयोग के लिए अधिक लागत प्रभावी उपचार विकल्पों तक रोगी की पहुँच बढ़ गई है। येसिंटेक स्टेलारा द्वारा वर्तमान में प्रदान किए जाने वाले सभी समान फॉर्मूलेशन में उपलब्ध होगा। उपलब्ध प्रस्तुतियाँ 45 mg/0.5 mL PFS, 90 mg-mL PFS, 45 mg-0-5 mL शीशी और 130 mg-26 mL शीशी हैं। बायोकॉन बायोलॉजिक्स के सीईओ और प्रबंध निदेशक श्रीहास तांबे ने कहा, येसिंटेक का लॉन्च सूजन की स्थिति वाले रोगियों के जीवन को बेहतर बनाने और उच्च गुणवत्ता वाले बायोसिमिलर तक पहुँच का विस्तार करने की हमारी प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह एक पूर्णत: एकीकृत वैश्विक बायोसिमिलर संगठन बनने के बाद से संयुक्त राज्य अमेरिका में हमारे पहले उत्पाद लॉन्च का भी प्रतिनिधित्व करता है। हम इस रोगी आबादी के लिए एक उच्च-गुणवत्ता, सस्ती बायोसिमिलर यूस्टेकिनुमाब पेश करने वाली पहली कंपनियों में से एक होने पर उत्साहित हैं। क्रोहन एंड कोलाइटिस फाउंडेशन की मुख्य शिक्षा, सहायता और वकालत अधिकारी, लॉरा विंगेट ने कहा: "रोगियों के दैनिक जीवन पर क्रोहन रोग और अल्सरेटिव कोलाइटिस का बोझ काफी अधिक है। यह पात्र पुरानी बीमारी के रोगियों के लिए एक सार्थक उन्नति है, जिनके पास अब उपचार के अधिक विकल्प उपलब्ध हैं। लॉन्च के समय ल्मेपदजमा के पास वाणिज्यिक भुगतानकर्ता कवरेज होगा और इसमें एक मजबूत रोगी सहायता कार्यक्रम भी होगा जिसमें अन्य सेवाओं के अलावा लाभ सत्यापन, कॉपये सहायता शामिल है। कॉपये कार्यक्रम मूल पेशकश के साथ प्रतिस्पर्धी है और पात्र रोगी जो कार्यक्रम के मानदंडों को पूरा करते हैं, वे +0 जितना कम भुगतान कर सकते हैं। नैदानिक अध्ययनों से पता चला है कि येसिंटेक स्टेलारा के समान बायोसिमिलर है और इसमें स्टेलारा की तुलना में समान फार्माकोकाइनेटिक, सुरक्षा, प्रभावकारिता और प्रतिरक्षात्मकता प्रोफाइल है।

डॉक्टरों: गुइलेन-बैरे सिंड्रोम प्रकोप वाले क्षेत्र के कुछ मरीज हफ्तों से वेंटिलेटर सपोर्ट

पुणे: प्राप्त समाचार के अनुसार शहर के अस्पतालों में अभी भी उपचाराधीन गिलियन-बैरे सिंड्रोम के लक्षणों वाले 44 लोगों में से 17 उन इलाकों से हैं, जहां सबसे पहले मामले बढ़े थे - सिंहगढ़ रोड, किरकटवाड़ी, धायरी, खडकवासला और नांदेड़ गांव के इलाके। डॉक्टरों ने कहा कि उनमें से कई को प्रकोप के शुरुआती दिनों में भर्ती कराया गया था और कुछ हफ्तों से गहन देखभाल या वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों से पता चला है कि कुछ साल पहले पीएमसी में विलय किए गए इन इलाकों में कुल 100 जीबीएस मामले सामने आए, जो सबसे ज्यादा मामले हैं। और इन 100 मरीजों में से पांच की मौत हो गई। दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल के इंटेंसिविस्ट डॉ समीर जोग ने कहा कुल जीबीएस भर्ती में से 15 प्रतिशत गंभीर हो सकते हैं और उनका इलाज वेंटिलेटर पर 6-8 सप्ताह तक चल सकता है। यही कारण है कि हमारे अस्पताल में अभी भी वेंटिलेटर पर रखे गए कई लोग उन इलाकों से हैं, जहां सबसे पहले असामान्य उछाल की सूचना मिली थी और वे अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि सभी मरीज इलाज के प्रति अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारे पास छह लोग श्वास सहायता पर हैं। उनमें से एक बच्चा है। वे सभी बेहतर हो रहे हैं। नवले अस्पताल ने भी बताया कि प्रकोप के दौरान भर्ती हुए कुछ लोग अभी भी देखभाल में हैं।

अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ नंदा धवले ने कहा, उन्हें अभी छुट्टी नहीं मिली है। हमारे अस्पताल में वर्तमान में जीबीएस के चार मरीज वेंटिलेटर पर हैं। उनमें से एक को 26 फरवरी को भर्ती कराया गया था, जो मुलशी के पौड की आठ वर्षीय लड़की है। शेष तीन में से दो वयस्क हैं और एक बच्चा है। उनकी हालत काफी हद तक स्थिर है, लेकिन उतार-चढ़ाव जारी है, डॉ धवले ने कहा। अध्ययनों से पता चलता है कि जीबीएस रोगियों का एक बड़ा हिस्सा - गंभीर मामले - अस्पताल में भर्ती होने के दौरान श्वसन विफलता विकसित कर सकता है और उन्हें यांत्रिक वेंटिलेशन और गहन देखभाल की आवश्यकता होगी, मुख्य रूप से कमजोर छाती की मांसपेशियों के कारण।

मर्क लाइफ साइंस ने नवी मुंबई के तुर्भे में फार्मूलेशन एवं प्रौद्योगिकी केंद्र खोला

बेंगलुरु: मर्क लाइफ साइंस ने नवी मुंबई के तुर्भे में अपना फॉर्मूलेशन और प्रौद्योगिकी केंद्रखोला है। मर्क के वैश्विक आरएंडडी नेटवर्क के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में, यह अगली पीढ़ी की सुविधा उद्योग सहयोग के लिए एक केंद्र के रूप में काम करेगी, जो दवा कंपनियों को भारत, एशिया प्रशांत, मध्य पूर्व और अफ्रीका में दवा निर्माण को अनुकूलित करने और बाजार में लाने के समय को तेज करने के लिए उन्नत उपकरणों से लैस करेगी। फॉर्मूलेशन और प्रौद्योगिकी केंद्र एक प्रौद्योगिकी स्टोरफ्रंट के रूप में कार्य करने का इरादा रखता है, जो जटिल दवा निर्माणों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उन्नत फॉर्मूलेशन और प्रसंस्करण समाधान प्रदान करता है। यह सिर्फ एक प्रयोगशाला नहीं है; यह एक ऐसा स्थान है जहाँ ज्ञान अभ्यास से मिलता है। यह सुविधा अनुसंधान और वाणिज्यिक उत्पादन के बीच की खाई को पाटने के लिए डिजाइन की गई है, जो दवा निर्माताओं को पेटेंट चुनौतियों से निपटने और अपने उत्पाद पाइपलाइनों को बढ़ाने में मदद करती है। ग्राहकों को व्यावहारिक प्रशिक्षण, तकनीकी परामर्श और फॉर्मूलेशन विकास, उत्पादन स्केलिंग और समस्या निवारण में चुनौतियों से निपटने के लिए डिजाइन किए गए अनुरूप समाधानों तक पहुँच होगी। बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (बीआईआरएसी) के प्रबंध निदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार और इंडियन फार्मास्युटिकल एलायंस की एसोसिएट सेक्रेटरी जनरल अर्चना जाटकर ने फॉर्मूलेशन और टेक्नोलॉजी सेंटर के वर्चुअल लॉन्च के कार्यक्रम में भाग लिया, जबकि प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में जर्मन वाणिज्य दूतावास मुंबई के महावाणिज्यदूत अचिम फैबिग; इंडो-जर्मन चौंबर ऑफ कॉमर्स के महानिदेशक स्टीफन हलुसा; ल्यूपिन लिमिटेड के फार्मा रिसर्च के कार्यकारी उपाध्यक्ष मकरंद अवचत शामिल थे। इस अवसर को मनाने के लिए मर्क में भारत की नेतृत्व टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए मर्क इंडिया की कंट्री स्पीकर और मर्क स्पेशियलिटीज की एमडी प्रतिमा रेड्डी, मर्क लाइफ साइंस के मैनेजिंग डायरेक्टर - लाइफ साइंस, साइंस एंड लैब सॉल्यूशंस के प्रमुख, भारत, धनंजय सिंह, भारत क्षेत्र के प्रोसेस सॉल्यूशंस के प्रमुख आदित्य शर्मा यह केंद्र उद्योग-अकादमिक सहयोग, स्थिरता और ग्राहक-केंद्रित नवाचार के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है।

ब्रिटेन में सुपरबग की बढ़ती संख्या सरकार के लिए चुनौती: अध्ययन

लंदन: सुपरबग्स हर साल ब्रिटेन में लगभग 7,600 लोगों की मौत का सीधा कारण बनते हैं और लगभग 35,200 मौतों में योगदान देते हैं, बुधवार को एक रिपोर्ट में कहा गया, सरकार ने चेतावनी दी कि बढ़ते संक्रमणों से निपटने में ष्सीमित प्रगतिष कर रही है। बग - बैक्टीरिया या रोगजनकों के उपभेद जो एंटीबायोटिक दवाओं के लिए प्रतिरोधी हो गए हैं, जिससे उनका इलाज करना बहुत मुश्किल हो गया है-को वैश्विक स्वास्थ्य के लिए बढ़ते खतरे के रूप में पहचाना गया है। विशेषज्ञों ने पहले चेतावनी दी थी कि सिजेरियन सेक्शन या संयुक्त प्रतिस्थापन जैसी सर्जरी एक दिन एंटीबायोटिक दवाओं के बिना करने के लिए बहुत खतरनाक हो सकती है। यूके में ष मानव में दवा प्रतिरोधी संक्रमण 2018 से 13 प्रतिशत बढ़ गए हैं, जबकि उन्हें 10 प्रतिशत कम करने का लक्ष्य रखा गया था, नेशनल ऑडिट ऑफिस द्वारा किए गए अध्ययन में कहा गया है, जो यूके सरकार के खर्च की जांच करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रिटेन के खस्ताहाल अस्पताल, राज्य द्वारा वित्तपोषित राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) द्वारा रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) को नियंत्रित करने के प्रयासों में बाधा डाल रहे हैं, क्योंकि इससे मरीजों को अनावश्यक रूप से संक्रमण के संपर्क में लाया जा रहा है। अध्ययन में कहा गया है, हाल के वर्षों में एनएचएस की स्थिति गंभीर रूप से खराब हुई है, कुछ अस्पताल और अन्य स्वास्थ्य सेवा व्यवस्थाएं आधुनिक चिकित्सा की मांगों को पूरा नहीं कर पा रही हैं। इसमें कहा गया है, पुरानी इमारतों और उपकरणों की देखभाल और साफ-सफाई करना कठिन हो सकता है, और संक्रामक रोगियों को अलग रखने के लिए पर्याप्त कमरे नहीं हैं। ब्रिटेन की अधिकांश आबादी स्वास्थ्य सेवा के लिए एनएचएस पर निर्भर है और इस सेवा को वित्तपोषित करना एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा है।

सेनोरेस फार्मा ने ब्रेकेनरिज फार्मा से रोफ्लुमिलास्ट 250 एमसीजी और 500 एमसीजी टैबलेट के लिए एएनडीए का अधिग्रहण किया

बेंगलुरु: सेनोरेस फार्मास्यूटिकल्स ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी सेनोरेस फार्मास्यूटिकल्स, इंक., यूएसए (एसपीएल) के माध्यम से ब्रेकेनरिज फार्मास्यूटिकल, इंक. से श्रोफ्लुमिलास्टश 250 एमसीजी और 500 एमसीजी टैबलेट के लिए यूएस एफडीए द्वारा अनुमोदित संक्षिप्त नई दवा आवेदन (एएनडीए) प्राप्त करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। ब्रेकेनरिज फार्मास्यूटिकल, इंक., टोवा इंटरनेशनल की एक यूएस सहायक कंपनी है जो संयुक्त राज्य अमेरिका में जेनेरिक फार्मास्यूटिकल्स का विपणन, वितरण और बिक्री करती है। रोफ्लुमिलास्ट को क्रोनिक ब्रोंकाइटिस और एक्ससेर्बेशन के इतिहास से जुड़े गंभीर क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) वाले रोगियों में सीओपीडी एक्ससेर्बेशन के जोखिम को कम करने के लिए एक उपचार के रूप में संकेत दिया जाता है। IQVIA के अनुसार यूएसए में रोफ्लुमिलास्ट का बाजार आकार, USD 32 मिलियन (MAT जून 2024) और स्पेशलिटी डेटा एग्रीगेटर सिम्फनी के अनुसार US+ 46 मिलियन (MAT सितंबर 2024) था। अधिग्रहण को SPL द्वारा जुटाई गई आरंभिक सार्वजनिक पेशकश आय के माध्यम से वित्त पोषित किया जाएगा। यह रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस में बताए गए आईपीओ के उद्देश्यों के अनुरूप है। अधिग्रहण पर टिप्पणी करते हुए, सेनोरेस फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक स्वप्निल शाह ने कहा, हम ब्रेकेनरिज फार्मास्युटिकल, इंक से रोफ्लुमिलास्ट टैबलेट एएनडीए के अधिग्रहण की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं। रोफ्लुमिलास्ट टैबलेट एएनडीए का यह रणनीतिक अधिग्रहण, जिसका विनिर्माण स्थानीय रूप से हमारे यूएस साइट पर किया जाएगा, हमारे पोर्टफोलियो को विशेष वितरण में विस्तारित करता है और हमें क्रोनिक ब्रोंकाइटिस थेरेपी क्षेत्र में उपस्थिति स्थापित करने में भी मदद करता है। यह स्वास्थ्य सेवा में अपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के अवसर के साथ एक आला, कम-प्रवेशित जेनेरिक फॉर्मूलेशन की पहचान करने और उसमें प्रवेश करने के हमारे रणनीतिक फोकस के अनुरूप है। सेनोरेस एक वैश्विक, शोध-संचालित दवा कंपनी है जो मुख्य रूप से अमेरिका, कनाडा और अन्य विनियमित और उभरते बाजारों के लिए विभिन्न चिकित्सीय क्षेत्रों और खुराक रूपों में दवा उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के विकास और निर्माण में लगी हुई है। कंपनी के पास फॉर्मूलेशन के लिए 2 विनिर्माण सुविधाएं हैं: एक अटलांटा, यूएस में जो यूएसएफडीए द्वारा अनुमोदित है और डीईए/बीएए के अनुरूप है और दूसरी छत्रल, अहमदाबाद में है।

MOHD. AFZAL IBRAHIM
PHARMACIST
M. 09422135996
RAJ MEDICALS
Chemist and Druggist
Jatpura Gate, Chandrapur - 442 401 (M.S.)

Ashish Mutha 9822001440 7422001440
Amit Mutha 9028687557
Mutha Medical
Mutha Medical
'Nayan' Chaupati Karanja, Ahmednagar
0241: 2327561. Email : muthamedical@gmail.com
• डायबेटिस • जनेरिक • आयुर्वेदीक • वैद्य बालाजी तांबे
• शारंगधर • सर्जिकल

SM SWASTIK MEDISALES
PHARMACEUTICAL DISTRIBUTORS
RANJIT MAHADIK-PATIL 9673125252 / 9673995252
Sahakarnagar, AKLUJ - 413101, Dist. Solapur
swastikmedisales52@gmail.com

MD PAPER March 2025_32 Inch January. 2021.qxd 3/1/2025 9:20 AM Page 12

AUTHORIZED DISTRIBUTORS OF ADR BOOK

Location	Party Name	Contact No.
Agra	Satish Book Enterprises	9997877123
Ahmedabad	Bharat Medical Book House	9824013920
Akola	Book Emporium	9422861751
Aligarh	Rama Book Store	9319275252
Allahabad	Chetana Medical Books	9307978423
Amritsar	City Book Shop	0183-2571591
Amritsar	Medical Books & Surgicals Centre	0183-2422729
Aurangabad	Arihant Excel Medical Book House	9822259681
Aurangabad	Shri Samarth Book Depot	9822034577
Belgaun	Shri Ganesh Book Stall	8312461258
Berhampur	Book World	9861015189
Bhagalpur	Kora Kagaz	9771511779
Bhopal	Lyall Book Depot	0755-2543624
Bhubaneswar	Annapurna Medical Book Shop	9861243882
Bikaner	Academy Book Centre	9414138998
Burla	Bharat Book Emporium	9337335744
Calicut	Ramdas Sotes & Books	0495-2358398
Chennai	Chennai Medical Book Centre	044-66246369
Chennai	Shah Medical Books	9444829937
Coimbatore	Arasu Medical Book House	9444308567
Coimbatore	Balaji Medical Books	0422-6725292
Coimbatore	Dass Medical Book Shop	9443958620
Cuttack	Scientific Book Depot	9437020414
Delhi	Mirza Book Depot	9958723206
Delhi	Pawan Book Service	9810202316
Delhi	R.S.Book Store	9810546759
Delhi	Sagar Book Depot	9811680722
Delhi	University Book Store	9818357577
Dhulea	Koshal Book Shop	9423916592
Gorakhpur	Medical Book Centre	9450884543
Gwalior	Anand Pustak Sadan	9425114555
Indore	New Jain Book Stall	9926636333
Indore	Scientific Literature Company	9826299744
Jabalpur	Lords Book Sellers	9425155125
Jabalpur	Akash Pustak Sadan	9826563047
Jaipur	Kumar Medical Book Store	9829610430
Jammu	Bhartiya Pustakalaya	9796636000
Jammu	Narend Book Depot	9419114398
Jamnagar	Jay Medical Book Centre	9925236982
Jodhpur	Book World	9829088088
Jorhat	Naveen Pustakalaya	9435514204
Kolhapur	Ajab Pustakalaya	9881424434
Kolkata	Raj Book House	9432550891
Kota	R.K.Stationers	9829087574
Koti Hyderabad	Osmani Medical Book House	040-64644253
Koti Hyderabad	Paras Medical Books Pvt Ltd.	040-24600869
Koti Hyderabad	Sharp Medical Book Centre	040-65544303
Lucknow	Aditya Medical Books Pvt Ltd.	0522-2611724
Lucknow	Arora Book Agencies	0522-4046778
Ludhiana	Verma Book Depot	9872202530
Madurai	Medical Books & International	9344101063
Meerut	City Book Centre	0121-4056292
Meerut	Menakshi Prakashan	0121-2645498
Meerut	R LAL Book Depot	0121-2666235
Mumbai	The National Book Depot	022-24131362
Mumbai	Vikas Medical Book House Pvt Ltd.	022-23010441
Mumbai	Bhalani Medical Book House	022-24171660
Nagpur	New Medical Book Shop	9822225591
Nagpur	Book Source	9850943011
Patna	Current Book Service	9431077745
Pune	J D Granth Bhandar	020-24492832
Raipur	S.K.Medical Book House	9329637397
Raipur	Sristhi Book Stationery Mart	9300855027
Rajkot	Jay Books Medical Book	9925236984
Ranchi	Student Book Depot	0651-2221907
Saharanpur	Hans Pustak Bhandar	9457449388
Sangli	Tanavade & Sons	9823049499
Sri Nagar	Doctors Dotkom	9086454647
Tirupati	Shri Venketswar Book Depot	9885479105
Trivandram	Professional Book House	9495951506
Varanasi	Atithi Medical Books	9307978423
Varanasi	Current Book Agency	9335015235
Visakhapatnam	Andhra Medical Book Centre	9985716032
Visakhapatnam	World Medical Book Centre	9849022192

टेक्सास में एक बच्चे की मौत खसरे से एक दशक में पहली मौत

बेंगलुरु। पश्चिम टेक्सास में एक बच्चे की खसरे से मौत हो गई है, राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा, एक दशक में अत्यधिक संक्रामक बीमारी से अमेरिका में पहली मौत की सूचना मिली है, क्योंकि टेक्सास में प्रकोप मुट्ठी भर मामलों से बढ़कर दो राज्यों में 130 से अधिक हो गया है। टेक्सास स्वास्थ्य विभाग ने एक बयान में कहा कि बच्चे, जिसे बीमारी के खिलाफ टीका नहीं लगाया गया था, बच्चों के अस्पताल में रात भर मर गया। हमारे पास बहुत सारे बच्चे आ रहे थे और फिर जाहिर है कि हम इतनी जल्दी मौत के लिए तैयार नहीं थे।

अत्यधिक गर्मी किस तरह वृद्धों में बुढ़ापे को तेज कर सकती है

नई दिल्ली। एक आनुवंशिक अध्ययन से पता चला है कि अत्यधिक गर्मी के संपर्क में आने से जीन के खुद को अभिव्यक्त करने के तरीके में बदलाव आ सकता है, और संभावित रूप से वृद्ध वयस्कों में बुढ़ापे की प्रक्रिया में तेजी आ सकती है। अत्यधिक गर्मी को नकारात्मक स्वास्थ्य परिणामों से जोड़ा गया है, जिसमें हृदय रोग और मृत्यु दर में वृद्धि शामिल है। हालांकि, जैविक उम्र बढ़ने पर इसका प्रभाव अभी भी स्पष्ट नहीं है, अमे. रिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने कहा। दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में जेरोन्टोलॉजी और समाजशास्त्र की प्रोफेसर और वरिष्ठ लेखक जेनिफर एलशायर ने कहा कि अधिक गर्मी वाले इलाकों में रहने वाले लोगों में औसतन ठंडे क्षेत्रों के निवासियों की तुलना में अधिक जैविक उम्र बढ़ती है। ष्यह वास्तव में गर्मी और नमी के संयोजन के बारे में है, विशेष रूप से वृद्ध वयस्कों के लिए, क्योंकि वृद्ध वयस्कों को उसी तरह से पसीना नहीं आता है। हम पसीने के वाष्पीकरण से होने वाले त्वचा को ठंडा करने वाले प्रभाव को महसूस करने की अपनी क्षमता खोने लगते हैं, उन्होंने समझाया। जैविक आयु आणविक, कोशिकीय और अंग स्तरों पर शरीर के कामकाज को दर्शाती है। कालानुक्रमिक आयु (जन्म तिथि के आधार पर) के सापेक्ष उच्च जैविक आयु को विभिन्न स्वास्थ्य स्थितियों के लिए एक जोखिम कारक माना जाता है जर्नल साइंस एडवांस में प्रकाशित अध्ययन में 2010 से 2016 तक छह साल की अध्ययन अवधि में 56 वर्ष और उससे अधिक आयु के 3,600 से अधिक वयस्कों के रक्त के नमूनों का विश्लेषण किया गया। टीम ने डीएनए मिथाइलेशन नामक एक सामान्य एपिजेनेटिक प्रक्रिया द्वारा जीन को श्चालूश या श्बंदश करने के तरीके के लिए नमूनों का विश्लेषण किया। एक एपिजेनेटिक प्रक्रिया वह है जिससे जीन में संग्रहीत जानकारी को अवलोकन योग्य व्यवहार में परिवर्तित किया जाता है। डीएनए मिथाइलेशन में पैटर्न ने शोधकर्ताओं को प्रत्येक समय बिंदु पर प्रतिभागियों की जैविक आयु का अनुमान लगाने में मदद की।

भारत में बदलती सार्वजनिक स्वास्थ्य आवश्यकताएं और क्षमता निर्माण संस्थानों की भूमिका

पिछले दशक में, भारत ने महत्वपूर्ण सामा. जिक-आर्थिक विकास का अनुभव किया है, जो विशेष रूप से मातृ और शिशु मृत्यु दर में प्रगतिशील कमी और इसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर में परिलक्षित होता है। हालाँकि, विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों और सामा. जिक-आर्थिक समूहों के बीच असमानताएँ बनी हुई हैं। इसके अलावा, जनसांख्यिकीय बदलाव, जलवायु परिवर्तन, जीवनशैली में बदलाव और उभरते स्वास्थ्य खतरों के कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य परिदृश्य में धीरे-धीरे बदलाव हो रहा है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतियों के कार्यान्वयन और क्षमता निर्माण संस्थानों को मजबूत बनाने की जरूरत है। कोविड-19 महामारी ने लगातार विकसित हो रहे सार्वजनिक स्वास्थ्य परिदृश्य की जरूरतों के अनुसार गतिशील रूप से प्रशिक्षित विभिन्न स्तरों के पेशेवरों के साथ उच्च क्षमता और उच्च गुणवत्ता वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की आवश्यकता को और उजागर किया है। भारत में वर्तमान परिदृश्य और प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियाँ भारत में विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्रों जैसे प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य के साथ-साथ संचारी रोग और यौन और प्रजनन स्वास्थ्य में हुई प्रगति उत्साहजनक रही है।

चिकित्सा क्षेत्र में नियामक निकायों में अव्यवस्था

नई दिल्ली। सूचना के अधिकार के तहत पूछे गए एक सवाल के जवाब में पता चला है कि मेडिकल क्षेत्र में कर्मियों को विनियमित करने वाले तीन स्वायत्त निकाय - डॉक्टर, दंत चिकित्सक और नर्स-सभी बेकार की स्थिति में हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के इस सवाल के जवाब से पुष्टि हुई है कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के चार स्वायत्त बोर्ड जो स्नातक शिक्षा, स्नातकोत्तर शिक्षा, नैतिकता और पंजीकरण, और मेडिकल कॉलेजों के मूल्यांकन और रेटिंग से संबंधित हैं, पीजी मेडिकल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष के पद को छोड़कर पूरी तरह से खाली हैं। ये चार महीने से अधिक समय से खाली पड़े हैं, हालांकि मंत्रालय को पिछले सदस्यों के कार्यकाल समाप्त होने से छह महीने पहले रिक्तियों को भरने की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए थी ताकि पद खाली न हों। अगस्त 2023 में राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग अधिनियम पारित होने के बाद, भारतीय दंत चिकित्सा आयोग को एक नए गठित राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना था। डेढ़ साल बाद, परिषद बिना किसी मुखिया के है और हालांकि इसे एक स्वायत्त निकाय माना जाता है, लेकिन अब इसका नेतृत्व स्वास्थ्य मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवाओं के महा. निदेशक कर रहे हैं। डीजीएचएस डीसीआई का पदेन सदस्य है और नए आयोग के गठन तक इसकी कार्यकारी समिति का सदस्य है। डीजीएचएस को कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करने के संबंध में मंत्रालय के आदेश में कहा गया है कि राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग का गठन एक उन्नत अवस्था में है और इसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। इसी तरह, भारतीय नर्सिंग परिषद को राष्ट्रीय नर्सिंग और मिडवाइफरी आयोग द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना था, जिसके लिए भी अगस्त 2023 में कानून पारित किया गया था। नए कानून का उद्देश्य भारत में सभी नर्सों के ऑनलाइन और लाइव रजिस्टर के साथ पेशेवर आचरण को बढ़ाना और अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना था। हालाकि, भारतीय नर्सिंग परिषद दिलीप कुमार के साथ काम करना जारी रखती है, जो दो दशकों से अधिक समय से इस पद पर हैं। राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन में कई डिजिटल रजिस्ट्री की परिकल्पना की गई है, जिसमें एक स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए और दूसरी स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए है, जिसमें डॉक्टर, दंत चिकित्सक, नर्स आदि शामिल हैं। हालाँकि, स्वायत्त निकाय जिन्हें इन रजिस्ट्रियों को अपडेट और बनाए रखना चाहिए, जो इन व्यवसायों को विनियमित करने के लिए भी हैं, अव्यवस्थित हैं। डीसीआई के एक पूर्व सदस्य ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, इन निकायों की स्वायत्तता एक मजाक बन गई है। वे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीनस्थ विभागों की तरह काम कर रहे हैं और तदर्थवाद और पारदर्शिता की कमी से ग्रस्त हैं।

राज्य में 48.3% बच्चे अविकसित, 64% महिलाएं एनीमिया से पीड़ित: सर्वेक्षण

पटना। जब दुनिया भर में विश्व प्रोटीन दिवस मनाया जा रहा है, तो प्रोटीन की कमी पर सबका ध्यान केंद्रित हो गया है। बिहार में, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (NFHS-5) के चौंकाने वाले आंकड़े अपर्याप्त प्रोटीन सेवन के परिणामों को उजागर करते हैं, जिसमें 48.3 प्रतिशत बच्चे बौने हैं और 64 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि दैनिक भोजन में अपर्याप्त प्रोटीन न केवल शारीरिक विकास को प्रभावित कर रहा है, बल्कि प्रतिरक्षा को कमजोर कर रहा है, संज्ञानात्मक विकास को बाधित कर रहा है और बीमारियों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ा रहा है। पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (PMCH) के पूर्व अधीक्षक डॉ राजीव रंजन प्रसाद ने बच्चों के विकास के लिए प्रोटीन के महत्व पर जोर दिया। डॉ प्रसाद ने कहा कि प्रोटीन की कमी बच्चों के बौने होने का एक प्रमुख कारण है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में बड़ी संख्या में महिलाएं अपने दैनिक भोजन में पर्याप्त प्रोटीन के साथ उचित आहार लेने में विफल रहती हैं। डॉ प्रसाद ने कहा, उनमें से अधिकांश एनीमिया से पीड़ित हैं, जिसका अर्थ है कि उनमें हीमोग्लोबिन की कमी है। उन्होंने कहा कि डाइटिंग का एक नया चलन सामने आया है, जिसमें लोग, खासकर युवा, पौष्टिक आहार के महत्व को समझे बिना, अपने भोजन से महत्वपूर्ण खाद्य पदार्थों को छोड़ रहे हैं, जिसमें प्रोटीन युक्त भोजन भी शामिल है। डॉ. प्रसाद ने कहा, वे पतले दिखना चाहते हैं और इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भोजन से परहेज करके खुद को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वास्तव में, हमारा पारंपरिक भोजन दाल-चावल सबसे अच्छा है। शहर की एक अन्य प्रसिद्ध आहार विशेषज्ञ डॉ. सुकृति कुमार ने भी दैनिक आधार पर प्रोटीन के सेवन पर जोर दिया। डॉ. सुकृति ने कहा कि एक औसत शाकाहारी प्रतिदिन लगभग 30 ग्राम प्रोटीन लेता है, जबकि एक मांसाहारी प्रतिदिन 50 ग्राम लेता है, और यह आवश्यकता से कम है। उन्होंने कहा, हमारे शरीर को प्रति एक किला. ग्राम वजन पर एक ग्राम प्रोटीन की आवश्यकता होती है। उन्होंने उच्च जैविक मूल्य प्रोटीन युक्त उचित आहार लेने की आवश्यकता पर बल दिया और बताया कि अंडा इसके लिए सबसे अच्छा है। उन्होंने कहा, चावल और दाल एक साथ खाने से सबसे अच्छा संयोजन बनता है, या दाल और रोटी एक साथ खाने से। उन्होंने आगे कहा कि मांस, चिकन और मछली जैसे गैर-शाकाहारी भोजन में प्रोटीन होता है, लेकिन इसे बनाने की प्रक्रिया अक्सर उन्हें अस्वस्थ बनाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अलावा, डेटा भी प्रोटीन का सेवन बढ़ाने की आवश्यकता का सुझाव देते हैं। एक अध्ययन में कहा गया है कि 73 प्रतिशत भारतीय प्रोटीन की कमी से पीड़ित हैं। पोल्ट्री इंडिया, इंडियन पोल्ट्री इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईपीईएमए) ने चिकन और अंडे जैसे किफायती उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन स्रोतों पर जोर दिया। एक मध्यम आकार के अंडे में 6 ग्राम प्रोटीन होता है, जो इसे दैनिक उपभोग के लिए एक आदर्श, पोषक तत्वों से भरपूर भोजन बनाता है। चिकन एक और दुबला, उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन स्रोत है, जो आयरन, जिंक और बी विटामिन जैसे आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर है। पोल्ट्री इंडिया/आईपीईएमए के अध्यक्ष उदय सिंह बयास ने कहा, बहुत से भारतीय प्रोटीन के बजाय कार्बोहाइड्रेट को प्राथमिकता देते हैं, और गलती से भरे पेट को अच्छे स्वास्थ्य के बराबर मान लेते हैं। उन्होंने कहा, हालांकि, प्रोटीन ऊतकों की मरम्मत, एंजाइम और हार्मोन उत्पादन और समग्र प्रतिरक्षा के लिए आवश्यक है। दुनिया भर में विश्व प्रोटीन दिवस मनाया जा रहा है, तो प्रोटीन की कमी पर सबका ध्यान केंद्रित हो गया है। बिहार में, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (NFHS-5) के चौंकाने वाले आंकड़े अपर्याप्त प्रोटीन सेवन के परिणामों को उजागर करते हैं, जिसमें 48.3 प्रतिशत बच्चे बौने हैं और 64 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं।

MD PAPER March 2025_32 Inch January. 2021.qxd 3/1/2025 9:20 AM Page 13

Naturally safe
AYURVEDIC AND HERBAL
Formulations
NU ALTER
MANUFACTURER, SUPPLIER & TRADERS
OWN MANUFACTURING UNITS
CERTIFIED WITH
ISO, GMP AND WHO-GMP
Tablet | Capsule | Syrup | Dry Syrup
Spray | Ointment | Powder
SPECIAL OFFER 10% OFF LIMITED PERIOD
For manufacturing and Trade Inquiries
Plz Contact : 0172-5000295 8699038826 9799047262
NU ALTER HERBOVET
93, HSIIDC, Alipur, Barwala
Haryana-134103
E-mail : altarhealth1@gmail.com
Web : www.nualtergroup.com
Quality manufacturing of Ayurvedic, Veterinary and Allopathic Products

दुष्ट इंसान की मीठी बातों पर कभी भरोसा मत करो। वो अपना मूल स्वभाव कभी नहीं छोड़ सकता। जैसे शेर कभी हिंसा नहीं छोड़ सकता।

HEALTHY PLANET HEALTHY Life
Attractive Packing
Large Range of Products
Competitive & Reasonable Rates
Assured Quality Manufactured at GMP Plants
Proven track record of Uninterrupted Services
Pluto Biomeds Pvt. ltd.
A professionally managed company gaining a strong foothold in the pharmaceuticals industry

Products	We offer
• Tablets	• Attractive Promo Inputs
• Capsules	• Corporate Gifts
• Eye / Ear drops	• Yearly Bonanza
• Injectables	• Seasonal Bonanza
• Liquids (Suspension / syrups / Drops)	• Visual Aid
• Protein Powders	• Order book
• Dry Syrups	• Reminder Cards
• Soaps	• Catch covers
• Ointments and Gels	• Product Literatures
• Mouthwash	

BUSINESS OPPORTUNITY
Marketing and distribution rights available for unrepresented areas on monoply basis.
CALL TODAY +91 9368 331 293
Pluto Biomeds
A-60, 1-2 Floor, Transport Nagar, Dehradun-248002, Uttarakhand
Mob 93683 31293 email: plutobiomeds@gmail.com

BMJ पोस्ट ने DEI सफाई के दौरान मरीजों के डेटा को मिटाने का आरोप लगाया

प्राप्त समाचार के अनुसार अनाम लेखक ने आरोप लगाया है कि संघीय शोधकर्ताओं को ऐसे शब्दों और शब्दों की सूची दी गई है, जो संभावित रूप से शोध अनुदान को वापस लेने का कारण बन सकते हैं। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल (बीएमजे) में प्रकाशित एक अनाम लेख में स्वास्थ्य सेवा अनुसंधान से विविधता, समानता और समावेश (डीईआई) के साथ-साथ शलिंग विचारधारा से संबंधित शब्दावली को समाप्त करने के अमेरिकी सरकार के प्रयास को डिजिटल नरसंहार कहा गया है। पोस्ट में, अनाम लेखक ने आरोप लगाया है कि संघीय शोधकर्ताओं को ऐसे शब्दों और शब्दों की सूची दी गई है, जिन्हें शामिल करने पर संभावित रूप से शोध अनुदान रद्द हो सकता है। इन शब्दों में वकालत, पूर्वाग्रह, लिंग या समावेशन जैसे शब्द शामिल हैं। साथ ही, लेखक का दावा है कि अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग (एचएचएस) ने अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसियों को सूचित किया है कि वे कमजोर समूहों के संदर्भों को हटा दें तथा किसी भी चिकित्सा या वैज्ञानिक पत्रिका द्वारा विचाराधीन किसी भी शोध पांडुलिपि के प्रकाशन को वापस ले लें या रोक दें, जिसमें प्रतिबंधित शब्द हों। यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा पदभार ग्रहण करने के पहले दिन जारी किए गए कार्यकारी आदेशों की झड़ी के बाद आया है, जिसमें महिलाओं को लैंगिक विचारधारा के अतिवाद से बचाना और संघीय सरकार को जैविक सत्य बहाल करनाश और कट्टरपंथी और बेकार सरकारी DEI कार्यक्रमों और वरीयताओं को समाप्त करना शामिल है।

फार्मा कंपनी को एपीआई प्लांट के निर्माण में खामियों के चलते फटकारा

नई दिल्ली: फार्मा कंपनी को एपीआई प्लांट के निर्माण में खामियों के चलते फटकार लगाई गई है। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने राजस्थान स्थित सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई) संयंत्र में महत्वपूर्ण विनिर्माण खामियों के लिए जगसनपाल फार्मास्यूटिकल्स को फटकार लगाई है। कंपनी के प्रबंध निदेशक मनीष गुप्ता को जारी चेतावनी पत्र में अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) ने कहा कि उसने राजस्थान में कंपनी के भिवाड़ी स्थित प्लांट का निरीक्षण किया। पता चला कि विनिर्माण, प्रसंस्करण, पैकिंग या होल्डिंग के तरीके, सुविधाएं या नियंत्रण सीजीएमपी के अनुरूप नहीं हैं। यूएसएफडीए ने इस एपीआई को मिलावटी बताया है। यूएसएफडीए द्वारा जारी चेतावनी पत्र में आमतौर पर उल्लंघन की पहचान की जाती है। पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि कंपनी इस कमी को ठीक कर। इसमें सुधार के लिए दिशा-निर्देश और समय-सीमा प्रदान की गई है। पत्र में उल्लेख किया कि कंपनी की गुणवत्ता प्रणाली अपर्याप्त थी। कई दवा निर्माता उत्पादन सुविधाओं, परीक्षण प्रयोगशालाओं, पैकेजर्स और लेबलर्स जैसे स्वतंत्र ठेकेदारों का उपयोग करते हैं। एफडीए ठेकेदारों को निर्माता के विस्तार के रूप में मानता है। यूएसएफडीए ने आरोप लगाया कि उसके निरीक्षकों को 15 मार्च, 2024 को यूनिट में प्रवेश करने से मना कर दिया गया था।

जे एंड जे ने स्टेलारा बायोसिमिलर अनुबंध के गुप्त उल्लंघन को लेकर सैमसंग बायोएपिस पर मुकदमा दायर किया

प्राप्त समाचार के अनुसार जुलाई 2024 में स्टेलारा के पेटेंट की अवधि समाप्त होने के बाद जे एंड जे ने फार्मा कंपनियों के साथ बायोसिमिलर के व्यावसायीकरण की अनुमति देने वाले कई समझौते किए हैं। जॉनसन एंड जॉनसन (जे एंड जे) ने सैमसंग बायोएपिस पर एक अनाम स्वास्थ्य समूह को ब्लॉकबस्टर स्टेलेरा (यूस्टेकिनुमाब) के निजी लेबल बायोसिमिलर संस्करण की आपूर्ति करने की गुप्त योजना को लेकर मुकदमा दायर किया है। न्यू जर्सी में 24 फरवरी को दायर मुकदमे के अनुसार, जे एंड जे ने आरोप लगाया है कि सैमसंग बायोएपिस ने एक ष्गुप्त और जानबूझकर उल्लंघन किया है, जो मौजूदा समझौते के बाद से जैनसेन को अपूरणीय क्षति का खतरा है। सहायक कंपनी, जो अब जेएंडजे इनोवेटिव मेडिसिन है, द्वारा विकसित, स्टेलारा 2019 से जेएंडजे की सबसे अधिक बिकने वाली दवा रही है, जिसने 2023 में 11 बिलियन डॉलर की बिक्री की है। जुलाई 2024 में स्टेलारा के पेटेंट की अवधि समाप्त होने के बाद जे एंड जे ने बायोसिमिलर लॉन्च की अनुमति देने के लिए कंपनियों के साथ कई सौदे किए हैं। उनमें से एक नवंबर 2024 में सैमसंग बायोएपिस के साथ था, जिससे उसे फरवरी 2025 में स्टेलारा के बायोसिमिलर को बाजार में उतारने की अनुमति मिली। सैमसंग बायोएपिस ने इस उत्पाद को, अपने साझेदार सैंडोज के साथ मिलकर, इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिका में पायज़्चवा ब्रांड नाम से लॉन्च किया। जे एंड जे के अनुसार, हालांकि अनुबंध में सैमसंग को अतिरिक्त निजी लेबल वाली दवा के लिए अपने अधिकारों को उप-लाइसेंस देने की अनुमति नहीं दी गई है, फिर भी बायोसिमिलर विशेषज्ञ ने कथित तौर पर ठीक वैसा ही किया है। जे एंड जे के प्रवक्ता ने फार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजी को बताया : सैमसंग बायोएपिस अनुबंध का उल्लंघन कर रहा है। सैमसंग बायोएपिस द्वारा हमारे निपटान समझौते के उल्लंघन को हल करने के कई प्रयासों के बाद, हमने अपने प्रारंभिक प्रवेश समझौते की शर्तों को लागू करने के लिए सैमसंग बायोएपिस के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

ईएमए ने एचएई के लिए टेकेडा के तखजीरो प्री-फिल्ड पेन विकल्प को मंजूरी दी

टेकेडा के तखजीरो प्री-फिल्ड पेन की मौजूदा स्वीकृति मौजूदा 150 मिलीग्राम और 300 मिलीग्राम प्री-फिल्ड सिरिंज और इंजेक्शन के लिए 300 मिलीग्राम वायल विकल्पों के अतिरिक्त है। यूरोपीय औषधि एजेंसी (ईएमए) ने टेकेडा के तखजीरो (लानाडेलुमाब) के उपचर्म प्रशासन के लिए अतिरिक्त 2 एमएल प्री-फिल्ड पेन विकल्प को मंजूरी दे दी है, जिसका उद्देश्य वंशानुगत एंजियोएडेमा (एचएई) का उपचार करना है। यह अनुमोदन वयस्कों और 12 वर्ष या उससे अधिक आयु के किशोरों के लिए है। यह कंपनी के उपचर्म प्रशासन विधियों के पोर्टफोलियो में विस्तार का प्रतीक है। तखजीरो ने पहले से भरी हुई सिरिंज में इंजेक्शन के लिए 150 मिल. ीग्राम घोल, पहले से भरी हुई सिरिंज में इंजेक्शन के लिए 300 मिलीग्राम घोल और एक शीशी में इंजेक्शन के लिए 300 मिलीग्राम घोल के लिए अनुमोदन प्राप्त कर लिया है। चमड़े के नीचे प्रशासन के लिए नवीनतम अनुमोदन, पूर्व-भरे पेन में इंजेक्शन के लिए 300 मिलीग्राम घोल, जिसमें 2 एमएल घोल में 300 मिलीग्राम लानाडेलुमाब शामिल है, को एक नैदानिक अध्ययन द्वारा समर्थित किया गया था। यूरोपीय संघ में, इस थेरेपी को दो वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों में आवर्ती HAE हमलों की नियमित रोकथाम के लिए अनुमोदित किया गया है। टेकेडा HAE के वैश्विक चिकित्सा प्रमुख इर्मगार्ड एंड्रेसन ने कहा: HAE दुनिया भर में 50,000 लोगों में से 1 को प्रभावित करता है और अक्सर इसकी पहचान नहीं हो पाती, इसका निदान नहीं हो पाता और इसका इलाज भी कम ही हो पाता है। हम इस अतिरिक्त उपचर्म प्रशासन विकल्प पर म्ड। द्वारा त्वरित स्वीकृति का स्वागत करते हैं। "12 वर्ष और उससे अधिक उम्र के HAE रोगियों के लिए अब एक अतिरिक्त व्यक्तिगत उपचार विकल्प उपलब्ध है। शरीर के विभिन्न अंगों में सूजन के बार-बार होने वाले प्रकरणों से चिह्नित, HAE एक दुर्लभ आनुवंशिक स्थिति है जो दर्दनाक हो सकती है और गंभीर मामलों में, जीवन के लिए खतरा बन सकती है। ये हमले वायुमार्ग में बाधा डाल सकते हैं।

Forgo Pharmaceuticals (P) Ltd.
(An ISO 9001:2015 Certified Company)
• Knee & Ankle Support
• Body Belts & Braces
• Fracture Aids
• Cervical Aids
• Fingers, Wrist & Arm Supports
A wide range of products available for Third Party & PCD marketing
Tablets & Capsules | Neturaceuticals & Protein Powders
Oral Liquids & Dry Syrup | Dietary Supplements
Injectables | Herbal Preparations
Eye Drops, Ear Drops & Nasal Drops | Wide range of Skin Care Cosmetics
Creams, Lotions, Gels & Ointments | Veterinary Drugs
Shampoo & Soaps | Vaccines & Pre Filled Syringes
Aerosats & Form Fill Seat (FFS)
Tablets, Capsules, Dry Syrup, Liquid Orals, Eye/Ear Drops, Soap, Shampoo/Lotion, Ointment, Sachets, Veterinary Medicines
Our Speciality Divisions
More then 1000 products
All new molecules available
Third party manufacturing also done
More then 1000 products
Third Party Manufacturing also done
All new Molecules available
Forgo Pharmaceuticals (P) Ltd. | The Green's Ayurveda | Constant Remedies (P) Ltd. | Elegance | Yashvan Lifesciences
Sykocure Lifesciences | Kardic Kare | Forgo Cares | Spark Laboratories | Forever Formulations
Corporate Office: Plot No. 92, Ind. Area Phase-I, Panchkula Haryana 134113
Mfg. Unit Forgo Pharmaceuticals (GMP/GLP/WHO Certified Unit) (AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)
27, DIC IND AREA, Barotiwala, Teh: Baddi, Distt. Solan (HP)
Email : helpdeskforgo@yahoo.com / forgopharmaceutical@yahoo.co.in
Contact Detail : 0172-2569292 / 2568292 / 9814924737 / 7696099905 / 9877640753 / 9569569292

भारतीय फार्मा दुनिया के टॉप फाइव सप्लायर देशों में होगा शामिल

नई दिल्ली: भारतीय फार्मा दुनिया के टॉप फाइव सप्लायर देशों में शामिल हो सकेगा। देश का फार्मास्यूटिकल निर्यात 2023 में करीब 27 बिलियन डॉलर था। इसके दोगुना होकर 2030 तक 65 बिलियन डॉलर तक पहुंचने के आसार है। यही नहीं, 2047 तक निर्यात अनुमानित 350 बिलियन डॉलर तक बढ़ सकता है। गौरतलब है कि भारत वैश्विक स्तर पर जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा सप्लायर है। इसके बावजूद निर्यात मूल्य के मामले में देश वर्तमान में 11वें स्थान पर है। भारतीय फार्मास्युटिकल अलायंस (आईपीए), भारतीय औषधि निर्माता संघ (आईडीएमए) और फार्मेक्सिल के सहयोग से बेन एंड कंपनी द्वारा रिपोर्ट तैयार की गई है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि विशेष जेनेरिक्स, बायोसिमिलर और नवीन उत्पादों को शामिल करने के लिए अपने निर्यात बास्केट में नवाचार और विविधता लाकर भारत किस तरह निर्यात मूल्य के मामले में शीर्ष पांच देशों में स्थान पा सकता है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि हम अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देकर इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। वहीं, बेन एंड कंपनी के पार्टनर श्रीराम श्रीनिवासन का कहना है कि वैश्विक बाजार में अपना उचित स्थान सुरक्षित करने के लिए भारतीय फार्मा के लिए मात्रा-आधारित से मूल्य-आधारित विकास की ओर संक्रमण जरूरी है। हालांकि भारतीय फार्मा के पास वैश्विक बायोसिमिलर बाजार का 5 प्रतिशत से भी कम हिस्सा है, लेकिन अनुसंधान एवं विकास में बढ़ते निवेश के कारण इसमें सुधार दिखाई देने लगा है।

जीएलपी-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट ओपिओइड उपयोग विकार के उपचार के लिए आशाजनक हो सकते हैं

प्राप्त समाचार के अनुसार केओएल ने मेथाडोन, वर्तमान एसओसी की सुरक्षा प्रोफाइल पर सवाल उठाए हैं। ग्लूकागन-जैसे पेप्टाइड-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट (GLP-1RAs), जिन्हें मूल रूप से मधुमेह के उपचार के लिए विकसित किया गया था, इंसुलिन स्राव को उत्तेजित करके और ग्लूकागन रिलीज को दबाकर काम करते हैं, जिससे रक्त शर्करा को विनियमित करने में मदद मिलती है। हालाँकि, ये दवाएं मस्तिष्क के इनाम प्रणाली पर भी काम करती हैं, जो कि नशे की लत में गहराई से शामिल एक क्षेत्र है। मस्तिष्क के मेसोलेम्बिक सिस्टम में GLP-1 रिसेप्टर्स होते हैं, जो प्रेरणा और इनाम से अटूट रूप से जुड़े होते हैं। इसने ओपिओइड संकट से निपटने के लिए अपने उत्पादों के लेबल का विस्तार करने की चाह रखने वाले दवा डेवलपर्स की रुचि को बढ़ा दिया है। शुरुआती नैदानिक कार्यों से पता चला है कि GLP-1RAs ओपिओइड उपयोग विकार (OUD) के उपचार में एक आशाजनक नया रास्ता है, क्योंकि वर्तमान उपचार परिदृश्य नवाचार की कमी और ओपिओइड एगोनिस्ट उपचारों पर भारी निर्भरता से दबा हुआ है। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में कैरन ट्रीटमेंट सेंटर में आयोजित तीन सप्ताह के चरण I अध्ययन में OUD के लिए आवासीय उपचार प्राप्त करने वाले 20 प्रतिभागियों को नामांकित किया गया। परीक्षण में नोवो नॉर्डिस्क के सैक्सेंडा को एक मोनोथेरेपी के रूप में आंका गया, जो मौजूदा उपचारों को टक्कर देने की इसकी क्षमता को प्रदर्शित करता है, और परिणामों ने OUD रोगियों के लिए नई उपचार संभावनाओं का एक क्षेत्र खोल दिया है। आधे रोगियों को सैक्सेंडा दिया गया जबकि अन्य आधे को प्लेसबो दिया गया, और सभी प्रतिभागियों को ब्यूप्रेनॉर्फिन लेने का विकल्प दिया गया।

मार्च माह के व्रत एवं त्यौहार

08.03.2025	विश्व महिला दिवस
13.03.2025	होलिकादहन
14.03.2025	धुलैण्डी
16.03.2025	संत तुकाराम जयंती
21.03.2025	दिनरात बराबर
22.03.2025	जलदिवस

OMNI Herbal Acne®
CREAM • CAPSULE • FACE WASH
APPROVED BY AYUSH
for Glowing Skin
NOTE REQUIRED DISTRIBUTOR IN VACANT AREAS
• त्वचा का कुदरती रंग निखारें।
• चेहरे का रंग साफ करके निखार लाएं।
• यह औषधि चेहरे पर होने वाले कील, मुहांसों, झाइयों, दाग-धब्बे, झुर्रियां कम करने में लाभदायक है।
REMOVES DARK SPOTS ON THE FACE
USEFUL IN PIMPLES, ACNE, HYPERPIGMENTED SKIN
नोट : बेहतर परिणाम हेतु Omni Herbal Acne Face Wash से मुँह धोकर क्रीम लगाएं तथा Omni Herbal Acne Capsule का सेवन करें।
OMNIPOTENT S PHARMACEUTICALS
Patel nagar, Kamiri Road, Hisar-125001 (HR) • Consumer Care No.: 98125-22181, 94160-42679
omnipotents_pharmaceuticals@yahoo.co.in • www.omnipotentspharma.com

4 वर्ष तक घर बैठे यह समाचार पत्र पढ़ने के लिये हमारे पंजाब नैशनल बैंक के खाता संख्या 1824002100120081, IFSC Code - PUNB0145020 जो कि मैडीकल दर्पण के नाम से है, में रू० 500/- जमा कर अपना पूरा पता हमारे फोन नं०- 09045029158 पर SMS कर दें।

MD PAPER March 2025_32 Inch January. 2021.qxd 3/1/2025 9:20 AM Page 14

बिना लाइसेंस के बेची जा रही दो लाख की दवाइयां जब्त

बारां (राजस्थान): बिना लाइसेंस के बेची जा रही दो लाख की दवाइयां जब्त करने का मामला प्रकाश में आया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग ने यह कार्रवाई हंस फाउंडेशन के छबड़ा स्थित कार्यालय पर की। विभाग को बालाजी नगर स्थित एक मकान में बिना लाइसेंस दवाओं के भंडारण और बिक्री की लगातार शिकायत मिल रही थी। औषधि नियंत्रक राजाराम शर्मा और आयुक्त एच गुइटे के निर्देश पर विभाग की टीम ने मौके पर जाकर छापेमारी की। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने बताया कि यह जगह हंस फाउंडेशन द्वारा किराए पर ली गई है। यहां एक मकान के प्रथम तल पर बंद कमरे से बड़ी मात्रा में दवाएं मिली। कार्रवाई के दौरान मौके से मिली दवाइयों में एंटीबायोटिक्स, कार्डियक, एंटी-फंगल, आई ड्रॉप्स, ईयर ड्रॉप्स, पेन किलर, क्रीम, लोशन, कफ सिरप और एनाल्जेसिक श्रेणी की दवाएं शामिल थीं। इतनी मात्रा में मिली दवाओं के आरे में कर्मचारी न तो दवा लाइसेंस दिखा सके और न ही खरीद के बिल प्रस्तुत कर सके। इसके बाद जिले के ड्रग कंट्रोलर अधिकारी शिवक. ांत शर्मा ने जांच के लिए सैंपल लिया है। वहीं, फॉर्म-16 के तहत जब्त की गई दवाओं की कीमत लगभग दो लाख रुपये आंकी गई है। जांच में सामने आया कि हंस फाउंडेशन बारां के चिकित्सा विभाग के अंतर्गत चार से पांच मोबाइल मेडिकल यूनिट चलाता है। विभाग ने चेता. वनी दी है कि भविष्य में भी बिना लाइसेंस दवा व्यापार में लिप्त मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अवैध मेडिकल स्टोर पर रेड कर 89 हजार की दवाइयां जब्त

हरदोई: प्राप्त समाचार के अनुसार अवैध मेडिकल स्टोर पर रेड कर 89 हजार की दवाइयां जब्त करने का मामला सामने आया है। यह कार्यवाही हरदोई जिले में अतरौली थाना क्षेत्र के भरावन चौराहे पर संचालित एक बुक डिपो में बिना लाइसेंस के मेडिकल स्टोर पर की गई। ड्रग इंस्पेक्टर ने मेडिकल स्टोर बन्द करने की हिदायत दी है। जानकारी अनुसार क्षेत्र में बिना लाइसेंस दवा बेचने का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। हरदोई की ड्रग इंस्पेक्टर स्वागतिका और लखीमपुर की ड्रग इंस्पेक्टर बबिता रानी ने बताया कि भरावन चौराहे पर बुक डिपो में बिना लाइसेंस मेडिकल स्टोर के संच. ालन की शिकायत मिली थी। यहां पर एक बुक डिपो में दवाइयों का कारोबार बिना लाइसेंस चल रहा था। ड्रग इंस्पेक्टरों ने दुकान पर पहुंचकर दुकानदार से लाइसेंस दिखाने को कहा तो दुकानदार कोई वैध लाइसेंस नहीं दिखा पाया। दवा निरीक्षक ने दुकान के अन्दर दवाइयों का स्टाक जांचा। उसमें मिली 89 हजार रुपये कीमत की दवाइयां मिली। इसके चलते इंस्पेक्टरों ने इन दवाओं को जब्त कर लिया और दुकानदार को मेडिकल स्टोर बन्द करने की हिदायत दी है। यदि बिना लाइसेंस के दवाइयों का कारोबार किया तो कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

सेक्सोलॉजिस्ट क्लीनिक पर रेड कर नकली दवाइयां पकड़ी

लखनऊ (उप्र): प्राप्त समाचार के अनुसार सेक्सोलॉजिस्ट क्लीनिक पर रेड कर नकली दवाइयां पकड़ी गई हैं। यौन समस्याओं के इलाज के नाम पर यहां मरीजों से ठगी की जा रही थी। ड्रग्स विभाग की जांच में पाया गया कि इन दवाओं के सेवन से लोगों को गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। यह मिलावटी दवाइयां आयुर्वेद बताकर बेची जा रही थीं। औषधि विभाग को काफी समय से यौन समस्याओं के इलाज के नाम पर ठगी की शिकायतें मिल रही थीं। इसके चलते ड्रग्स विभाग की टीम ने लखनऊ के पांच सेक्सोलॉजिस्ट क्लीनिक पर छापेमारी की। इनमें डॉ. एसके जैन, डॉ. एके जैन, डॉ. पीके जैन, राणा डिस्पेंसरी और डॉ. ताज क्लीनिक शामिल हैं। विभाग की टीम ने छापेमारी में पाया कि इन क्लीनिकों में मिलावटी स्टेरॉयड युक्त दवाएं मरीजों को दी जा रही थीं।

अधिकारियों के मुताबिक इन क्लीनिकों से 10 संदिग्ध दवाओं के सैंपल जांच के लिए मेरठ लैब भेजे गए थे। जांच में इन दवाओं में स्टेरॉयड पाया गया। इन मिलावटी दवाओं को बिना किसी वैज्ञानकि प्रमाण के ही लोगों को बेचा जा रहा था। यौन शक्ति बढ़ाने को लेकर लोगों से ठगी भी की जा रही थी। बताया गया कि जब ड्रग्स विभाग की टीम इन क्लीनिकों पर छापेमारी करने पहुंची तो उसे अंदर घुसने नहीं दिया गया। जब टीम अंदर घुसी तो कर्मचारियों ने धक्कामुक्की भी की। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

कैग रिपोर्ट अस्पतालों की खुली पोल

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार मोहल्ला क्लीनिक समेत कई मुफ्त योजनाओं के दम पर आम आदमी पार्टी दिल्ली में एक दशक से ज्यादा सत्ता में रही। दिल्ली के लोगों को स्वास्थ्य सेवा कैसी मिल रही थी, उसकी कलई अब खुलने लगी है। दिल्ली के सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे में महत्वपूर्ण कमियां हैं। 27 अस्पतालों के ऑडिट में सामने आया कि इनमें से 50 फीसदी अस्पतालों में मूलभूत सुविधाएं नहीं हैं। 60 फीसदी अस्पतालों में ब्लड बैंक नहीं और 8 अस्पतालों में ऑक्सीजन प्रणाली की कमी थी। इनके अलावा, 15 अस्पतालों में मुरदा घर नहीं थे और 12 में एम्बुलेंस सेवाएं नहीं थीं। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में स्टाफ की कमी भी सामने आई। इसमें नर्सिंग और पैरामेडिक पदों पर 21 और 38 फीसदी जगह खाली थी। राजीव गांधी और जनकपुरी जैसे सुपर-स्पेशियलिटी अस्पतालों में डॉक्टरों के लिए 74 फीसदी, नर्सिंग स्टाफ के लिए 96 फीसदी और पैरामेडिक्स के लिए 62 फीसदी पद खाली थे। 32,000 बिस्तर जोडने की योजना के बावजूद, केवल 1,357 बिस्तर ही जोड़े गए। मोहल्ला क्लीनिक समेत कई मुफ्त योजनाओं के दम पर आम आदमी पार्टी दिल्ली में एक दशक से ज्यादा सत्ता में रही।

इंजेक्शन वाली नौ दवाएं जांच में फेल, बाजार से दवाएं वापस मंगाई

बेंगलूरु। इंजेक्शन वाली नौ दवाएं जांच में फेल पाई गई हैं। इसके चलते ये दवाएं बाजार से वापस मंगाई गई है। बताया गया कि दूसरे राज्यों में निर्मित इंजेक्शन वाली 9 दवाओं के फेल होने के बाद राज्य सरकार ने केंद्र से इन दवाओं की बिक्री रोकने के लिए कदम उठाने की अपील की है। ये दवाएं पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में बनी हैं। जांच रिपोर्ट के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने कर्नाटक के बाजारों से इन दवाओं को वापस लेने का आदेश दिया। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा को लिखे पत्र में रोगियों के लिए संभावित जोखिमों पर प्रकाश डाला। राज्य में इन दवाओं की बिक्री रोकने के लिए तत्काल कार्यवाही करने का आह्वान किया।

एसिडिटी और डायबिटीज समेत 84 दवाओं के बैच जांच में फेल

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार एसिडिटी और डायबिटीज समेत 84 दवाओं के बैच गुणवत्ता जांच में फेल पाए गए हैं। दवाओं की गुणवत्ता की निगरानी करने वाली संस्था सीडीएससीओ ने इस बारे में अलर्ट जारी किया है। रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर 2024 में विभिन्न कंपनियों में बनी 84 बैच की दवाएं जिनमें एसिडिटी, उच्च कोलेस्ट्रॉल, डायबिटीज और बैक्टीरियल इंफेक्शन जैसी आम बीमारियों की दवाएं शामिल हैं, जांच में फेल मिली हैं। इन दवाओं के सैंपल निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरे। इस कारण उन्हें गुणवत्ता मानक के विपरित करार दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार कि यह टेस्ट केवल जांचे गए बैच तक सीमित है। नकली दवाओं की पहचान करने की यह कार्रवाई राज्य नियामकों के साथ मिलकर नियमित रूप से की जाती है ताकि इन दवाओं की पहचान कर उन्हें बाजार से हटाया जा सके। सीडीएससीओ ने हाल ही में नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इस निर्देश के तहत सभी दवा निरीक्षकों को हर महीने कम से कम 10 सैंपल लेकर उसी दिन प्रयोगशाला भेजने होंगे।

प्रतिबंधित नशीले कैप्सूलों की तस्करी का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

श्रीगंगानगर (राजस्थान)। प्राप्त समाचार के अनुसार प्रतिबंधित नशीले कैप्सूलों की तस्करी का भंडाफोड़ करने में सफलता मिली है। यह कार्यवाही जिला औषधि नियंत्रण विभाग और चूनावढ़ पुलिस की संयुक्त टीम ने की। टीम ने 1780 नशीले कैप्सूल सहित दो युवकों को गिरफ्तार किया है। ड्रग इंस्पेक्टर अमनदीप ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के तहत चूनावढ़ एसएचओ मलकीतसिंह के साथ संयुक्त टीम बनाई गई। टीम ने 32 जीजी रोही में पेट्रोल पंप के पास से दो युवकों को पकड़ा। इनके नाम 23 जेड निवासी देवेंद्रसिंह और 19 जेड निवासी मनोजकुमार बताए गए। दोनों आरोपियों की तलाशी में प्रतिबंधित नशीले प्रीगाबालिन 300 एमजी साल्ट के 1780 कैप्सूल बरामद किए गए। पूछताछ में पता चला कि वे 5 ईईए एरिया से ये कैप्सूल खरीदकर लाए थे। इन्हें आगे बेचने की योजना थी। जांच में पता चला कि ये कैप्सूल हिमाचल प्रदेश के पोंटासाहिब स्थित बायोकोनिक रेमेडीज फार्मा कंपनी के हैं। अब विभाग कंपनी से पत्र लिखकर प्रीगाबालिन 300 एमजी डोज प्रतिबंधित होने के बावजूद इनकी सप्लाई करने के बारे में जानकारी लेगा।

मेडिकल स्टोरों पर रेडकर 12 दवाओं की बिक्री रोकी

रायबरेली (उप्र)। प्राप्त समाचार के अनुसार मेडिकल स्टोरों पर रेडकर 12 दवाओं की बिक्री पर रोक लगाई गई है। ड्रग इंस्पेक्टर की टीम ने शहर में तीन मेडिकल स्टोरों में छापा मारा और पांच संदिग्ध दवाओं के सैंपल लिए हैं। खामियां मिलने पर दवा दुकानदारों को नोटिस देकर जवाब मांगा है। ड्रग इंस्पेक्टर शीवेंद्र प्रताप सिंह ने यशोदा नर्सिंग होम स्थित कृष्णा फॉर्मेसी का निरीक्षण किया। यहां दो संदिग्ध दवाओं के सैंपल लिए। बिल न मिलने पर चार एंटीबॉयोटिक दवाओं की बिक्री पर रोक लगा दी गई। इसके अलावा, कई कमियां पाई गई, जिसके चलते दुकान संचालक को नोटिस देकर जवाब मांगा है। जेल रोड स्थित गोविंद मेडिकल स्टोर में भी कई खामियां मिलीं। यहां एक दवा का सैंपल लेकर चार दवाओं की बिक्री रोक दी। इसके अलावा, बेलाभेला सीएचसी के पास अरशद मेडिकल स्टोर में दो दवाओं के सैंपल लिए हैं और चार दवाओं की बिक्री रोकी है। यहां भी कई कमियां पाई गई, जिसके चलते मेडिकल संचालक को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है।

एचआईवी दवाओं की खरीद व गुणवत्ता पर सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

नई दिल्ली: एचआईवी दवाओं की खरीद व गुणवत्ता पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र व राज्यों से जवाब मांगा है। उच्चतम न्यायालय ने एचआईवी मरीजों के इलाज के लिए 'एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी' दवाओं की गुणवत्ता पर जवाब दायर करने को कहा। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ एनजीओ नेटवर्क ऑफ पीपल लिविंग विथ एचआईवी/एड्स द्वारा दायर याचिका की सुनवाई कर रही थी। याचिका में एआरवी दवाओं की आपूर्ति और गुणवत्ता पर चिंता जताई गई है। याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि अब तक केवल चार राज्यों ने अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं।

बेहोशी के इंजेक्शन की शिकायत पर सैंपल लेकर वितरण रोका

उरई (उप्र)। बेहोशी के इंजेक्शन की शिकायत पर सैंपल लेकर इसका वितरण रोक दिया गया है। सर्जरी के काम आने वाले बेहोशी के इस इंजेक्शन के रिएक्शन की शिकायत मिली थी। इसके चलते औषधि निरीक्षक देवयानी दुबे ने जिला अस्पताल स्थित केंद्रीय औषधि भंडार कक्ष का निरीक्षण किया। उन्होंने इंजेक्शन को मानक के अनुरूप नहीं पाया और इंजेक्शन का सैंपल लिया है। जांच रिपोर्ट आने तक इस इंजेक्शन के वितरण पर रोक लगा दी है। बेहोशी के इंजेक्शन इसके अलावा दो एंटीबायोटिक, एक ब्लड निकालने वाली दवा और एक कान के सनसनाहट वाली दवा के भी सैंपल लिए हैं। औषधि निरीक्षक ने केंद्रीय औषधि भंडार कक्ष के मुख्य फार्मासिस्ट शिवकुमार सोनी को दवाओं का रखरखाव व्यवस्थित रखने के आदेश दिए।

4 वर्ष तक घर बैठे यह समाचार पत्र पढ़ने के लिये हमारे पंजाब नैशनल बैंक के **खाता संख्या 1824002100120081,** IFSC Code - PUNB0145020 जो कि मैडीकल दर्पण के नाम से है, में रू० 500/- जमा कर अपना पूरा पता हमारे फोन नं०- 09045029158 पर SMS कर दें।

MD PAPER March 2025_32 Inch January. 2021.qxd 3/1/2025 9:20 AM Page 15

सरकारी अस्पताल में चार डॉक्टर बाहर की दवा लिखते पकड़े

अमेठी (उप्र): सरकारी अस्पताल में चार डॉक्टरों को बाहर की दवा लिखते हुए पकड़ा है। यह कार्रवाई मुख्य चिकित्सा अधिकारी व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने जिला अस्पताल के औचक निरीक्षण पर की। सीएमओ व सीएमएस ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। सीएमओ का वाहन देखते ही अस्पताल के आसपास घूमने वाले दलाल फरार हो गए। चार चिकित्सकों को बाहर की दवा लिखते रंगे हाथों पकड़ा और वेतन बाधित करते हुए नोटिस जारी किया हैं। सीएमओ डॉ. अंशुमान सिंह, सीएमएस डॉ. बद्री प्रसाद अग्रवाल की टीम कमरा नंबर एक में पहुंची। मरीजों की जांच कर रहे हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. हनुमान प्रसाद को बाहर की दवा लिखते पकड़ा। सीएमओ ने चिकित्सक को कड़ी फटकार लगाई। कमरा नंबर दो में डॉ. पीतांबर कनौजिया को बाहर की दवा लिखी पर्ची के साथ पकड़ा। मरीजों को बाहर की दवा लिखी देख सीएमओ ने नाराजगी जताई। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. लईक के कक्ष में खड़े मरीज से सीएमओ ने पूछताछ की। एक मरीज के पास मिले पुराने पर्चे पर बाहर की दवा लिखी मिली। इस पर सीएमओ ने फटकार लगाई। कमरा नंबर पांच में डॉ. प्रवण गौतम द्वारा मरीज को बाहर की दवाएं लिखते पकड़ा। उन्हें कड़ी फटकार लगाते हुए दोबारा ऐसा न करने की चेतावनी दी। सीएमओ ने पैथोलाजी का निरीक्षण किया। वरिष्ठ लैब टेक्नीशियन संतोष मरीजों के खून का सैंपल लेते मिले। एक पर्चे पर एफएसएच की जांच लिखी मिली, जो बाहर की थी। इस पर सीएमओ ने नाराजगी जताई। जिला अस्पताल के बाहर खुले सेवार्थ पैथोलाजी का सीएमओ ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान पैथोलाजिस्ट चिकित्सक नहीं मिले। बिना चिकित्सक की सलाह के दो लोगों की जांच होती मिली। सीएमओ ने पैथोलाजी संचालक को नोटिस थमाते हुए जवाब मांगा है।

स्टिंग ऑपरेशन ने पालघर की फार्मा कंपनी का अफ्रीका ओपियोइड से किया संबंध उजागर

नई दिल्ली: पालघर स्थित एक दवा कंपनी पर अवैध रूप से बिना लाइसेंस के, नशे की लत वाले ओपिओइड बनाने और उन्हें पश्चिम अफ्रीका में निर्यात करने का आरोप लगा, जिसके बाद राज्य और केंद्रीय दवा निरीक्षकों ने सप्ताहांत में संयुक्त छापेमारी की और ऐसे उत्पादों के निर्माण और निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। पालघर जिले के अंतर्गत बोइसर में एवियो फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड की सुविधा और गोदाम पर छापेमारी बीबीसी वर्ल्ड सर्विस की एक डॉक्यूमेंट्री श्इंडियाज ओपिओइड किंग्स के बाद हुई। इस डॉक्यूमेंट्री में टैपेंटाडोल (एक शक्तिशाली ओपिओइड) और कैरिसोप्रोडोल (एक नशे की लत वाली मांसपेशियों को आराम देने वाली दवा) के घातक कॉकटेल से बनी गोलियों से होने वाले सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट की जांच की गई, जिन्हें वैध लाइसेंस प्राप्त दवाओं के रूप में पैक किया गया और नाइजीरिया और घाना जैसे देशों में बेचा गया। इस दवा संयोजन को दुनिया में कहीं भी उपयोग के लिए लाइसेंस प्राप्त नहीं है। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि पूरा स्टॉक जब्त कर लिया गया है, और आगे उत्पादन रोक दिया गया है। FDA ने ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के तहत एवियो को कारण बताओ नोटिस भी दिया है। नाइजीरिया की ड्रग प्रवर्तन एजेंसी के एक सदस्य ने डॉक्यूमेंट्री निर्माताओं को बताया, वे भारत से आ रहे हैं और यह नाइजीरिया में एक बड़ा खतरा बन गया है।

दवा नियमों का उल्लंघन करने पर रेडफर-एक्सटी टैबलेट जब्त

हैदराबाद: दवा नियमों का उल्लंघन करने पर रेडफर-एक्सटी टैबलेट जब्त की गई है। पेद्दापल्ली जिले के रामागुंडम में औषधि नियंत्रण प्रशासन के अधिकारियों ने यह कार्यवाही की। बाजार में बिक रहे उत्पाद रेडफर-एक्सटी टैबलेट का पता लगाया। जांच में पता चला कि यह उत्पाद विजया गार्डन कॉलोनी, बंदलागुडा, हैदराबाद में स्थित बीआर न्यूट्राकेयर द्वारा निर्मित और हैदराबाद के नागोले गांव, साई नगर कॉलोनी में स्थित डॉ. श्री रेड्डीज लाब द्वारा विपणन की गई। डीसीए अधिकारियों ने कहा कि उक्त उत्पाद को खाद्य लाइसेंस के तहत गलत तरीके से निर्मित किया गया था और खाद्य उत्पाद/न्यूट्रास्यूटिकल होने का झूठा दावा किया गया।

ब्रांडेड के नाम पर नकली उत्पाद बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़

लखनऊ (उप्र): ब्रांडेड के नाम पर नकली उत्पाद बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया है। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने बाराबंकी में शांति विहार कॉलोनी में स्थित फैक्ट्री में की। खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने बाराबंकी में शांति विहार कॉलोनी में आरके इंटरप्राइजेज नामक फैक्ट्री पर रेड की। मौके से ब्रांडेड राष्ट्रीय और राष्ट्रीय कंपनियों के नाम पर नमक, टॉयलेट क्लीनर, क्रीम आदि उत्पाद जब्त किए हैं। कुल 1 करोड़ रुपये के नकली उत्पाद जब्त किए हैं और दो एफआईआर दर्ज करवाई गई है। जानकारी अनुसार ज्वाइंट मजिस्ट्रेट और सदर एसडीएम आर जगतसाय और एफएसडीए टीम ने छापेमारी की थी। ऑपरेशन के दौरान पता चला कि गोदाम में लोकप्रिय ब्रांडों के नमक, मसाले, डिटर्जेंट पाउडर, टॉयलेट और फर्श क्लीनर, क्रीम और चिपकने वाले पदार्थों की नकली पैकेजिंग की जा रही थी। सूचना मिलने पर संबंधित कंपनियों के प्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और जब्त माल के नकली होने की पुष्टि की। फिलहाल मामले में आगामी कार्यवाही की जा रही है।

आयुष्मान योजना फर्जीवाड़े में चार बड़े अस्पतालों पर छापेमारी

बिलासपुर (छत्तीसगढ़): आयुष्मान योजना फर्जीवाड़े को लेकर चार बड़े अस्पतालों पर छापेमारी का मामला सामने आया है। स्वास्थ्य विभाग को शिकायतें मिल रही थी कि सरकार की मुफ्त स्वास्थ्य बीमा योजना आयुष्मान भारत में कई अस्पताल गड़बड़ी कर रहे हैं। शिकायत के तहत विभागीय अधिकारियों की टीम ने निजी अस्पतालों में छापेमारी की। छापेमारी के बाद शहर के चार बड़े अस्पताल नोबल, महादेव, शिशु भवन और एलाइट हॉस्पिटल को नोटिस भेजा गया है। बताया गया है कि शिकायतों के बाद स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया ने हेल्थ कमिश्नर को टीम गठन कर जांच की जवाबदारी सौंपी थी। हेल्थ कमिश्नर डॉ. प्रियंका शुक्ला ने 14 टीमों का गठन कर रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर संभाग के अस्पतालों की जांच कराई। इनमें फर्जीवाड़े का बड़ा खुलासा हुआ। राज्य के इन अस्पतालों की ओर से मरीज के इलाज के नाम पर करोड़ों रुपये के फर्जी क्लेम किए गए।

बेहोशी के इंजेक्शन की शिकायत पर सैंपल लेकर वितरण रोका

उरई (उप्र)। प्राप्त समाचार के अनुसार बेहोशी के इंजेक्शन की शिकायत पर सैंपल लेकर इसका वितरण रोक दिया गया है। सर्जरी के काम आने वाले बेहोशी के इस इंजेक्शन के रिएक्शन की शिकायत मिली थी। इसके चलते औषधि निरीक्षक देवयानी दुबे ने जिला अस्पताल स्थित केंद्रीय औषधि भंडार कक्ष का निरीक्षण किया। उन्होंने इंजेक्शन को मानक के अनुरूप नहीं पाया और इंजेक्शन का सैंपल लिया है। जांच रिपोर्ट आने तक इस इंजेक्शन के वितरण पर रोक लगा दी है। इसके अलावा दो एंटीबायोटिक, एक ब्लड निकालने वाली दवा और एक कान के सनसनाहट वाली दवा के भी सैंपल लिए हैं। औषधि निरीक्षक ने केंद्रीय औषधि भंडार कक्ष के मुख्य फार्मासिस्ट शिवकुमार सोनी को दवाओं का रखरखाव व्यवस्थित रखने के आदेश दिए। उनहोंने बताया कि एक्सापयर दवा को अलग रखें और काउंटर पर दवा भेजने से पहले उसकी जांच जरूर करें।

नर्सिंग होम का लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन कैंसिल, जच्चा-बच्चा की मौत का मामला

ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश)। प्राप्त समाचार के अनुसार नर्सिंग होम का लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन कैंसिल किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। दादरी स्थित कृष्णा नर्सिंग होम पर यह कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई गर्भवती महिला और उसके नवजात की मौत के बाद की गई। जानकारी अनुसार 28 वर्षीय गर्भवती महिला कोमल को दादरी के कृष्णा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डिलीवरी के दौरान मां और बच्चे दोनों की मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि महिला रातभर प्रसव पीड़ा से तड़पती रही। अस्पताल में ऑपरेशन की बुनियादी सुविधाएं नहीं थी और इसी कारण महिला की हालत बिगड़ गई। महिला की हालत बिगडने लगी तो अस्पताल प्रबंधन ने उसे दूसरे अस्पताल में ले जाने की सलाह दी। इस दौरान जच्चा और बच्चा दोनों की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया और पुलिस को मामले की सूचना दी। मृतका के परिजनों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से शिकायत की। सीएमओ ने विशेष कमेटी का गठन किया और जांच में अस्पताल की गंभीर लापरवाही सामने आई। सीएमओ ने तत्काल प्रभाव से अस्पताल का लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन रद करने का आदेश दे दिया।

MD PAPER March 2025_32 Inch January. 2021.qxd 3/1/2025 9:20 AM Page 16

Your Inquires are welcome for
FRANCHISEE / PCD
For Marketing & Distribution with Monopoly Rights
With A Wide Range of
TABLETS | CAPSULES | LIQUID SYRUPS
DRY SYRUPS | DROPS | OINTMENTS
EXTERNAL PREPARATIONS
Shivveer Singh
TANISK BIOTECH PVT. LTD.
(ISO 9001:2015 Certified Company)
Nigam Road Selaqui Dehradun – 248011
Ph.: 7453880000,6395960128
Email: taniskbiotech@gmail.com | Visit: taniskbiotech.co.in

Hillwin Pharmaceuticals
THIRD PARTY MANUFACTURING & FRANCHISEE/PCD
Best quality of efficiency Product we directly approved by WHO GMP
With the Wide Range of :
Tablets | Capsules | Liquids | Dry Syrup | Injectables
Drops | Lotions | Gels | Ointments | Shampoos
Protein Powders | Ayurveda Products | Neutraceuticals
Excellent Packing Like Alu-Alu, Blister & Strip Packing
Brand Promotional Input Like...
Visual aid · Sample Catch covers · Visiting Cards
Product Literature · MR Bags · DCR Pad · Gifts
Trade Enquiries are Welcome for Third Party MFG. / PCD Franchises Distribution on Monopoly basis in PAN India.
CALL US : +91 8476855579 , 9476782423
Head Office : B-39, New Shopping Complex, Opp. PNB Bank Shivalik Nagar, Haridwar (U.K.)

Unleash Your Potential
Partner with us as a PCD Franchisee or Pharma Distributor
PCD PHARMA FRANCHISE
Business Opportunity Pan India
Qscent Puregaba ET | Aarfenac DM
Raptura | Rozep Trio
Contact: +91 9416070290
Aaryan Healthcare Pvt. Ltd.
Committed for healthier and better life
(An ISO 9001:2008 Certified Co.)
Email: healthcare.aaryan@gmail.com

दवा दुकानों पर छापेमारी के दौरान दवाइयां सील, कैमिस्ट फरार

कप्तानगंज, बस्ती (उप्र)। दवा दुकानों पर छापेमारी के दौरान दवाइयां सील करने का मामला सामने आया है। टीम को देखकर एक कैमिस्ट मौके से फरार हो गया। यह कार्रवाई सीएचसी कप्तानगंज गेट के बाहर चल रही चार दवा दुकानों पर की गई। इस दौरान एक दवा दुकान को सील कर दिया गया। सहायक आयुक्त (दवाएं) नरेश मोहन दीपक के नेतृत्व में टीम ने अस्पताल गेट पर चल रही चार दवा की दुकानों पर दबिश दी। विभाग की टीम को देखकर एक मेडिकल स्टोर संचालक मौके से फरार हो गया। टीम ने उसकी दुकान पर नोटिस चस्पा कर दुकान को सील कर दिया। वहीं, तीन अन्य दुकानों पर निरीक्षण करते हुए एक लाख से अधिक कीमत की दवाओं को सील कर कब्जे में ले लिया। इस कार्रवाई के दौरान आसपास के मेडिकल स्टोर संचालकों में हडकंप मच गया और वे अपनी दुकानें बंद कर चले गए।

BADRIVAS BIOTECH Pvt. Ltd.
BADRIVAS BIOTECH PVT. LTD.
Khasra No. 10 & 11 Village. Makkhanpur Bhagwanpur
Roorkee-247661, Dist. Haridwar (Uttarakhand)
New Formulations: Flupentixol & Melitracen; Tramadol & Paracetamol; Amitriptyline & Propranolol; Torsemide & Spironolactone; Bisoprolol formulate; Dothiepin HCL; Ticagrelor; Clonazepam + Desvenlafaxine HCL
Neutraceutical, Cosmetic: Minoxidil & Finasteride Hair Solution; Veterinary Products; Vaginal wash
Diabetic: Bilayered Tab All Range; Teneligliptin 20mg+ Metformin 500mg; Dapagliflozin 50mg+ Metformin 500mg; Dapagliflozin 100mg+ Metformin 1000mg; Sitagliptin Phosphate & Metformin HCL
Cardiac: Atorvastatin +Fenofibrate; Rosuvastatin + Aspirin; Rosuvastatin + Clopidogrel; Rosuvastatin
Neuro: Pregabalin + Nortriptyline; Pregabalin + Methylcobalamin; Pregabalin; Ginkgobiloba+ Piracetam + Vinpocetin; Gabapantin+Nortriptyline; SR TABLETS
Psychiatric: Etizolam; Alprazolam; Clobazam; Diazepam; Lorazepam; Chlordiazepoxide + Mabevarine
Approved Section
Tablets | Capsules | Liquid | Ointment | Nutraceuticals
We have more than1500 Approved Molecules
Welcome for small batches, Third Party Manufacturing, PCD & Export facility available.
Contact No. :- +91 72538 01212 , +91 72538 11212,
Email :- badrivasindia@gmail.com | www.badrivasbiotech.com

नकली दवा बेचने वालों के खिलाफ चलेगा अभियान, अलर्ट

जयपुरः नकली दवा बेचने वालों के खिलाफ प्रदेशभर में 11 फरवरी से अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान मेडिकल स्टोर्स, थोक विक्रेताओं, दवा गोदामों और निर्माण इकाइयों पर छापेमारी होगी। ड्रग आयुक्त एच. गुइटे के निर्देशन में एक सप्ताह तक अभियान चलेगा। इस दौरान नकली, मिलावटी और अवैध दवाओं के उत्पादन, भंडारण और विक्रय पर कड़ी नजर रखी जाएगी। औषधि नियंत्रण विभाग ने बाजार में बिकने वाली नकली दवाओं पर रोक की प्रक्रिया शुरू की है। नकली दवाओं से लोगों की सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचता है। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए सभी सहायक औषधि नियंत्रकों को सख्त दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। बताया गया है कि नकली दवाओं की अवैध खरीद-बिक्री और भंडारण में लगे संस्थानों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

We Welcome Your Inquiries for 3rd Party Manufacturing
Committed to Create Miracles
MIRACLE LIFE SCIENCES
Best quality of efficiency Product we directly approved by WHO GMP
With the Wide Range of :
Tablets | Capsules | Liquids | Dry Syrup | Dry-Inj.
Drops | MEDICATED SOAP | Syrup | Ointments | Veterinary Bolus
Beta & Non-Beta | Ophthalmic Drops | Veterinary Inj.
Excellent Packing Like Alu-Alu, Blister & Strip Packing
Brand Promotional Input Like.....
Visual aid · Sample Catch covers · Visiting Cards
Product Literature · MR Bags · DCR Pad · Gifts
Trade Enquiries are Welcome for Third Party MFG. / PCD Franchises Distribution on Monopoly basis in PAN India.
M. +91 9897039922, 9897939961, 7037039923
MIRACLE LIFE SCIENCES
(Behind Patanjali Yog Peeth) 148, Village : Bahadarpur Saini, Post: Daulatpur
Bahadrabad-249 405, Haridwar (U.K.)
Email : miracle.patel@gmail.com Web: www.miraclelifesciences.in

अमृत और मृत्यु –

दोनों ही इस शरीर में स्थित हैं. मनुष्य मोह से मृत्यु को व सत्य से अमृत को प्राप्त होता है.

एवियो फार्मा ने कहा कि राज्य प्राधिकारियों ने दवा को मंजूरी दे दी है; सरकार बोली नहीं मिली मंजूरी

नई दिल्ली: सरकार ने कहा कि टैपेंटाडोल और कैरीसोप्रोडोल दवाओं का मिश्रण भारत में स्वीकृत नहीं है, और ऐसी दवाओं के उत्पादन और निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है, ऐसी रिपोर्ट के बीच कि एक भारतीय कंपनी बिना लाइसेंस के इस मिश्रण का निर्यात कर रही है। हालांकि, मुंबई स्थित एवियो फार्मास्यूटिकल्स ने दावा किया कि इस मिश्रण को संबंधित राज्य औषधि प्राधिकरणों द्वारा अनुमोदित किया गया है और केंद्रीय औषधि नियामक प्राधिकरण द्वारा जारी निर्यात लाइसेंस के साथ सहायक औषधि नियंत्रकों से आवश्यक अनुमोदन के तहत निर्यात किया जाता है। बीबीसी की एक जांच रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि बिना लाइसेंस वाली नशीली दवा का मिश्रण घाना और नाइजीरिया जैसे अफ्रीकी देशों में अवैध रूप से निर्यात किया जा रहा, जिससे ओपिओइड की लत का गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट पैदा हो रहा था।

FDA REGISTERED FACILITY
AESTHETIC SOFTCAPS
An USFDA Registered, WHO-GMP, GHP, HACCP, ISO 9001:2015 & ISO 22000:2018 Certified Company
Offering the Wide Range of :
• GUMMIES • EFFERVESCENT TABLETS
• SOFTGEL CAPSULES • HARDGEL CAPSULES
• TABLETS • LIQUIDS • SACHETS
• PROTEIN POWDERS
3rd Party Manufacturing
PCD Franchise
+91 7042630159 | +91 9671248900
Works : Kh. No. 181/86/4, Village Mouja Ogli, Suketi Road, Kala Amb, Dist. Sirmaur-173030 (H.P.)
Corporate Office : #200, 2nd Floor, Kh. No.1124, Near Bagga Link Service Station, Rithala, Delhi-110085
Marketing Office : SCO 1131, 1st Floor, Model Town Road, Kartar Nagar, Model Town, Ambala City, Haryana-134003
Email ID : aestheticsoftcaps@gmail.com | Website : www.aestheticsoftcaps.com

AARISE Pharmaceuticals
for us, your health is always first.
Aarise Pharmaceuticals
H. O. : Kh. No. 32, Shri Vas Greens, SIDCUL Road, Haridwar-249402, Uttarakhand
Web - www.aarisepharma.com Email - info@aarisepharma.com
Contact - +91 9899783330 , +91 9289410333
QUIT Smoking
Rx Varenicline Tartrate Tablets 1mg
Smoke Vex Tablets
10x1x10 Tablets
We offer Monopoly Distributorship of our range...
Tablets | DCGI Approved FDC are also available
Capsules
Liquid
Ointments
Complete Marketing & Distribution Support

नीरू गर्ग स्वामी की ओर से ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा प्रकाशित, ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा मुद्रित तथा हरिहर प्रैस के लिए एमपी, प्रिंटर्स नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में मुद्रित एवं के० पी० रोड, बुलन्दशहर से प्रकाशित, सम्पादक – ब्रजेश कुमार गर्ग